THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 341 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.5 2081 मंगलवार, 4 मार्च-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'मई में होगी एशियाई शेरों की गणना'

> *पीएम मोदी ने जूनागढ़ में नेशनल रेफरल सेंटर की आधारशिला रखी*

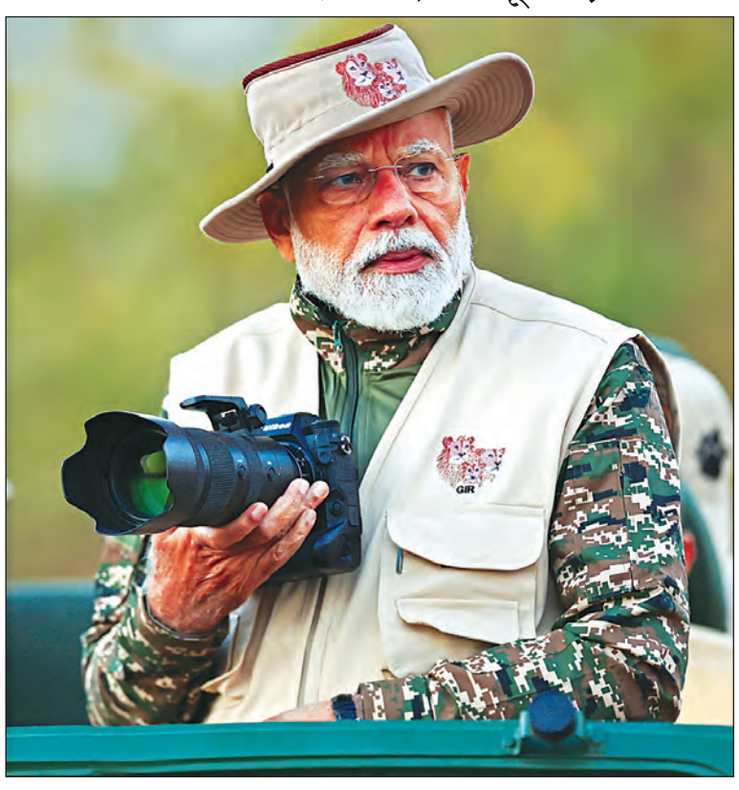

अहमदाबाद, 3 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। दौरे के दूसरे दिन यानी आज प्रधानमंत्री मोदी ने वन्य जीवों के मुद्दे पर अहम बैठक की अध्यक्षता भी की। इस बैठक से पहले उन्होंने गिर राष्ट्रीय उद्यान में जंगल सफारी का आनंद लेकर अपने दिन की शुरूआत की।

प्रधानमंत्री ने नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में वन्यजीवों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि एशियाई शेरों की गणना इस वर्ष मई में की जाएगी। उन्होंने जूनागढ़ में वन्यजीवों के लिए 'नेशनल रेफरल सेंटर' की आधारशिला रखी। एनबीडब्ल्यूएल में 47 सदस्य हैं, जिनमें सेना प्रमुख, विभिन्न राज्यों के सदस्य, इस क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, मुख्य वन्यजीव वार्डन और विभिन्न राज्यों के सचिव शामिल हैं। देश के प्रधानमंत्री एनबीडब्ल्यूएल के पदेन अध्यक्ष होते हैं। इसके बाद पीएम मोदी ने सासण में कुछ महिला वन कर्मचारियों से भी बातचीत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर सोमवार की सुबह गुजरात के जूनागढ़ जिले में गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लिया। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, अन्य मंत्री और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सफारी के दौरान मोदी के साथ थे। एक सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक, केंद्र सरकार ने एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट लॉयन' के तहत 2,900 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर दी है। इन शेरों का एकमात्र निवास स्थान गुजरात है। वर्तमान में एशियाई शेर गुजरात के नौ जिलों के 53 तालुकाओं में लगभग 30,000 वर्ग किलोमीटर में निवास करते हैं।

इसके अलावा एक राष्ट्रीय परियोजना के तहत जूनागढ़ जिले के न्यू पिपल्या में 20.24 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर वन्यजीवों के चिकित्सीय निदान एवं रोग से बचाव के लिए एक 'राष्ट्रीय रेफरल केंद्र' स्थापित किया जा रहा है। संरक्षण प्रयासों को मजबूत करने के लिए सासण में वन्यजीव निगरानी के लिए उच्च तकनीक से युक्त निगरानी केंद्र और एक अत्याधुनिक अस्पताल भी स्थापित किया गया है।

तमिलनाडु के लोग जल्द बच्चा पैदा करें : स्टालिन

वरना हमारे 8 सांसद कम होंगे, फैमिली प्लानिंग पॉलिसी राज्य के लिए नुकसानदायक

चेन्नई, 3 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने राज्य के लोगों से जल्द से जल्द बच्चे पैदा करने की अपील की है। उन्होंने कहा- पहले हम कहते थे, आराम से बच्चे पैदा करो, लेकिन अब हालात बदल गए हैं, इसलिए तुरंत बच्चे पैदा करने की जरूरत है।

राज्य में जनसंख्या के आधारित परिसीमन होने से राज्य की लोकसभा सीटें घट सकती हैं, जिससे राज्य का पॉलिटिकल रिप्रेजेंटेशन कम हो जाएगा। तमिलनाडु की सफल फैमिली प्लानिंग पॉलिसी अब राज्य के लिए नुकसानदायक साबित हो रही है। स्टालिन ने तमिलनाडु के भविष्य पर चर्चा करने के लिए 5 मार्च को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। उन्होंने सभी विपक्षी दलों से इसमें शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर हमें एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा करनी होगी। दरअसल, स्टालिन सोमवार को नागपट्टिनम जिले के पार्टी सेक्रेटरी की वेडिंग एनिवर्सरी में शामिल होने पहुंचे थे। यहीं पर उन्होंने राज्य की जनता से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील की।

फैमिली प्लानिंग पॉलिसी से राज्य को नुकसान :

25 फरवरी को कैबिनेट बैठक के बाद बोलते हुए भी स्टालिन ने इस बात पर जोर दिया था कि तमिलनाडु में फैमिली प्लानिंग पॉलिसी को सफलतापूर्वक लागू करने से राज्य अब नुकसान की स्थिति में है। अगर जनसंख्या जनगणना के आधार पर परिसीमन लागू होता है तो तमिलनाडु को आठ सांसद खोने पड़ेंगे। इससे संसद में तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा।

परिसीमन क्या है :

परिसीमन यानी लोकसभा और विधानसभा सीट की सीमा तय करने की प्रक्रिया। परिसीमन के लिए आयोग बनता है। पहले भी 1952, 1963, 1973 और 2002 में आयोग गठित हो चुके हैं।

लोकसभा सीटों को लेकर परिसीमन प्रक्रिया की शुरूआत 2026 से होगी। ऐसे में 2029 के लोकसभा चुनाव में लगभग 78 सीटों के इजाफे की संभावना है। दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या आधारित परिसीमन का विरोध किया है। इसलिए सरकार समानुपातिक परिसीमन की तरफ बढ़ेगी, जिसमें जनसंख्या संतुलन बनाए रखने का फ्रेमवर्क तैयार हो रहा है।

परिसीमन आयोग से पहले सरकार ने फ्रेमवर्क पर काम शुरू कर दिया है। प्रतिनिधित्व को लेकर मौजूदा व्यवस्था से छेड़छाड़ नहीं होगी, बल्कि जनसांख्यिकी संतुलन को ध्यान में रखकर एक ब्रॉडर फ्रेमवर्क पर विचार जा रहा है।

24 घंटे में त्रुटियों को स्वीकार करे चुनाव आयोग : दो मतदाता पहचान पत्रों के एक ही नंबर पर टीएमसी का बयान

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सोमवार को चुनाव आयोग (ईसी) के जवाब पर असंतोष जताते हुए कहा कि चुनाव आयोग को मतदाता कार्ड के नंबरों के दोहराव (डुप्लीकेशन) की त्रुटि को चौबीस घंटे के भीतर स्वीकार करनी होगी। दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा कि अगर चुनाव आयोग ऐसा नहीं करता है, तो पार्टी मंगलवार सुबह इस मुद्दे से जुड़े और दस्तावेज सार्वजनिक करेगी। ओ'ब्रायन ने अपने साथ टीएमसी की राज्यसभा उपनेता सागरिका घोष और लोकसभा सांसद कीर्ति आजाद के साथ उन मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबरों की सूची पेश की, जिनमें एक ही ईपीआईसी नंबर थे। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि केवल राज्य के निवासी ही उस राज्य में मतदान करें। बंगाल में वोट सिर्फ बंगाल के मतदाता ही करें। उन मतदाताओं को वोट देने की अनुमति नहीं होनी चाहिए, जिनके वोट समान ईपीआईसी नंबर वाले लोगों द्वारा डाले जाएंगे।

तेलंगाना टनल हादसा, 8 मजदूरों के रेस्क्यू का 10वां दिन

*** रडार सर्वे में सिर्फ मेटल दिखा**
*** वैज्ञानिकों का सुझाव-बचाव कार्य के लिए नई जगह तलाशें**

नागर कर्नूल, 3 मार्च (एजेंसियां)। तेलंगाना के नागरकर्नूल में सुरंग ढहने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन का आज (3 मार्च) 10वां दिन है। वैज्ञानिकों का सुझाव था कि अंदर फंसे हुए 8 लोगों को निकालने के लिए नई जगह तलाशनी चाहिए। लिहाजा रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए खुदाई के लिए नई जगह ढूंढी जा रही है। हैदराबाद स्थित नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनजीआरआई) ने सुरंग के अंदर लोगों का पता लगाने के लिए ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार सर्वे किया था। इसमें सिर्फ मेटल का पता चला। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रविवार को सुरंग स्थल का दौरा किया और बचाव अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने कहा, 8 फंसे हुए मजदूरों का सही स्थान अभी तक पता नहीं चल पाया है लेकिन सरकार सभी जरूरी कदम उठा रही है, ताकि बचाव कार्य में तेजी लाई जा सके। जैसे ही कन्वेयर बेल्ट की मरम्मत पूरी हो जाएगी बचाव कार्य में तेजी आएगी। कन्वेयर बेल्ट सिल्ट निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के कविता ने सोमवार को तेलंगाना सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि एसएलबीसीS टनल हादसे में फंसे मजदूरों को बचाने के लिए सरकार ने पूरी कोशिश नहीं की। उन्होंने यह भी कहा- यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है कि कई राज्यों के मजदूर कई दिनों से फंसे हैं। बचाव कार्य और बेहतर समन्वय के साथ किया जा सकता था। मुझे लगता है कि राज्य सरकार ने अपनी पूरी ताकत नहीं लगाई।

'दिव्यांगता अवसर से वंचित करने का आधार नहीं'

सुप्रीम कोर्ट बोला-ऐसे व्यक्ति नियुक्ति के पात्र, एमपी रूल 6ए को किया खारिज

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि दृष्टिबाधित व्यक्ति जिला न्यायपालिका में नियुक्ति के लिए पात्र हैं और दिव्यांगता ऐसे व्यक्तियों को अवसर से वंचित करने का कोई आधार नहीं है। शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्यों को दृष्टिबाधित व्यक्तियों की सहायता के लिए एक समावेशी ढांचा प्रदान करना चाहिए।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, दायर मामले सहित कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने विभिन्न राज्यों के नियमों में प्रासंगिक प्रावधानों को खारिज कर दिया, जो न्यायिक सेवाओं में दृष्टिबाधित व्यक्तियों की नियुक्ति को रोकते थे। पीठ ने कहा कि हमने इसे सबसे महत्वपूर्ण मामले के रूप में माना है। हमने संवैधानिक ढांचे और संस्थागत दिव्यांगत न्यायशास्त्र को भी छुआ है। किसी भी उम्मीदवार को केवल दिव्यांगता के कारण ऐसे अवसर से वंचित नहीं किया जा सकता है।

इसमें कहा गया है कि कोई भी अप्रत्यक्ष भेदभाव जिसके परिणामस्वरूप दिव्यांग व्यक्ति को बाहर रखा जाता है, चाहे वह कटऑफ के माध्यम से हो या प्रक्रियात्मक बाधाओं के कारण, वास्तविक समानता को बनाए रखने के लिए उसमें हस्तक्षेप किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वत: संज्ञान लिया, जब मध्य प्रदेश के एक दृष्टिबाधित अभ्यर्थी की मां ने सर्वोच्च न्यायालय को राज्य के उन नियमों के संबंध में पत्र लिखा, जो ऐसे व्यक्तियों को न्यायिक सेवाएं लेने से रोकते हैं।

मप्र न्यायिक सेवा नियम का नियम 6ए :

सर्वोच्च न्यायालय ने मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा (भर्ती एवं सेवा शर्तें) नियम के उन प्रावधानों को खारिज कर दिया, जो दृष्टिबाधित व्यक्तियों को न्यायिक सेवाओं में शामिल होने से रोकते थे। शीर्ष अदालत ने न्यायिक सेवा नियमों के नियम 6ए को खारिज कर दिया, जो कम दृश्यता वाले और दृष्टिबाधित व्यक्तियों को न्यायपालिका में शामिल होने से रोकता था। पीठ ने उन नियमों को भी खारिज कर दिया, जिनमें उम्मीदवारों के लिए कम से कम तीन साल का अभ्यास करने की आवश्यकता थी। राजस्थान में इसी तरह के प्रावधान को भी सर्वोच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया। प्रदान की जाती है। राजनाथ सिंह सोमवार को नई दिल्ली में सशस्त्र सेना झंडा दिवस कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (एएफएफडी सीएसआर) सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार भारत की सुरक्षा प्रणाली को मजबूत करने तथा अपने सैनिकों के साथ ही उनके परिजनों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आगे बढ़कर हरसंभव तरीके से सैनिकों का समर्थन करना राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है। सीएसआर का मतलब सिर्फ 2 प्रतिशत योगदान नहीं है, यह वीर सैनिकों और उनके आश्रितों से दिल से दिल का जुड़ाव है। उन्होंने उपस्थित शीर्ष कॉर्पोरेट प्रमुखों से कहा, आप जो भी योगदान देंगे, वह साधारण नहीं होगा। आपको इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कि कल जब आपकी वास्तविक बैलेंस शीट तैयार होगी, तो उसमें देनदारियों से ज्यादा संतुष्टि और खुशी की संपत्तियां होंगी। रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दोहराया।

केरल में स्टार्टअप के बयान से थरूर ने पलटी मारी

कागज पर नहीं, असल में एमएसएमई स्टार्टअप की जरूरत-उद्योग मंत्री ने इसे बेबुनियाद बताया

तिरूवनंतपुरम, 3 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केरल में स्टार्टअप को लेकर अपने पुराने बयान से पलटी मार ली है। उन्होंने कहा- राज्य को कागजों पर नहीं बल्कि असल में एमएसएमई स्टार्टअप्स की जरूरत है। वहीं, केरल के उद्योग मंत्री पी. राजीव ने इसे बेबुनियाद बताया।

इससे पहले शशि थरूर ने केरल की राज्य सरकार की इंडस्ट्रियल पॉलिसी की तारीफ की थी। जिसके बाद केरल कांग्रेस के मुखपत्र ने अपने लेख में थरूर को पार्टी लाइन से बाहर न जाने की नसीहत दी थी। थरूर ने एक्स पर एक अखबार की खबर शेयर करते हुए लिखा- दुख हुआ ये देखकर कि केरल का स्टार्टअप माहौल उतना अच्छा नहीं है, जितना बताया जाता है। दरअसल, शशि थरूर ने अखबार का एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें दावा किया गया है कि पिछले 9 सालों में केरल में 42 हजार एमएसएमई बंद हो चुके हैं, जिससे 1 लाख से ज्यादा लोगों की नौकरियां चली गईं। शशि थरूर ने केरल की एलडीएफ सरकार की औद्योगिक नीति की तारीफ की थी। थरूर ने अपने लेख में यह भी कहा कि केरल भारत के टेक्नोलॉजिकल और इंडस्ट्रियल चेंज का नेतृत्व करने के लिए अच्छी स्थिति में है। 15 फरवरी को थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिकी यात्रा की तारीफ की थी, जिसे पार्टी के एक धड़े ने गलत तरीके से लिया। थरूर ने कहा था कि पीएम मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात के कुछ महत्वपूर्ण परिणाम देश के लोगों के लिए अच्छे हैं। मुझे लगता है कि इसमें कुछ सकारात्मक हासिल हुआ है, मैं एक भारतीय के रूप में इसकी सराहना करता हूं। इस मामले में मैंने पूरी तरह से राष्ट्रीय हित में बात की है।

दूसरी श्वेत क्रांति की दिशा में बढ़ा देश : शाह

> *बायोगैस का एनडीडीबी मॉडल 250 जिला सहकारी समितियों में होगा*

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की भूमिका और आने वाले दिनों में बायोगैस उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एनडीडीबी गोबर के बायोगैस उत्पादन के तीन मॉडलों को अगले तीन साल में कम से कम 250 जिला डेयरी सहकारी समितियों में लागू करने की जरूरत है। शाह ने 15 राज्यों के बीच समझौते का जिक्र करते हुए कहा कि जकारियापुरा मॉडल, बनासकांठा मॉडल और वाराणसी मॉडल के आधार पर बायोगैस उत्पादन बढ़ाने का प्रयास किए जाने की दिशा में पहल होनी चाहिए। उन्होंने एनडीडीबी से डेयरी सहकारी नेटवर्क के बाहर के किसानों से भी गोबर इकट्ठा करने का आग्रह किया।

देश में दूसरी श्वेत क्रांति की शुरूआत :

नई दिल्ली में 'डेयरी क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलरिटी' पर आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा, खेती के अलावा किसानों के लिए आय के अतिरिक्त श्रोत के रूप में डेयरी उद्योग बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि दूसरी श्वेत क्रांति की शुरूआत में स्थिरता और चक्रीयता पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। डेयरी क्षेत्र में चक्रीयता केवल गोबर बायोगैस उत्पादन तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इसमें डेयरी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के हर पहलू का उपयोग शामिल होना चाहिए।

विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी :

शाह ने कहा, खेती से पलायन की समस्या से निपटने और और किसानों को बेहतर लाभ सुनिश्चित करने के लिए डेयरी से बेहतर कोई दूसरा क्षेत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि इस पूरे क्षेत्र की क्षमता का दोहन करने से पांच ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था और विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी।

15 राज्यों के डेयरी सहकारी संघ बायोगैस संयंत्रों की स्थापना पर सहमत :

केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने डेयरी फार्मिंग में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार प्रथाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक दिशानिर्देश जारी किए। उन्होंने एनडीडीबी और नाबार्ड की बड़े पैमाने पर बायोगैस परियोजनाओं और सस्टेन प्लस परियोजना के तहत नई वित्तपोषण पहल का भी एलान किया। सोमवार को हुए आयोजन में 15 राज्यों के डेयरी सहकारी संघों ने बायोगैस संयंत्रों की स्थापना के लिए एनडीडीबी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर भी किए।

2027 तक दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बना लेगा भारत : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के साथ, भारत 2027 तक दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में अपना स्थान बना लेगा। उन्होंने सोमवार को कहा कि भारत के सैनिक हमेशा कठिन परिस्थितियों में देश की सीमाओं पर दृढ़, सतर्क और तैयार रहते हैं। वे साहस और तत्परता के साथ देश को सभी प्रकार के खतरों से बचाते हैं। रक्षा मंत्री ने लोगों से सैनिकों और उनके परिजनों के कल्याण में पूरे दिल से योगदान देने का आह्वान किया है। उन्होंने इसे प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय कर्तव्य बताया।

रक्षा मंत्रालय का पूर्व सैनिक कल्याण विभाग युद्ध विधवाओं, शहीद सैनिकों के आश्रितों और पूर्व सैनिकों के कल्याण और पुनर्वास के लिए कार्य कर रहा है। इसमें दिव्यांग भी शामिल हैं। इसके लिए उन्हें उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं जैसे कि निर्धनता अनुदान, बच्चों की शिक्षा हेतु अनुदान, अंत्येष्टि अनुदान, चिकित्सा अनुदान और अनाथ व दिव्यांग बच्चों के लिए अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता

माधबी बुच पर एफआईआर से जुड़े मामले की सुनवाई आज

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश से जुड़े मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट में 4 मार्च 2025 को सुनवाई होगी। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) तब तक विशेष अदालत के आदेश पर कार्रवाई नहीं करेगा।

मुंबई की एक स्पेशल एंटी-करप्शन कोर्ट ने शनिवार (1 मार्च 2025) को शेयर फ्रॉड से जुड़े मामले में माधबी बुच समेत 6 लोगों पर एफआईआर का आदेश दिया था। यह आदेश स्पेशल जज एसई बांगर ने ठाणे बेस्ड जर्नलिस्ट सपन श्रीवास्तव की ओर से दायर याचिका पर दिया था। सपन ने स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी की लिस्टिंग में बड़े पैमाने पर फाइनेंशियल फ्रॉड और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है।

भाजपा से गठबंधन का सवाल ही नहीं : उमर

श्रीनगर, 3 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भाजपा और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के बीच गठबंधन की संभावनाओं से इनकार किया। उन्होंने कहा, भाजपा के साथ गठबंधन का सवाल ही नहीं उठता।

हमारी राजनीतिक विचारधारा और प्राथमिकताएं बिल्कुल अलग हैं, विशेषकर जम्मू-कश्मीर को लेकर। साझेदारी की न कोई संभावना है और न ही जरूरत। विधानसभा के बजट सत्र में शामिल होने के लिए पहुंचे अब्दुल्ला ने एक सवाल के जवाब में यह बात कही। दरअसल भाजपा विधायक आरएस पठानिया ने जम्मू-कश्मीर गठबंधन के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था कि हम जम्मू-कश्मीर के हितों और विकास के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ हाथ मिलाने को तैयार हैं। भविष्य में समय सब बताएगा।

गठबंधन के बावजूद कांग्रेस सरकार में नहीं :

90 सीटों की विधानसभा में एनसी के 42 और कांग्रेस के 6 विधायक हैं। हालांकि कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हैं। चुनाव के नतीजे आने के बाद चार निर्दलीय विधायकों ने एनसी को समर्थन का ऐलान किया था। इसके बाद उमर ने कहा था कि अब हमारी संख्या 46 हो गई है। इसके बाद कांग्रेस ने सरकार में शामिल न होकर बाहर से समर्थन देने का फैसला किया था। करीब दो महीने पहले उमर अब्दुल्ला ने इंडिया अलायंस खत्म करने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि लोकसभा चुनाव के बाद इसकी कोई बैठक नहीं हुई। गठबंधन लोकसभा चुनाव तक ही था तो इसे खत्म कर देना चाहिए। इसके पास न कोई एजेंडा है और न ही कोई लीडरशिप। हालांकि उनके पिता और एनसी के मुखिया फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि हम भाजपा के साथ नहीं हैं और न ही हमारा उनसे कोई संबंध है। इंडिया गठबंधन स्थायी है। यह हर दिन और हर पल के लिए है।

4 राज्यसभा सीटों पर होने हैं चुनाव :

जम्मू-कश्मीर की 4 राज्यसभा सीटों पर जल्द ही चुनाव होने हैं। चुनाव में जीती सीटों के हिसाब से दो राज्यसभा सीटें एनसी-कांग्रेस गठबंधन और एक बीजेपी के खाते में जा सकती हैं। एनसी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को राज्यसभा भेजा जा सकता है। खराब सेहत के चलते उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। बची हुई एक सीट पर चुनाव हो सकते हैं। चुनाव में यह सीट किसके हिस्से जाएगी, ये उस समय के राजनीतिक समीकरण ही तय करेंगे। ठीक यही स्थिति 2015 में भी बनी थी।

पवन खेड़ा ने पीएम मोदी को घेरा

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात दौरे पर गिर नेशनल पार्क में जंगल सफारी करने गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस ने कटाक्ष किया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने गिर में शेर की तस्वीरें क्लिक करते पीएम मोदी की एक तस्वीर को दोबारा पोस्ट किया। उन्होंने शेयर बाजार में लगातार हो रही गिरावट का जिक्र करते हुए पीएम मोदी से इस मुद्दे की गंभीरता को समझने और तत्काल हस्तक्षेप कर सुधारात्मक उपाय करने की अपील भी की। सोमवार के कारोबार के बाद भी शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 112.16 अंक गिरकर 73,085.94 पर बंद हुआ। निफ्टी 5.40 अंक गिरकर 22,119.30 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में गिरावट से जुड़े एक अहम घटनाक्रम में यह जानना भी दिलचस्प है कि 29 साल के बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में लगातार पांचवें महीने गिरावट देखी गई। इससे पहले 1996 में बड़ी गिरावट देखी गई थी।

अमित शाह से मेरी कोई शिकायत नहीं हुई : फडणवीस

शिंदे से विवाद की खबरें गलत; संजय राउत कहानी लिखने में सलीम-जावेद से कंपटीशन कर रहे

मुंबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे से विवाद की खबरों से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने अमित शाह से मेरी कोई शिकायत नहीं की है। शिवसेना उद्धव गुट के सांसद संजय राउत कहानी लिखने में बॉलीवुड के मशहूर लेखक सलीम-जावेद से कंपटीशन कर रहे हैं।

फडणवीस सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा के बजट सत्र से पहले डिप्टी सीएम शिंदे और अजित पवार के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। उन्होंने कहा- कोई युद्ध नहीं है। जो लोग हम दोनों को जानते हैं, वे जानते होंगे कि जब हम साथ होते हैं तो क्या करते हैं। हमलोग एकजुट होकर काम कर रहे हैं। शिवसेना प्रमुख शिंदे ने कहा कि बस इतना हुआ है कि फडणवीस और मैंने अपनी कुर्सियां बदली हैं। केवल अजित पवार की कुर्सी वही है। इस पर अजित पवार ने शिंदे से मजाकिया लहजे में कहा- अगर आप अपनी कुर्सी नहीं बचा पाए तो मैं क्या कर सकता हूं। इस पर तीनों जोर से हंसने लगे। शिंदे ने मीडिया से कहा- आप जितनी भी मेहनत से संघर्ष का हवाला देकर ब्रेकिंग न्यूज बनाने की कोशिश करें, हमारा गठबंधन टूटने वाला नहीं है। इतनी तेज गर्मी में कोल्ड वार कैसे हो सकता है? सब कुछ ठंडा-ठंडा, कूल-कूल है। इस पर शिंदे के बगल में बैठे फडणवीस मुस्कुराने लगे।

फडणवीस की शिकायत के दावों को भी नकारा

मुख्यमंत्री एवं उनके सहयोगियों ने शिवसेना नेता संजय राउत के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि शिंदे ने सुबह 4 बजे पुणे में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर फडणवीस के खिलाफ शिकायत की थी। शिंदे ने कहा कि शाह भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के नेता हैं। पवार ने कहा कि यह सुबह 10 बजे की शिष्टाचार मुलाकात थी। फडणवीस ने कहा कि वह भी बैठक में मौजूद थे।

शिंदे के मेडिकल सेल बनाने से शुरू हुई अनबन की खबरें

महायुति सरकार में अनबन की खबरें तब चर्चा में आईं जब शिंदे ने मुख्यमंत्री रिलीफ फंड के जैसा मेडिकल सेल बना दिया। शिंदे के इस कदम को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए थे। शिंदे ने मंगलवार को कहा कि यह नया सेल किसी कॉम्पिटिशन व्यवस्था के रूप में नहीं बल्कि मुख्यमंत्री के वॉर रूम के साथ मिलकर काम करेगा, ताकि मरीजों को बेहतर सेवाएं मिल सकें। 21 फरवरी को शिंदे ने कहा था कि मुझे हल्के में न लें। जिन्होंने 2022 में मुझे हल्के में लिया, मैंने उनकी सरकार ही बदल दी थी और डबल इंजन की सरकार लेकर आए थे। इसलिए मेरी बात को गंभीरता से लें।

स्टूडेंट्स को स्कूल में स्मार्टफोन लाने से नहीं रोक सकते

दिल्ली एचसी ने कहा-गाइडलाइन फॉलों करें, पॉलिसी बनाएं ऑर्डर कॉपी शिक्षा निदेशालय भेजी गई

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि स्कूलों में स्टूडेंट्स के स्मार्टफोन ले जाने बैन नहीं लगा सकते हैं। लेकिन स्कूल स्मार्टफोन को लेकर पॉलिसी बनाए और उसकी निगरानी करे। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने स्टूडेंट्स के स्मार्टफोन ले जाने पर नियम तय किए। जज अनूप जयराम भंभानी ने कहा- वर्तमान में एजुकेशन के लिए टेक्नोलॉजी जरूरी हिस्सा बन गई है। स्मार्टफोन पर पूरी तरह से पाबंदी लगाना सही नहीं है। स्मार्टफोन से बच्चे अपने माता-पिता से जुड़े रहते हैं, जिससे उनकी सुरक्षा भी बनी रहती है।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि स्कूलों में स्मार्टफोन यूज के नियमों को तोड़ने पर सजा तय हो, लेकिन यह बहुत सख्त भी नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने सुझाव दिया कि स्कूल जरूरत पड़ने पर सजा के तौर पर स्मार्टफोन जब्त कर सकते हैं। दरअसल, केंद्रीय विद्यालय के एक स्टूडेंट की ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें स्कूल में स्मार्टफोन बैन लगाने की मांग की गई है। कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया।

हाईकोर्ट ने बनाई स्मार्टफोन यूज को लेकर गाइडलाइन

हाईकोर्ट की ऑर्डर कॉपी देश के शिक्षा निदेशालय को भेजी गई है। इसके अलावा सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) और केंद्रीय विद्यालय संगठन को भी ऑर्डर कॉपी भेजी गई है। कोर्ट ने उम्मीद जताई है कि उसकी बनाई गाइडलाइन को स्कूलों में लागू किया जाएगा। स्मार्टफोन यूज के लिए पॉलिसी बनाई जाएगी।

खबरें जरा हटके

सड़क पर दिखी अंधी सुरंग, अंदर घुसते ही गाड़ी पहुंची 'पाताल लोक' में, देखने वाले सन्न, 'ये खौफनाक है'

जब भी हम कहीं घूमने-फिरने के लिए जाते है, तो हमें कुछ जाने तो कुछ अनजाने रास्ते मिलते हैं. ऐसे में अगर हम किसी अजनबी रास्ते पर आगे बढ़ते हैं, तो डर लगना स्वाभाविक है. हालांकि इनमें भी थोड़ी दूर चलकर ही आपकी हिम्मत जवाब देने लगती है. सोशल मीडिया पर ऐसे ही खतरनाक रास्ते का वीडियो वायरल हो रहा है, जो आपको खौफ में डाल देगा. सड़क पर जाते हुए गाड़ी के ड्राइवर को एक अंधी सुरंग दिखाई दे गई. उसने जब गाड़ी को सुरंग के अंदर घुसा दिया, तो अंदर का नज़ारा काफी अलग था. लग ऐसा रहा था, मानो वो किसी पाताल लोक को पार करते हुए जा रहा है. जिसने भी वीडियो देखा, वो डर गया कि आखिर इसमें कोई जाए तो कैसे जाए क्योंकि हादसे हर कदम पर इंतज़ार कर रहे हैं.

'पाताल लोक' में जाने लगी गाड़ी

वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि एक गाड़ी किसी रास्ते पर जा रही है. इसी बीच में उसे एक गुफा जैसा स्ट्रक्चर दिख रहा है. शख्स गाड़ी को लेकर अंदर घुस गया. अंधेरी टनल में घुसते ही ऐसा लगने लगता है मानो किसी अंधे कुएं में गाड़ी चल रही है और यहां पर तो रोड साइन भी देखकर समझ पाना मुश्किल हो रहा है. अगर यहां पर थोड़ी बहुत लाइट न जले, तो अंदर घुसने वाला बाहर निकल ही नहीं सकता है. लोगों की सांस तब तक अटकी रहती है, जब तक कि ड्राइवर रास्ते के अगले ओर नहीं निकल जाता है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर इस वीडियो को अकाउंट से शेयर किया गया है. वीडियो को अब तक लाखों लोगों ने देखा और हज़ारों लोगों ने पसंद भी किया है. इस पर सबने दिलचस्प कमेंट भी किए हैं. एक यूज़र ने लिखा – ये तो पाताल लोक लग रहा है. वहीं एक अन्य यूज़र का कहना था- अगर गाड़ी खराब हो गई तो क्या होगा?

नन्हें बच्चे ने 911 पर लगाया फोन, कहा इमरजेंसी! फिर कर डाली मांग, जवाब में पुलिस ने भी सबको चौंकाया

दुनिया भर में पुलिस का मतलब किसी तरह की मुसीबत में उलझने का संकेत माना जाता है. पर फिर भी पुलिस को बार बार समझाना पड़ता है कि वह लोगों की मदद के लिए है. ऐसे में अगर कोई बच्चा खाने का ऑडर करने के लिए इमरजेंसी नंबर लगा दे तो? अमेरिका में तो बच्चे अगर 911 नंबर पर फोन कर दें, तो पुलिस उनकी शिकायत पर माता पिता को गिरफ्तार भी कर सकती है और करती भी है. लेकिन अनोखे मामले में एक बच्चे ने 911 नंबर लगाया और खोने की एक चीज ऑडर कर दी. हैरानी की बात ये रही की पुलिस ने बच्चे का ऑडर पूरा भी कर दिया.

क्या मांगा था बच्चे ने?

अमेरिका के ओकलाहोमा में एक नन्हें से बच्चे ने ऐसा काम किया है. मूर पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया पर हाल ही में एक ऑडियो और शेयर किया है जिसमें बेनेट नाम का एक बच्चे ने इमरजेंसी नंबर 911 पर कॉल कर डोनट्स की मांग की थी. यह कॉल पुलिस के लिए हैरानी भर भी था. बच्चे ने कॉल कर पूछा, "911, यह इमरजेंसी है." कॉल रिसीव करने के वाले के हां कहने पर बेनेट ने कहा, इमरजेंसी डोनट्स इस पर उससे पूछा गया, क्या आप अपने डोनट्स किसी से शेयर करेंगे?" बेनेट ने नहीं कह कर फोन रख दिया. इसके बाद अगले दिन पुलिस विभाग ने शेयर किया कि उन्होंने बेनेट की ख्वाहिश पूरी की और अफसरों ने उसके घर पर एक डंकिन के डोनट्स का डिब्बा उसे घर पर जा कर दिया. वीडियो में अफसर ने घर पहुचने के बाद बच्चे से पूछा कि क्या उसने उन्हें डोनट्स के लिए कॉल किया था? फिर उन्होंने बताया, "हम आपको कुछ डोनट्स देने आए हैं." जैसा की उम्मीद थी बेनेट की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और अफसरों ने बेनेट के साथ ही उसके भाई को भी डोनट दिया था. पुलिस ने बताया कि बेनेट ने उन्हें एक पुराने सेलफोन से संपर्क किया था, जिनका अब कोई ज्यादा उपयोग नहीं रह गया है. लेकिन उनसे अब भी 911 नंबर पर कॉल किया जा सकता है. पुराने फोन भले ही आज के हाई स्पीड डेटा नेटवर्क का उपयोग ना कर सकें, लेकिन जब तक ने चल रहे हैं, उनसे 911 इमरजेंसी का इस्तेमाल किया जा सकता है.

जयमाल से पहले गुटखा खाते दिखी दुल्हन, दवा बताकर चबा गई पुड़िया, लोग बोले-'ससुराल में डर का माहौल है!'

गुटखा खाना स्वास्थ्य के लिए हानीकारक है पर कुछ लोग इस बात को बिल्कुल भी नहीं समझते हैं. भारत के कई राज्यों में तो गुटखा इतना ज्यादा खाया जाता है कि वहां पर लोगों को कई शारीरिक समस्याएं हो जाती हैं. इन दिनों गुटखे से जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक दुल्हन गुटखा खाते नजर आ रही है. मुमकिन है कि उसने मुंह में जो भरा है, वो गुटखा न हो, सिर्फ वायरल होने के लिए उसने हाथ में पुड़िया पकड़ी हो, पर यूं गुटखे का प्रचार करना गलत हरकत है. इस वीडियो को देखकर लोग काफी हैरानी जता रहे हैं. इंस्टाग्राम यूजर निशा शर्मा एक कंटेंट क्रिएटर हैं. वो शादीशुदा हैं या नहीं, ये तो नहीं पता, पर अपने कई वीडियोज में वो दुल्हन की तरह सजे हुए नजर आ रही हैं. हाल ही में उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया है जो तेजी से वायरल हो रहा है. कारण ये है कि इस वीडियो मे वो गुटखा खाते नजर आ रही हैं. वो दुल्हन के रूप में दिखाई दे रही हैं, उनकी सहेली भी पीछे खड़ी है.वीडियो में वो हेरा-फेरी फिल्म में परेश रावल के एक डायलॉग पर अभिनय कर रही हैं, जिसमें बाबू भइया (परेश रावल) शराब को दवा बताते हैं. निशा ने अपने हाथों में रजनीगंधा की पुड़िया पकड़ी है और मुंह में उनके गुटखा है.

होटल में हंगामे के बाद आईआईटी बाबा अभय सिंह के खिलाफ मामला दर्ज, बरामद हुआ मादक पदार्थ

जयपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर पुलिस ने आईआईटी बाबा अभय सिंह को डिटेन किया। बाबा की लोकेशन ट्रेस करने के बाद पुलिस ने रिद्धि-सिद्धि इलाके के एक होटल में छापा मारा और उन्हें हिरासत में लिया।शिप्रापथ थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि बाबा रिद्धि-सिद्धि स्थित एक होटल में ठहरे हुए हैं और वहां हंगामा कर रहे हैं। शिप्रापथ थाना प्रभारी राजेन्द्र गोदारा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर बाबा को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान बाबा के पास से मादक पदार्थ बरामद हुआ। हालांकि, बरामद मादक पदार्थ की मात्रा बेहद कम थी, जिसके चलते इसे बेलेवल ऑफेंस माना गया। पुलिस ने बाबा को सख्त हिदायत देकर छोड़ दिया और थाने लौट आई। पुलिस कार्रवाई के बाद अभय सिंह ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर सुसाइड करने की धमकी दी। इस घटनाक्रम के बाद उनके समर्थकों में हलचल मच गई। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। बाबा ने वीडियो में पुलिस पर आरोप लगाया है। कहा कि पुलिस ने लाइव करने के लिए मना कर रही है। पुलिस वीडियो नहीं बनाने दे रही है। सामान पूरा पैक कर लिया है। पुलिस एफआईआर दर्ज कर रही है।

दिल्ली सीएम बोलीं-बजट सत्र 24-26 मार्च के बीच होगा

सुझाव के लिए मेल और वॉट्सऐप नंबर जारी किए, कहा-हम हर वादे पूरे करेंगे

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र 24 से 26 मार्च के बीच होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। उनके साथ कैबिनेट के 6 मंत्री भी मौजूद थे। रेखा गुप्ता ने बजट के लिए दिल्ली के लोगों से सुझाव मांगा है। रेखा गुप्ता ने बताया कि हम दिल्ली की जनता का बजट लाना चाहते हैं। इसके लिए हमनें दिल्ली के लोगों से सुझाव मांगा है। हमारे सभी मंत्री और विधायक भी लोगों से मिलेंगे और दिल्ली की बेहतरी के लिए लोगों से जरूरी सुझाव लेंगे।

सीएम ने कहा कि सरकार छुट्टियों में भी काम कर रही है। सचिवालय में शनिवार और रविवार को भी अफसर काम कर रहे हैं। मैं दिल्ली की जनता से कहना चाहती हूं कि हमनें जो वादे किए हैं, उसे पूरा करेंगे। दिल्ली विधानसभा सत्र के आखिरी दिन सोमवार को कैग की पेश दो रिपोर्ट- शराब नीति और हेल्थ पर चर्चा हो रही है। सत्र शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। 25 और 28 फरवरी को दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने विधानसभा में दोनों की रिपोर्ट रखी थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि नई शराब नीति से दिल्ली सरकार को 2002 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। लाइसेंस प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई। एक्सपर्ट पैनल ने पॉलिसी में कुछ बदलाव के सुझाव दिए थे, जिन्हें तब के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने नजरअंदाज किया।

28 फरवरी को गुप्ता ने हेल्थ पर कैग की दूसरी रिपोर्ट पेश की। 7 पन्नों की रिपोर्ट में बताया गया कि दिल्ली में हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी है। नर्स और डॉक्टर्स की संख्या पर्याप्त नहीं है। महिलाओं के स्वास्थ्य प्रोग्राम में फंडिंग की कमी है। एम्बुलेंस में जरूरी उपकरण नहीं हैं। आईसीयूएस की कमी है।

संजय राउत के भाई को राहुल नार्वेकर जैसा सम्मान

फडणवीस से मिले आदित्य ठाकरे के मामा, उद्धव सेना-बीजेपी करीब?

मुंबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा का बजट सत्र सोमवार से शुरू हो गया है। सत्र के दौरान बीजेपी नेताओं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी नेताओं के बीच बढ़ती नजदीकियां हमेशा चर्चा का विषय रहती हैं। इस साल भी पहले ही दिन हुई दो बैठकों ने राजनीतिक हलकों में चर्चा छेड़ दी है। दरअसल पहले दिन विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने विधानसभा अध्यक्षों की सूची की घोषणा की। इस बार शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के विधायक सुनील राउत को अध्यक्ष घोषित किया गया है। सुनील राउत ठाकरे गुट के नेता हैं और सांसद संजय राउत के भाई हैं। राज्य में पार्टी विभाजन के बाद पहली बार ठाकरे गुट को पार्टी अध्यक्ष का पद दिया गया है। इसलिए फडणवीस और ठाकरे के बीच बढ़ती नजदीकियों की चर्चा फिर शुरू हो गई है। दूसरी ओर बांद्रा पूर्व विधानसभा क्षेत्र में उद्धव ठाकरे गुट के विधायक वरुण सरदेसाई भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात करने गए। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह मुलाकात अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए की है। चाहे सरदेसाई हों या राउत, दोनों ही ठाकरे परिवार के करीबी हैं। सरदेसाई ठाकरे के रिश्तेदार हैं, जबकि राउत उनके करीबी सहयोगी हैं। इसी तरह पिछली बार की तरह बीजेपी नेता चंद्रकांत पाटिल ने विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे और आदित्य ठाकरे को चॉकलेट देकर शुभकामनाएं दीं। इसलिए चर्चा है कि ये तीनों कदम बीजेपी और उद्धव ठाकरे गुट के बीच की खाई को पाटने का काम कर रहे हैं। इससे पहले उद्धव ठाकरे ने दिसंबर 2024 में नागपुर में आयोजित विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में भाग लिया था। उन्होंने उस समय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से भी मुलाकात की थी। इस बैठक के दौरान यह चर्चा हुई कि विधानसभा में विपक्ष के नेता का पद ठाकरे गुट को दिया जाना चाहिए।

'दसवीं के छात्र की हत्या सुनियोजित थी'

थामारास्सेरी की घटना पर पुलिस का बड़ा बयान

तिरुवनंतपुरम, 3 मार्च (एजेंसियां)। केरल के कोझिकोड जिले में थमारास्सेरी में हुई दसवीं के छात्र की हत्या के मामले में पुलिस ने बताया है कि यह हत्या सुनियोजित थी और आरोपी छात्रों के बीच वाट्सएप पर इसे लेकर बातचीत हुई थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी छात्रों के घरों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है ताकि हत्या में इस्तेमाल हुए हथियारों को बरामद किया जा सके। साथ ही आरोपी छात्रों के मोबाइल फोन, उनके वाट्सएप ग्रुप और इंस्टाग्राम अकाउंट की भी जांच की जा रही है।

आरोपी छात्रों को परीक्षा दिलाए जाने से नाराजगी

पुलिस ने बताया कि ये भी जांचा जा रहा है कि इस हत्या में कोई व्यस्क तो शामिल नहीं हैं। वहीं आरोपी छात्रों को दसवीं की बोर्ड परीक्षा देने की इजाजत दिए जाने पर मृतक छात्र के पिता ने नाराजगी जताई। गौरतलब है कि आरोपी छात्रों को बाल सुधार गृह में ही दसवीं की परीक्षा देने की मंजूरी दी गई है। इस पर मृतक छात्र के पिता ने कहा कि आरोपियों को एक साल के लिए परीक्षा देने से रोका जाना चाहिए था क्योंकि इससे छात्रों में संदेश जाएगा कि इस तरह की घटना के कोई गंभीर परिणाम नहीं होते। पहले आरोपी छात्रों को स्कूल में ही परीक्षा दिलाने पर विचार किया जा रहा था। हालांकि बाद में यूथ कांग्रेस और मुस्लिम स्टूडेंट फेडरेशन के विरोध के बाद बाल सुधार गृह में ही परीक्षा दिलाने का इंतजाम किया गया।

झगड़े के दौरान छात्र के सिर में आई थी गंभीर चोट

हाल ही में थमारास्सेरी में कक्षा 10 के छात्रों के बीच एक निजी ट्यूशन सेंटर के पास झगड़ा हो गया था। इस झगड़े में मोहम्मद शहाबास नाम का छात्र गंभीर रूप से घायल हुआ था। शहाबास के सिर में गंभीर चोटें आईं थी। जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शनिवार को इलाज के दौरान शहाबास की मौत हो गई। छात्र की हत्या के आरोप में पांच आरोपी छात्रों को हिरासत में लिया गया है और उनके खिलाफ हत्या की धारा में मामला दर्ज किया गया है।

पत्नी की हत्या की कोशिश के आरोपी को ठाणे कोर्ट ने किया बरी

सबूतों में विसंगतियों का दिया हवाला

ठाणे, 3 मार्च (एजेंसियां)। ठाणे की एक अदालत ने एक व्यक्ति को अपनी पत्नी को मारने की कोशिश के आरोप से बरी कर दिया है। इस मामले में कोर्ट ने अभियोजन पक्ष के मामले में कई असंगतियों और विरोधाभासों के कारण यह फैसला सुनाया। मामले की सुनवाई के दौरान सत्र न्यायाधीश बी. अग्रवाल ने 28 फरवरी को दिए आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में नाकाम रहा कि आरोपी ने सचमुच अपनी पत्नी को जान से मारने की कोशिश की। बता दें कि, आरोपी पेशे से एक चित्रकार है।

आरोपी पर पत्नी पर चाकू से हमले का था आरोप

अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी ने 11 अप्रैल 2023 को ठाणे के लोकमान्य नगर में अपनी पत्नी पर चाकू से हमला किया था। हालांकि, बचाव पक्ष के वकील सागर कोल्हे ने अभियोजन के मामले पर सवाल उठाए और आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि आरोपी की पत्नी के बयान में कई असंगतियां थीं।

एफआईआर में मिली विसंगतियां

कोर्ट ने यह पाया कि पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) में हमले का समय सुबह 7 बजे बताया गया था, लेकिन पत्नी ने कोर्ट में कहा कि हमला रात 3 बजे हुआ था। इसके अलावा, पत्नी ने शुरुआत में आरोप लगाया था कि पति ने किसी अन्य व्यक्ति के कारण हमला किया, लेकिन कोर्ट में उसने उस व्यक्ति को परिवार का मित्र बताया और पति पर कोई शक नहीं होने की बात कही। पत्नी की दोनों बेटियों के बयान भी अलग-अलग थे। एक बेटी ने कहा कि पिता ने उसे सुबह 7:30 बजे फोन किया, जबकि दूसरी बेटी ने कहा कि उसे 4 बजे घटना के बारे में पता चला।

मेघवाल बोले-महिलाओं के लिए सुरक्षित डिजिटल माहौल बनाने की जरूरत, साइबर हमलों से रहें सतर्क

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोमवार को महिलाओं के लिए एक ऐसा सुरक्षित डिजिटल माहौल बनाने की आश्यकता पर जोर दिया, जिससे उनकी गरिमा और देश निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित हो सके। मेघवाल राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की ओर से आयोजित 'महिलाओं से जुड़े साइबर कानून और साइबर जागरूकता' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नागरिकों, खासतौर पर महिलाओं से आग्रह किया कि वे मजबूत पासवर्ड रखें और ऑनलाइन निजी जानकारी साझा करने से बचें।

'अजनबियों से लंबी बातचीत करने से बचें'

उन्होंने कहा, मजबूत पासवार्ट का उपयोग करें और अपनी निजी जानकारी को ऑनलाइन कम से कम साझा करें। साइबर अपराध ऐसे होते हैं कि हम अक्सर अनजाने में फंसर जाते हैं। अजनबियों से लंबी बातचीत से बचें और ऑनलाइन अज्ञात लोगों के साथ बातचीत करते समय सतर्क रहें। अगर कोई साइबर अपराध होता है, तो तुरंत पुलिस को रिपोर्ट करें।

'नए कानूनों में साइबर अपराधों के लिए प्रावधान'

मेघवाल ने डिजिटल क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से गलत प्रचार अभियानों, साइबर हमलों, फर्जी प्रोफाइल बनाने और वीडियो से छेड़छाड़ जैसी उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हमने जो नए कानून बनाए हैं, वे इन मुद्दों को व्यापक रूप से संबोधित करते हैं। हम एआई आधारित गलत सूचना, डिजिटल अरेस्ट और अन्य साइबर अपराधों से निपटने के लिए प्रावधान शामिल किए हैं।

'देश की प्रगति में योगदान जारी रखें महिलाएं'

कानून मंत्री ने कहा कि महिलाओं के लिए एक सुरक्षित डिजिटल माहौल बनाने की जरूरत है, जिससे उनकी गरिमा और देश के निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा, साइबर सुरक्षा एक महत्वपूर्ण मुद्दा है और महिलाओं के साथ इसके संबंध को समझना जरूरी है। महिलाओं को बिना किसी डर के देश की प्रगति में योगदान देना जारी रखना चाहिए। साइबर अपराध उन्हें आगे बढ़ने से नहीं रोक सकते।

परिवारों को जागरूक करेगी 'साइबर सहेली'

मेघवाल ने 'साइबर सहेली' नाम की एक पुस्तक का भी अनावरण किया, जिसका मकसद परिवारों को साइबर सुरक्षा बारे में जागरूक करना है। उन्होंने कहा, साइबर खतरों से डरने की जरूरत नहीं है। 'साइबर सहेली' सभी के लिए एक मार्गदर्शक और समर्थन प्रणाली के रूप में काम करेगी। आईटी क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को लेकर मेघवाल ने कहा कि महिलाएं प्रौद्योगिकी में अग्रणी हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

जब आप क्रोध करते हैं तो आपका स्वभाव ही नहीं बिगड़ता, बल्कि और भी बहुत कुछ बिगड़ जाता है।

शिक्षा प्रणाली में मौलिक परिवर्तन की आवश्यकता : श्रीधर बाबू

शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. योगिता राणा व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने स्कूल शिक्षा के चेहरे को मौलिक रूप से बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया है, और सरकारी स्कूलों को उच्चतम मानकों तक पहुंचाने का आह्वान किया है। शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. योगिता राणा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सोमवार को आयोजित समीक्षा बैठक में श्रीधर बाबू ने शिक्षा प्रणाली में सुधार की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया क्यों सरकारी स्कूल, जो कभी दुनिया भर में प्रतिभाशाली व्यक्तियों को उत्पन्न करने के लिए प्रसिद्ध थे, आज अपनी वर्तमान स्थिति में हैं?

श्रीधर बाबू ने निजी स्कूलों के साथ प्रतिस्पर्धा में सरकारी स्कूलों की बढ़ती असमर्थता पर प्रकाश डाला और इस गिरावट के कारणों का गहराई से अध्ययन करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि त्वरित सुधारों को लागू किया जा सके। सरकार स्कूलों की बुनियादी संरचना को बेहतर बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इस उद्देश्य के लिए एकीकृत स्कूलों की स्थापना का संकल्प लिया है, जो कमजोर वर्ग के छात्रों को भी सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करेंगे। शिक्षा विभाग को इसके लिए सहायक वातावरण तैयार करना होगा। श्रीधर बाबू ने गुजरात का उदाहरण दिया, जहां हर साल 30-40 सरकारी शिक्षक सिंगापुर जाते हैं और उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। उन्होंने राज्य में भी ऐसी ही पहल की आवश्यकता पर जोर दिया और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने की बात कही। उन्होंने फिनलैंड, फ्रांस और यूके जैसे देशों की शिक्षा प्रणालियों का गहन अध्ययन करने की बात की, ताकि इन उच्च मानकों को आंध्र प्रदेश में लागू किया जा सके। पाठ्यक्रम में सुधार अनिवार्य है। सिंगापुर सरकार ने यहां विश्वस्तरीय शैक्षिक संस्थान स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है, और जल्द ही सिंगापुर से एक दल यहां आएगा। सरकार हमारे शिक्षकों को विदेशी प्रशिक्षण के लिए भेजने के लिए भी तैयार है। उन्होंने इन पहलों का समर्थन करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक नीतियों को तैयार करने का निर्देश दिया। श्रीधर बाबू ने कहा कि अगले 2-3 वर्षों में शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव लाए जाने चाहिए। हालांकि शिक्षा पर भारी खर्च किया जा रहा है, अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहे हैं। मैंने दिल्ली के सरकारी स्कूलों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया है ताकि हम वहां की सफल विधियों को यहां लागू कर सकें। श्रीधर बाबू ने शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को शामिल करने के महत्व पर भी जोर दिया। हमें छात्रों को प्रारंभिक कक्षाओं से ही एआई के बारे में शिक्षित करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि वे उच्च विद्यालय स्तर पर इसका उपयोग करके अपनी बौद्धिक क्षमता को बढ़ा सकें।

हमें केवल अपनी योजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय, बाहरी सलाहकारों की सेवाएं लेनी चाहिए, क्योंकि उनकी सलाह अधिक व्यावहारिक और वास्तविक होती है। उन्होंने अतीत को याद करते हुए कहा कि एक समय था जब जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) नियमित रूप से स्कूलों का निरीक्षण करते थे। लेकिन अब यह प्रथा कम हो गई है, और अब एमईओ अन्य कार्यों में व्यस्त हैं, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षा मानकों में सुधार की प्रक्रिया पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूलों के बीच प्रतिस्पर्धा अब अक्सर महत्वहीन गतिविधियों पर केंद्रित हो गई है, जैसे पिकनिक और पर्यटन, जो निजी स्कूलों में आम होती हैं। हमें अगली पीढ़ी को एक विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करनी होगी, ताकि वे प्रतिस्पर्धी वैश्विक परिदृश्य में सफल हो सकें, श्रीधर बाबू ने दृढ़ता से कहा। इसके लिए हमें उन व्यापक परिवर्तनों की नींव रखनी होगी जो छात्रों को भविष्य में सफल होने के लिए तैयार करें। समीक्षा बैठक में स्कूल शिक्षा निदेशक ई. वेङ्कट नार्सिम्हा रेड्डी, अतिरिक्त निदेशक लिंगैया, ओपन स्कूल निदेशक श्रीहरी और अन्य प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

कृष्णा नदी के पानी का उचित आवंटन सुनिश्चित किया जाए : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से आग्रह किया

नई दिल्ली, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से तेलंगाना को कृष्णा नदी के पानी का उचित हिस्सा आवंटित करने का आग्रह किया है। चूंकि कृष्णा बेसिन तेलंगाना के 70 प्रतिशत और आंध्र प्रदेश के 30 प्रतिशत हिस्से को कवर करता है, इसलिए मुख्यमंत्री ने पाटिल से तेलंगाना राज्य को कृष्णा के पानी का 70 प्रतिशत आवंटित करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से गोदावरी नदी में तेलंगाना के हिस्से को अंतिम रूप देने के बाद ही आंध्र प्रदेश परियोजनाओं पर निर्णय लेने का अनुरोध किया। रेवंत रेड्डी और राज्य के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को दिल्ली में जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की और कृष्णा और गोदावरी नदी के पानी के बंटवारे में तेलंगाना के हितों की रक्षा करने का अनुरोध किया। बाद में, मीडिया से बात करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री के ध्यान में केआरएमबी (कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड) के एकतरफा फैसले की ओर लाया है, जिसमें कृष्णा नदी के अधिकांश जलग्रहण क्षेत्र के तेलंगाना में आने के बावजूद 66 प्रतिशत पानी आंध्र प्रदेश को और 34 प्रतिशत तेलंगाना को आवंटित किया गया है। उन्होंने पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए डीपीआर 2022 में केंद्र को सौंपे जाने और अनुमति देने में हो रही देरी के बारे में भी केंद्रीय मंत्री के संज्ञान में लाया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि केवल ऊपरी भद्रा के लिए अनुमति दी गई है, जो न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र में है और सीताराम लिफ्ट सिंचाई और सम्मक्का सागर बैराज के लिए आवश्यक अनुमति नहीं दी गई है। केंद्रीय मंत्री से इन तीनों परियोजनाओं के लिए केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) और तकनीकी सलाहकार बोर्ड (टीएसी) से आवश्यक मंजूरी देने का अनुरोध किया गया है। मुख्यमंत्री ने जल शक्ति मंत्री को यह भी बताया कि आंध्र प्रदेश सरकार ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए गोदावरी-बनकाछार इंटरलिंकिंग परियोजना तैयार की है और इस परियोजना के लिए केंद्रीय जल आयोग, गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड (जीआरएमबी) और केआरएमबी से कोई मंजूरी भी नहीं ली है। चूंकि गोदावरी पर शुरू की गई सीताराम लिफ्ट परियोजना और सम्मक्का सागर परियोजना को अभी तक मंजूरी नहीं मिली है, इसलिए रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री से इन परियोजनाओं को मंजूरी देने और गोदावरी में तेलंगाना के सुनिश्चित जल हिस्से को तुरंत अंतिम रूप देने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि यदि परियोजनाओं को मंजूरी नहीं दी गई तो तेलंगाना अयाकट स्थिरीकरण खो देगा क्योंकि राज्य ने कृष्णा डेल्टा में अयाकट दिखाकर कृष्णा जल के मामले में पहले ही अन्याय किया है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को समझाया कि एपी गोदावरी-बनाकरला परियोजना पर शीर्ष परिषद में चर्चा नहीं हुई है, जहां दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री सदस्य हैं। रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री को स्पष्ट किया कि तेलंगाना सरकार तेलंगाना के जल संसाधनों की सुरक्षा के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं करेगी।

कार की चपेट में आने से लड़की की मौत, 2 घायल

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार शाम अत्तापुर में अपने घर के पास खेल रहे बच्चों के एक समूह को एक कार ने टक्कर मार दी, जिससे तीन साल की एक बच्ची की मौत हो गई और दो अन्य बच्चे घायल हो गए।

पीड़िता अंकिता (3) अन्य बच्चों के साथ अत्तापुर के पांडुरंगानगर कॉलोनी में अपने घर के पास खेल रही थी, तभी एक स्विफ्ट कार ने बच्चों को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल अंकिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य बच्चे भी घायल हो गए। घायल बच्चों को अस्पताल ले जाया गया। स्थानीय लोगों ने कार चालक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने बताया कि कार चालक ने लापरवाही से वाहन चलाया, जिसके कारण यह हादसा हुआ।

कोमटि रेड्डी ने छोटे ठेकेदारों को लंबित बिलों के भुगतान का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी ने छोटे ठेकेदारों को बकाया भुगतान के मुद्दे को सुलझाने की प्रतिबद्धता जताई है। बिल्डर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने सोमवार को मंत्री से मुलाकात की और छोटे ठेकेदारों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए लगभग 100 करोड़ रुपये के लंबित भुगतान के कारण उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की। बैठक के दौरान, मंत्री कोमटि रेड्डी ने उपस्थित लोगों को आश्वासन दिया कि वह मुख्यमंत्री के साथ संवाद करेंगे और यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम करेंगे कि मार्च के अंत तक ये भुगतान वितरित हो जाएं। प्रतिनिधियों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इन बकाया बिलों का निपटान करने से चल रही परियोजनाएं बिना किसी देरी के अधिक कुशलता से आगे बढ़ सकेंगी। उन्होंने वामपंथी प्रभावित क्षेत्रों, सीआरआईएफ और गैर-नियोजित सड़कों में परियोजनाओं के लिए लंबित भुगतान पर चर्चा करने में मंत्री से सहायता का भी अनुरोध किया। मंत्री ने ठेकेदारों को सलाह दी कि वे यह न भूलें कि सड़कें लोगों की बुनियादी जरूरत हैं और अगर सड़कें अच्छी स्थिति में नहीं होंगी, तो लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। इस अवसर पर, बिल्डर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने मंत्री कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी की तत्काल प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त की। मंत्री से मिलने वालों में बिल्डर्स एसोसिएशन के पूर्व राज्य अध्यक्ष डी.वी.एन. रेड्डी, एक अन्य पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र रेड्डी, बिल्डर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रविंदर रेड्डी, कोषाध्यक्ष संतोष रेड्डी, संपत राव, कृष्ण राव और अन्य शामिल थे।

एससीआर ने 12.13 करोड़ रुपये की लागत से रायनपाडु रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हुआ काम

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे में बड़े पैमाने पर रेलवे स्टेशनों के उन्नयन के साथ एक बड़ा परिवर्तन चल रहा है, जिसका उद्देश्य यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करना है। "अमृत भारत स्टेशन योजना" (एबीएसएस) के तहत, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) द्वारा संचालित आंध्र प्रदेश राज्य में 53 रेलवे स्टेशनों का 2,611 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है, ताकि आधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान की जा सकें और उन्हें क्षेत्रीय आबादी के लिए विकास केंद्रों में परिवर्तित किया जा सके। इस मिशन को उस समय एक बड़ा बढ़ावा मिला जब माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2023 और फरवरी 2024 के दौरान आंध्र प्रदेश राज्य में स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। तिरुपति और नेल्लोर रेलवे स्टेशन के बड़े उन्नयन का काम भी शुरू किया गया है और यह तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसके अलावा, तिरुचनूर रेलवे स्टेशन को लगातार बढ़ती तीर्थयात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए एक क्रॉसिंग स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है और रेल उपयोगकर्ताओं को आरामदायक और सुविधाजनक रेल यात्रा का अनुभव कराने के लिए यात्री सुविधाओं के प्रावधान के साथ स्टेशन को उन्नत किया जा रहा है। विजयवाड़ा डिवीजन में रायनपाडु (आरवाईपी) रेलवे स्टेशन आंध्र प्रदेश राज्य के एससीआर के अधिकार क्षेत्र में 53 रेलवे स्टेशनों में से एक है, जिसे 12.13 करोड़ रुपये की लागत से एबीएसएस के तहत पुनर्विकास किया जा रहा है। रायनपाडु जंक्शन स्टेशन एक 'एनएसजी-5' श्रेणी का रेलवे स्टेशन है, जिसमें तीन प्लेटफॉर्म हैं। विजयवाड़ा जंक्शन के आसपास के 9 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस स्टेशन पर कुल 20 ट्रेनें रुकती हैं। रायनपाडु रेलवे स्टेशन चेन्नई- बल्लारशाह- नागपुर- नई दिल्ली लाइन के ग्रैंड ट्रंक रूट पर स्थित है, जो दक्षिण तट क्षेत्र की सबसे व्यस्त लाइनों में से एक है। स्टेशन को विजयवाड़ा बाईपास स्टेशन के नाम से भी जाना जाता है। स्टेशन का महत्व इसलिए है क्योंकि नागपुर, सिकंदराबाद (वारंगल के रास्ते) से विशाखापट्टनम, भुवनेश्वर, कोलकाता की ओर जाने वाली कई ट्रेनें विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन को छुए बिना रायनपाडु से होकर गुजरती हैं। यह स्टेशन अपने शांत वातावरण और कई ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों की निकटता के लिए जाना जाता है।

बीसी आयोग ने पीड़िता लावण्या के घर का दौरा किया

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी आयोग ने पीड़िता कुमारी लावण्या के घर का दौरा किया। इस दौरान गुरुकुल आवासीय विद्यालय द्वारा एक लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। रंगारेड्डी जिला, राजेंद्रनगर मंडल, लक्ष्मीगुड़ा गांव, बॉम्बे कॉलोनी- तेलंगाना महात्मा ज्योतिबा फुले बीसी कल्याण आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसायटी, राजमहेंद्र परिसर, चंद्रायनगुट्टा, इब्राहिमपटनम में कुमारी गड्डु लावण्या छात्रा पढ़ रही थी। उसने 9 नवंबर को संकट के कारण छात्रावास की छत से कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। उसे रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर सहित गंभीर चोटें आईं और अब वह चलने में असमर्थ है। उसकी स्थिति के बारे में जानने के बाद, बीसी आयोग ने आज उसके स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ करने के लिए उसके घर का दौरा किया। बीसी आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन ने सदस्यों रापोलू जयप्रकाश, तिरुमलागिरी सुरेंदर और रंगू बालालक्ष्मी के साथ पीड़िता से मुलाकात की और घटना के बारे में जानकारी जुटाई। 10वीं कक्षा की छात्रा लावण्या ने बताया कि उसके स्कूल की एक शिक्षिका ने उसका अपमान किया, जिससे उसे मानसिक पीड़ा हुई। अपने माता-पिता से अपनी पीड़ा साझा न कर पाने के कारण उसने स्कूल की इमारत से कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। अध्यक्ष ने लावण्या के माता-पिता से उसके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने आयोग को बताया कि वह वर्तमान में फिजियोथेरेपी करवा रही है और उसे ठीक होने में छह महीने से एक साल तक का समय लग सकता है। इस अवसर पर आवासीय विद्यालय की प्राचार्य के.श्रीलता ने विद्यालय की ओर से पीड़िता को एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की।

जनता की शिकायतों का प्राथमिकता से निपटारा हो : इलांबर्ती

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त इलांबर्ती ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे सार्वजनिक डोमेन में प्राप्त अनुरोधों को प्राथमिकता दें और समस्याओं को शीघ्र हल करने के लिए विशेष पहल करें। सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान आयुक्त ने उप-महापौर मोते श्रीलता सोभन रेड्डी के साथ सीधे जनता की याचिकाएं प्राप्त कीं, जो अपनी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर आई थीं। इस अवसर पर बोलते हुए आयुक्त ने कहा कि संबंधित विभागों के अधिकारी समय-समय पर जनता के बीच प्राप्त शिकायतों के समाधान पर विशेष ध्यान दें तथा समस्या का समाधान होने पर शिकायतकर्ता को सूचित करें। याचिकाकर्ताओं को एक ही मुद्दे को बार-बार जनता के पास जाए बिना शीघ्रता से हल करना चाहिए और यदि समस्या हल नहीं होती है तो कारण स्पष्ट किया जाना चाहिए। उप-महापौर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी ने कहा कि प्रजावाणी में प्राप्त शिकायतों के समाधान में कोई देरी नहीं होनी चाहिए और अधिकारियों को समय-समय पर उनकी समीक्षा करने और मुद्दों को शीघ्रता से हल करने की सलाह दी। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जन सुनवाई के दौरान 107 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 62 शिकायतें नगर नियोजन विभाग, 11 कर विभाग, 7-7 इंजीनियरिंग और स्वच्छता विभाग, 4 वित्त विभाग, 2-2 नगर निगम और भूमि अधिग्रहण विभाग तथा एक-एक शिकायतें नगर निगम, प्रशासन, स्वास्थ्य, विद्युत और विज्ञापन विभाग से प्राप्त हुईं। सात शिकायतें फोन-इन के माध्यम से प्राप्त हुईं। जीएचएमसी के अंतर्गत छह क्षेत्रों में कुल 86 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कुकटपल्ली जोन में 32, सिकंदराबाद जोन में 12, सेरिलिंगमपल्ली जोन में 19, चारमीनार जोन में 9, एलबी नगर जोन में 13 और खैरताबाद जोन में एक आरजी प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त शिव कुमार नायुडू, वेणुगोपाल, पंकजा, गीता राधिका, रघु प्रसाद, वेणुगोपाल रेड्डी, चंद्रकांत रेड्डी, सुभद्रा देवी, यादगिरी राव, सीसीपी श्रीनिवास, अतिरिक्त सीसीपी गंगाधर, प्रदीप, वेंकन्ना, जोनल सीपी, संपदा अधिकारी उमा प्रकाश, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अब्दुल वकील, यूबीडी निदेशक वेंकटेश्वर राव, डिप्टी सीईओ पनासा रेड्डी, राजस्व जेसी महेश कुलकर्णी, जल कार्य जीएम साई रमना, संबंधित विभागों के अधिकारी और अन्य ने भाग लिया।

हरीश ने सुरंग हादसे पर सीएम की टिप्पणियों का खंडन किया

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट विधायक और पूर्व मंत्री हरीश राव ने सीएम रेवंत रेड्डी पर उनकी टिप्पणियों के लिए हमला बोला है, जिसमें उन्होंने कहा था कि एसएलबीसी सुरंग हादसा बीआरएस पार्टी के शासन के दौरान समय पर परियोजना पूरी न होने के कारण हुआ। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए राव ने कहा कि सीएम रेवंत को यह साबित करना चाहिए कि बीआरएस सरकार के 10 साल के शासन के दौरान एसएलबीसी सुरंग का काम नहीं हुआ। उन्होंने इस मुद्दे पर सीएम को चुनौती दी और उन्हें अपने पद से इस्तीफा देने की चुनौती दी। उन्होंने कहा, अगर उन्होंने जो कहा वह सच साबित होता है, तो मैं अपने विधायक पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। अन्यथा, क्या रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। राव ने दावा किया कि रेवंत एसएलबीसी परियोजना के प्रति ईमानदार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि लापता लोगों का पता दुर्घटना के दस दिन बाद भी नहीं लगाया जा सका है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा सत्र में सरकार की विफलताओं को उजागर किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपने करीबी दोस्त की बेटी की शादी के लिए अबू धाबी गए थे। उन्होंने दुबई की अपनी यात्रा को लेकर हो रही आलोचना को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, मैं दुबई में एक दोस्त की बेटी की शादी में गया था। मैं 21 फरवरी को दुबई के लिए निकला था और एसएलबीसी सुरंग में दुर्घटना 22 फरवरी को हुई। मेरी यात्रा का राजनीतिकरण करना सही नहीं है।

मंचेरियल में पहली बार देखा गया छोटे कान वाला उल्लू

2023 में रंगारेड्डी, संगारेड्डी और विकाराबाद जिलों में देखा गया था उल्लू

मंचेरियल, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में पहली बार एक छोटे कान वाला उल्लू देखा गया। सोमवार को लक्सेटीपेट मंडल के वेंकटरावपेट गांव में एक सिंचाई टैंक में एक वन्यजीव फोटोग्राफर ने इसकी तस्वीर ली। करीमनगर के एक सॉफ्टवेयर पेशेवर और हैदराबाद बर्डिंग पाल्स (एचबीपी) के सदस्य अब्दुल रहीम ने बताया कि जब वे टैंक में पक्षियों को देख रहे थे, तब उन्होंने पक्षी की तस्वीर खींची थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस खोज का विवरण ई-बर्ड वेबसाइट पर अपलोड किया है। उल्लू को 2023 में रंगारेड्डी, संगारेड्डी और विकाराबाद जिलों में देखा गया था।

ई-बर्ड के अनुसार, उल्लू एक मध्यम आकार का उल्लू है, जो अन्य उल्लुओं की तुलना में दिन के समय अधिक बार देखा जाता है। यह विशेष रूप से सुबह और शाम के समय सक्रिय होता है, जब यह छोटे स्तनधारियों की तलाश में खुले मैदानों या दलदलों पर सुस्ती से उड़ता है। जिला वन अधिकारी शिव आशीष सिंह ने बताया कि जिले में पहली बार उल्लू देखा गया है। उन्होंने बताया कि यह तालाब जलीय पक्षियों, शिकारी पक्षियों, सारसों, बगुलों आदि सहित कई प्रकार की पक्षी प्रजातियों का घर है। छात्रों और संसाधन व्यक्तियों की भागीदारी में, परिदृश्य में साइटों पर दीर्घकालिक निगरानी की जाएगी। उन्होंने बताया कि पक्षी शोधकर्ताओं और पक्षी क्लबों को वन विभाग के साथ सहयोग करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

टैंक में देखे गए कुछ पक्षियों में रेड-क्रेस्टेड पोचर्ड, नॉर्दर्न पिंटेल, नॉर्दर्न शॉवेलर्स, रूडी शेल्डक, गैडवॉल, लेसर व्हिसलिंग डक, कॉटन पिग्मी गूज, जैकाना, गार्गनी, ग्रेटर कॉमोरेंट, टेमिन्क्स स्टिन्ट और शॉर्ट-ईयर्ड उल्लू शामिल थे। पक्षीविज्ञानियों ने अधिकारियों से टैंक में रहने वाले पक्षियों की एक चेक-लिस्ट बनाए रखने का अनुरोध किया। रविवार को, पहली बार वेंकटरावपेट गांव के उसी सिंचाई टैंक में एक प्रवासी पक्षी, लाल कलगी वाला पोचार्ड देखा गया।

नाबालिग का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में युवक को जेल

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एक स्थानीय अदालत ने 2019 में सरूरनगर में एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न मामले में एक युवक को तीन साल कैद की सजा सुनाई। अदालत ने उस पर 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। सुमंत रेड्डी (25), जो पहले एक निजी कॉलेज में कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में काम करता था, ने उसी कॉलेज की छात्रा को परेशान किया।

उसने उसकी निजी तस्वीरों को सार्वजनिक करने की धमकी भी दी, जिससे उसे बहुत मानसिक पीड़ा हुई। उसकी शिकायत के आधार पर सरूरनगर पुलिस ने सुमंत को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने पीड़िता को एक लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया।

महिला नेत्री से संजय निषाद बोले- सत्यानाश कर दिया

झांसी में पदाधिकारी ने महिला का हाथ पकड़कर खींचा, मंत्री बोले- आपको किसने पद दिया

झांसी, 3 मार्च (एजेंसियां)। झांसी में मंत्री संजय निषाद के सामने निषाद पार्टी की महिला जिला सचिव ने हाई वोल्टेज ड्रामा किया। मंत्री कार्यकर्ता से बात करते हुए जा रहे थे, तभी महिला आई और तेज आवाज में पूछने लगी कि यहां कोई कुछ नहीं बताता। किसी को कुछ समस्या हो तो कोई कैसे आपसे मिले। मंत्री उसे समझाते रहे, मगर वो लगातार सवाल पूछती रही। आखिकर में मंत्री ने कहा- मीडिया के सामने सत्यानाश कर दिया। यह देख पार्टी पदाधिकारियों की सांसें फूल गईं। वे महिला को पकड़कर खींच ले गए।

बताया जा रहा है कि होर्डिंग में फोटो छोटी लगने और मंत्री के आने की जानकारी न मिलने से महिला सचिव नीलू रायकवार नाराज थीं। वो जिलाध्यक्ष एसके बाबा की पत्नी हैं। महिला नेत्री के हंगामे के वीडियो भी सामने आए हैं।

मंत्री संजय निषाद संवैधानिक रथ यात्रा में शामिल होने के लिए झांसी आए थे। मंत्री संजय निषाद झांसी के सर्किट हाउस में अपने कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने के बाद बाहर आ रहे थे, तभी उनकी पार्टी के जिलाध्यक्ष एसके बाबा की पत्नी नीलू रायकवार अचानक से हंगामा करने लगीं।

संजय निषाद ने उनको समझाने का प्रयास किया। मगर वो मंत्री से सवाल पर सवाल दागती रहीं। जब मीडिया ने जिला सचिव नीलू रायकवार से हंगामे को लेकर बात करना चाही तो पदाधिकारी उनको खींच ले गए। बाद में नीतू ने मीडिया से बात की।

नीलू रायकवार के पति जिलाध्यक्ष एसके बाबा ने बताया - नीलू को मंत्री के आने का सही समय नहीं दिया गया था। जिससे वो देरी से पहुंचीं। साथ ही स्वागत होर्डिंग में उनकी फोटो को उनके पद के अनुरूप जगह नहीं मिली। इस वजह से नीलू नाराज हो गईं। वह अपनी बात मंत्री के सामने रखना चाह रही थीं, जिसके लिए उनको रोका गया।

हरियाणा से यूपी का आतंकी गिरफ्तार

फरीदाबाद में खंडहर में छिपाए 2 हैंड ग्रेनेड बरामद गुजरात एटीएस ने पकड़ा, नाम बदलकर रह रहा था

पकड़ा गया अब्दुल रहमान जिसके पास से 2 हैंडग्रेनेड बरामद हुए है।

फरीदाबाद, 3 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद में गुजरात एटीएस, फरीदाबाद एसटीएफ और इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की टीमों ने दबिश देकर एक आतंकी को पकड़ा है। उसके पास से 2 हैंड ग्रेनेड बरामद हुए हैं। इसके अलावा कुछ संदिग्ध वीडियो भी मिले है, जिनमें कुछ स्थानों और धर्म संबंधी कुछ डिटेल्स हैं। फिलहाल, इनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। आरोपी युवक अब्दुल रहमान (19) है जो उत्तर प्रदेश के मिल्कीपुर फैजाबाद का रहने वाला है।

केंद्रीय एजेंसी के इनपुट के आधार पर फरीदाबाद के सोहना रोड स्थित पाली इलाके में रविवार रात एक खंडहरनुमा मकान से उसकी गिरफ्तारी की गई है। करीब 4 घंटे चली जांच के बाद टीमें युवक को अपने साथ ले गईं।

गुजरात एटीएस की ओर से जारी प्रेस नोट में बताया गया है कि अहमदाबाद में फिर से एक बार आतंकवादी संगठन सक्रिय हुआ है, जो दहशत फैला रहा है। इसी सिलसिले में हरियाणा के पास 2 आतंकियों की जानकारी मिली थी। इनमें से एक आतंकी की उम्र महज 19 साल है, जिसका नाम अब्दुल रहमान बताया गया है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल, इस मामले में हरियाणा में केवल अब्दुल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। करीब 4 घंटे चली जांच के बाद टीमें युवक को अपने साथ ले गईं। दूसरे युवक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई।

सूत्र से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार युवक से कुछ संदिग्ध तरीके के वीडियो भी मिले हैं, जिनके बारे में पूछताछ की गई। अब जांच एजेंसियां इस बात की जानकारी जुटा रही हैं कि युवक यहां किन लोगों के संपर्क में था।

सूत्रों के मुताबिक अब्दुल कई दिनों से पाली गांव में नाम बदलकर रह रहा था। जब टीम ने उसे पकड़ा तो वह भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन उसे दबोच लिया गया। सूचना मिली तो फरीदाबाद पुलिस की टीमें भी गांव पहुंचीं। पुलिस उपायुक्त एनआईटी कुलदीप सिंह भी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

पुलिस उपायुक्त एनआईटी के मुताबिक, अब युवक अब्दुल के बारे जानकारी जुटाई जा रही है। वह यहां कब से रह रहा था, किसके पास रह रहा था, क्या करता था और किससे मिलता-जुलता था? जांच के बाद पुलिस खुलासा करेगी।

रागिनी बोलीं-सवाल पूछने पर ब्रजेश पाठक आहत हो जाते हैं

विधानसभा में मंत्री बोलीं- आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय नहीं बढ़ेगा

लखनऊ, 3 मार्च (एजेंसियां)। यूपी विधानमंडल के बजट सत्र का आज 8वां दिन है। विधानसभा में महिला एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय नहीं बढ़ाया जाएगा। फिलहाल इस पर कोई विचार नहीं हो रहा है। पशुपालन मंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि आवारा पशुओं से होने वाले हादसों को रोकने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत गोवंश के गले में रेडियम पट्टे लगाए जाएंगे, ताकि वे रात में भी स्पष्ट दिख सकें। मछलीशहर की विधायक रागिनी सोनकर ने कहा कि झांसी में नवजात शिशुओं की मौत का मामला उठाने पर मंत्री ब्रजेश पाठक ने नेता प्रतिपक्ष पर हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सवाल पूछने पर मंत्री आहत हो जाते हैं। अगर मंत्री जी से सवाल नहीं पूछना है, तो मैं उनका बहिष्कार करती हूं। यूपी विधानसभा में इस बार 11 दिन का बजट सत्र है। 20 फरवरी को बजट पेश किया गया था। सदन 5 मार्च तक चलेगा।

रिंग सेरेमनी में दुल्हन को खींच ले गई गर्लफ्रेंड

अलीगढ़ में बोली- ये मेरी प्रेमिका; मैं 4 साल से प्यार करती हूं

अलीगढ़, 3 मार्च (एजेंसियां)। अलीगढ़ में रिंग सेरेमनी के दौरान हंगामा हो गया। स्टेज पर बैठी दुल्हन को उसकी सहेली खींच ले गई। एक घंटे तक दोनों कमरे में बंद रहीं। जब दरवाजा खुला तो दुल्हन के परिजनों ने उसकी सहेली की पिटाई कर दी। सहेली ने बताया कि हम दोनों एक दूसरे से प्यार करते हैं। 4 साल से रिलेशन में हैं। इसने मेरी शादी तुड़वा दी, कहा था कि अगर मैंने शादी की तो जान दे देगी और अब खुद शादी करने जा रही है।

यह बात सुनते ही वर पक्ष ने रिश्ता तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराया। दोनों लड़कियों से बात की। मामला गांधीपार्क थाना क्षेत्र के एक होटल का है।

4 से चल रहा प्रेम प्रसंग, कोचिंग में हुई थी मुलाकात

बुलंदशहर के पहासू क्षेत्र की युवती का रिश्ता क्वार्सी इलाके के एक युवक से तय हुआ। रविवार शाम गांधीपार्क अड्डे के एक होटल में रिंग सेरेमनी व गोद भराई की रस्म चल रही थी। रिंग पहनने के बाद जोड़ा स्टेज पर खड़ा था। इसी बीच पैंट-शर्ट पहनी एक लड़की दौड़ते हुए स्टेज पर चढ़ गई और दुल्हन का हाथ पकड़कर नीचे खींचने लगी। वहां मौजूद लोगों ने रोकने की कोशिश की तो हाथापाई शुरू कर दी। दुल्हन को कमरे में खींचकर ले गई और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। लड़की ने बताया- 2017 में दोनों की मुलाकात कोचिंग में हुई थी। इसके बाद 2021 से दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए। दोनों 4 साल से एक साथ थे। दुल्हन बनी युवती ने उसे एक सिम भी दी थी, जिससे दोनों बात करती थीं।

मेरी शादी तुड़वाकर खुद शादी कर रही है

दुल्हन की सहेली ने बताया- कुछ दिन पहले उसकी शादी भी शादी तय हुई थी। उसकी भी गोद भराई हो गई थी। 22 अप्रैल को उसके घर बारात आने वाली थी। लेकिन इसने मुझसे शादी तोड़ने की बात कही। मैंने अपने घर में कहा, लेकिन परिजन नहीं माने। तब यह लड़की वीडियो कॉल करके सुसाइड करने जा रही थी। मुझसे बोली- शादी तोड़ो वरना मैं मर जाऊंगी। उसने परिजनों के हाथ-पैर जोड़े और शादी तुड़वा दी। मेरी शादी तुड़वा कर अब वह खुद शादी करने जा रही है। जिससे बात होती थी, वह सिम भी तोड़ दिया।

उसने कहा- मुझे उसी ने फोन करके उसे बुलाया था। मगर सामने आने पर पहचानने से इनकार कर दिया। पैंट शर्ट में आई युवती ने वे उपहार भी वहां वापस किए, जो दुल्हन बनने जा रही युवती ने उसे दिए थे। बताया कि मैं शाम पांच बजे से होटल के बाहर थी। किसी तरह अंदर पहुंची। कहा- इस लड़की ने मेरा जीवन बर्बाद कर दिया है। अब किस मुंह से अपने परिवार से बात करूंगी।

एक ओर पैंट-शर्ट पहनकर आने वाली युवती समलैंगिक होने की बात कह रही थी। वहीं दूसरी ओर दुल्हन ने इससे साफ इनकार कर दिया।दुल्हन का कहना है कि दोनों साथ पढ़ती थीं और उनकी दोस्ती भी है। लेकिन दोनों के बीच ऐसा कोई संबंध नहीं है।

यह लड़की झूठ बोल रही है। इस पर दुल्हन की सहेली ने कहा- मेरे पास चैट है। कॉल डिटेल निकलवाई जा सकती है। हम लोगों में रात 2 बजे तक बात होती थी। चैटिंग होती थी। सहेली ने कई सबूत दिखाए। दुल्हन के परिजनों ने फिर युवती को दूसरे कमरे में बंद कर दिया, तभी पुलिस पहुंच गई। सहेली ने कहा- मैं चाहती हूं मेरी दोस्त हम दोनों के बीच के इस रिश्ते के बारे में सबको बता दे। इसके बाद वह शादी कर ले।

राजद विधायक को धमकी,कहा- दिख गए तो गोली मार दूंगा

गालियां भी दीं; एमएलए ने कहा था- उन्माद फैलाने बिहार आ रहे हैं बागेश्वर बाबा

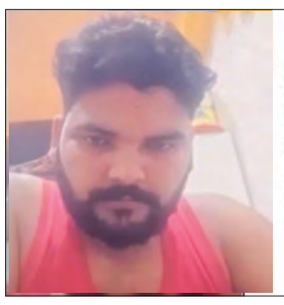

तुम्हें बागेश्वर बाबा से क्या दिक्कत है। खुला चैलेंज दे रहे हैं, जिस दिन भी दिख गए गोली मार देंगे।

विकास सिंह
आरोपी

गोपालगंज, 3 मार्च (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर से राजद विधायक प्रेम शंकर प्रसाद को जान से मारने की धमकी मिली है। एमएलए को सोशल मीडिया के जरिए धमकी दी गई है। आरोपी की पहचान विकास सिंह के रूप में हुई है, जो कि बखरी गांव के प्यारेपर पंचायत का रहने वाला है। विकास सिंह ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर कहा है कि 'जिस दिन तुम दिख गए गोली मार देंगे।' धीरेन्द्र शास्त्री के गोपालगंज आने को लेकर विधायक ने बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि, 'बाबा धीरेंद्र शास्त्री बिहार में उन्माद फैलाने के लिए आ रहे हैं।' विधायक के इस बयान के बाद विकास सिंह ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर विधायक को धमकी दी है।

प्रेम शंकर बुरी तरह से जाएंगे। बैकुंठपुर में प्रेम शंकर दिखाई मत देना। JCB से कुचलवा देंगे। जाकर देवदत्त राय से राजनीति सीखो। इसके बाद बिहार में राजनीति करना। हिंदू का विरोध कर रहा है। चाट कर राजनीति करने वाले को हम राजनेता नहीं मानते हैं। जमात की राजनीति करो। ये खुलेआम मेरा चैलेंज है। बागेश्वर बाबा आ रहे हैं, तो तुम्हें जलन हो रही है। पुलिस ने विकास सिंह के घर पर छापेमारी भी की, लेकिन वह फरार हो गया है। गोपालगंज के एसपी अवधेश दीक्षित ने विकास सिंह की गिरफ्तारी के लिए SIT का गठन किया है। विधायक के प्रतिनिधि पिंटू पांडेय ने बताया कि 'विधायक के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने के बाद गलत भाषा का भी इस्तेमाल किया गया है। हम लोगों ने इसको लेकर मामला दर्ज कराया है। प्रेस शंकर फिलहाल विधानसभा सत्र में भाग लेने के लिए पटना गए हुए हैं।

दरअसल, बागेश्वर बाबा के नाम प्रसिद्ध धीरेन्द्र शास्त्री की 6 मार्च से 10 मार्च तक गोपालगंज में कथा है। कार्यक्रम भोरे प्रखंड के रामनगर में स्थित श्री राम जानकी मंदिर में होगा। बिहार आने की जानकारी धीरेन्द्र शास्त्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से भी दी थी।

रायबरेली में 4 की मौत, 8 घायल

डंपर ने टेंपो को मारी टक्कर, 12 लोग थे सवार

लालगंज (रायबरेली), 3 मार्च (एजेंसियां)। रायबरेली में सुबह करीब 11 बजे NH-232 पर सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। लालगंज से रायबरेली की तरफ जा रहे टेंपो में डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। टेंपो में 12 लोग सवार थे। घटना लालगंज के मधुकरपुर गांव की है। सड़क हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने में लग गयी है। डंपर रायबरेली से लालगंज की ओर जा रहा था। जबकि सवारियों से भरा ऑटो लालगंज से रायबरेली जा रहा था। इसी दौरान दोनों में भयंकर टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेंपो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सीएचसी लालगंज के अधीक्षक डॉ. अमल पटेल ने बताया कि मृतकों में चार लोग शामिल हैं, जबकि सात लोग घायल अवस्था में पहुंचे थे। घायलों में से एक गंभीर हालत में मरीज को इलाज के लिए एम्स रेफर किया गया है, जबकि बाकी छह घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया है।

सीएम के सुरक्षाकर्मियों ने रोका धक्का नहीं दिया-संजय कुमार

कथित विवाद को लेकर बीजेपी विधायक बोले-पहचान बताते ही रास्ता दिया

लालगंज से भाजपा विधायक संजय कुमार सिंह।

हाजीपुर (वैशाली), 3 मार्च (एजेंसियां)। वैशाली के लालगंज से भाजपा विधायक संजय कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुरक्षा कर्मियों के साथ कथित विवाद को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें धक्का नहीं दिया था। लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोका जरूर था, लेकिन जैसे ही उन्होंने अपनी पहचान बताई, रास्ता दे दिया गया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि वे उसी कमरे में जा रहे थे, जहां मुख्यमंत्री को पोती को आशीर्वाद देना था। घटना 1 मार्च की है, जब केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के भतीजे अरविंद राय की पुत्री की शादी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर्णपुरा गांव पहुंचे थे। विधायक ने बताया कि समारोह में चाय-नाश्ते की व्यवस्था की जिम्मेदारी उनकी थी।

जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक कमरे में जा रहे थे, तभी लालगंज भाजपा विधायक संजय सिंह भी उनके पीछे जाने लगे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री की सुरक्षा टीम ने विधायक को कमरे में प्रवेश करने से रोक दिया।सुरक्षा टीम के इस व्यवहार से नाराज होकर विधायक ने विरोध जताया।

सुरक्षाकर्मियों ने बार-बार मना करने के बाद भी जब विधायक को कमरे में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली, तो वे दूसरे कमरे में चले गए। यह घटना राज्य की राजनीति में चर्चा का विषय बन गई है। अब उन्होंने कहा कि वे मुख्यमंत्री से नाराज नहीं थे। बताया कि सभी लोग एक साथ बैठकर बातचीत की, जिसकी तस्वीरें भी मौजूद हैं। इन तस्वीरों में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय अपने परिवार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ प्रसन्नतापूर्वक नजर आ रहे हैं।

'15 मिनट है, साहब के लिए 2 लाख अरेंज करो'

पूर्णिया में थानेदार का ऑडियो वायरल, स्मैक तस्कर से कहा-पैसे भेजो, नहीं तो जाओगे जेल

पूर्णिया, 3 मार्च (एजेंसियां)। पूर्णिया में एक थानेदार का स्मैक तस्कर से पैसे की डिमांड करते हुए एक ऑडियो सामने आया है। ऑडियो में थानेदार कह रहे हैं कि अगर वो पैसा नहीं देता है, तो तस्कर को झूठे केस में फंसाकर जेल भेज दिया जाएगा। साथ ही उसे उम्र भर जेल में सजा काटनी होगी।

इस ऑडियो को स्मैक तस्कर ने ही वायरल किया है। ऑडियो 44 सेकेंड का है, जो बीते 13 फरवरी का बताया जा रहा है। आरोप जानकीनगर थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा पर लगा है। मामले में पूर्णिया SP कार्तिकेय शर्मा ने जांच के आदेश दिए हैं।

साहेब के लिए अरेंज कर दो। उसके बाद थाने का देखा जाएगा। दो किलो (दो लाख) का व्यवस्था साहेब के लिए करो। 15 मिनट का समय दे रहे हैं, यस या नो बोलो। हमको भी तो ऊपर तक देना पड़ता है। डायरेक्ट एसपी साहब केस कर रहे हैं। वैसे भी हाथ से कलम, बंदूक से गोली और बात, जुबान से निकलने के बाद वापस नहीं आता।

स्मैक केस में फंसाकर जेल भेजने की धमकी

स्मैक तस्कर के भाई प्रशांत कुमार ने थानाध्यक्ष संतोष कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा, '13 फरवरी को थानेदार ने स्मैक बरामद किया था। इस मामले में दिलखुश कुमार नाम के युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसी स्मैक के केस में उन्होंने मेरे फुफेरे भाई करण कुमार को कॉल कर SP कार्तिकेय शर्मा के नाम 2 लाख रुपए की डिमांड की।

भाई प्रशांत कुमार के मुताबिक, संतोष कुमार कह रहे थे, 'स्मैक से जुड़े केस को डायरेक्ट SP साहेब देख रहे है। 2 लाख रुपए दो, नहीं देते हो तो इसी स्मैक केस में फंसाकर तुम्हें भी जेल भेज देंगे। इसके बाद उम्र भर सोचते रहना।'

इस मामले में SP कार्तिकेय शर्मा ने कहा, 'वायरल ऑडियो की जांच की जा रही है। ऑडियो सही पाए जाने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।'

वरमाला के दौरान बच्चे के सिर में लगी गोली, मौत

परिजन बोले- साजिश के तहत की हत्या एक साल पहले दादा का हुआ था मर्डर

आशीष जयमाला के दौरान स्टेज पर था, तभी गोली उसके सिर में लगी। (फाइल फोटो)

आरा (भोजपुर), 3 मार्च (एजेंसियां)। भोजपुर में रविवार को शादी समारोह में वरमाला के दौरान एक बच्चे की गोली लगने से मौत हो गई। बच्चे का नाम आशीष कुमार(06) है। दरअसल, शनिवार रात जगदीशपुर के अगरूआं गांव से तेतरिया गांव निवासी राम बच्चन यादव के यहां बारात आई थी। वरमाला के दौरान हर्ष फायरिंग हो रही थी। इसी बीच आशीष के सिर में गोली लग गई। आनन-फानन में आशीष को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां से उसे पटना रेफर कर दिया गया। पटना में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बच्चे की मौत के गुस्साए ग्रामीणों ने सोमवार को आरा–सासाराम मुख्य मार्ग के पास तेतरिया मोड़ पर आगजनी कर सड़क जाम कर दिया। मृतक के परिजनों ने साजिश के तहत बच्चे की हत्या का आरोप लगाया है। घटना उदवंतनगर थाना क्षेत्र के तेतरिया गांव की है। 2023 को आशीष के दादा रामायण सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में एकौना गांव निवासी निरंतर सिंह, उसके दो बेटे कुणाल और करन सहित 4 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया था। इन्हीं लोगों ने मेरे पोते की हत्या करवाई है।

आशीष के चचेरे दादा बबन सिंह ने बताया, '1 दिसंबर 2023 को हत्यारे गांव में रिसेप्शन पार्टी के बाद हमारे खटाल में शराब पी रहे थे। रामायण सिंह ने इसका विरोध किया तो बदमाशों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।

70 से कम नहीं लेंगे, अधिक हो सकता है

कांग्रेस विधायक अजित शर्मा ने कहा- महागठबंधन की बनेगी सरकार, सीएम को साथ आने का दिया था ऑफर

भागलपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। राजद के सूत्रधार लालू यादव ने कहा कि राजद 2025 में चुनाव जीतेगी, लेकिन उन्होंने महागठबंधन की चर्चा नहीं की। वहीं अब इसपर सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या महागठबंधन में राजद-कांग्रेस में सब ठीक नहीं चल रहा है। कांग्रेस विधायक अजित शर्मा ने लालू यादव के इस बयान को स्लिप ऑफ टंग बताया, लेकिन उन्होंने कहा कि इस बार कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस विधायक ने कहा कि लालू यादव जी का स्लिप ऑफ टंग हुआ है। हमलोग साथ हैं। सरकार इस बार महागठबंधन की बनेगी।

पटना में एसआई पर हमला, शराब माफियाओं ने सिर फोड़ा

हमले के बाद पुलिस का मैच खेलते वीडियो वायरल; थाना प्रभारी बोले- सिर्फ धक्का-मुक्की हुई है

पटना, 3 मार्च (एजेंसियां)। पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र में रविवार को शराब माफियाओं ने सब इंस्पेक्टर अमित कुमार पर हमला कर दिया। कुम्हरार मुसहरी इलाके में अवैध शराब की सूचना पर पहुंचे थे। इस दौरान तस्करों ने हमला कर दिया। किसी तरह से अपनी जान बचाकर भागना पड़ा। गंभीर रूप से घायल SI को नालंदा मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना रविवार सुबह 11 बजे के आसपास की है। शराब माफियाओं ने सब इंस्पेक्टर पर ईंट से हमला किया है। सिर पर गहरी चोट लगी है। इस दौरान पुलिस टीम का क्रिकेट खेलते एक वीडियो वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि गुलजारबाग स्टेडियम में दोपहर 12 से 2 बजे तक पुलिस पदाधिकारी मैच खेल रहे थे। गुलजारबाग स्टेडियम से कुम्हरार मुसहरी की दूरी सिर्फ 3 किलोमीटर है। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों का कहना है कि दरोगा की पिटाई के बाद पुलिस एक्शन लेने की बजाय मैच खेलने में व्यस्त रही।

काम-धाम से कोई मतलब है जी'

नीतीश सरकार पर तेजस्वी का तंज, कहा- खाली पलटी मारते रह गए, जनता को क्या जवाब देंगे

पटना, 3 मार्च (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बजट पेश होने से पहले मुख्यमंत्री पर तंज कसा है। तेजस्वी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'काम-धाम से कोई मतलब है जी? जनता को भ्रमित करने के लिए 2005 से पहले वाला घिसा-घिसाया-आजमाया डायलॉग और घिसा-पिटा ड्रामा फिर कर देना है।'

अरे सर, चुनाव आ रहा है। काम धाम तो कुछ किए नहीं। 20 बरस खाली पलटिए मारते रह गए। जनता को क्या जवाब देंगे। काम धाम का कोई मतलब है। 2005 के पहले वाला ड्रामा इस बार भी कर देंगे। 20 साल से इसी पर तो खेल रहे हैं।

वहीं, रविवार को पार्टी ऑफिस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार को सलाह देते हुए कहा था, 'नीतीश कुमार आपका आखिरी बजट है। भले ही मेरी योजना की कॉपी कर लीजिए। लेकिन महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए दीजिए।

बिहार में बिजली सबसे ज्यादा महंगा जो मिलता है। सरकारी बजट में सभी को 200 यूनिट फ्री बिजली देने का ऐलान करें। किसानों के लिए भी फ्री में बिजली देने का काम करें। साथ ही मांग की है- वृद्धा पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, विधवा पेंशन 400 से बढ़कर 1500 रुपए किया जाए।

तेजस्वी ने मीडिया से कहा, 'बिहार में सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। हाउस और सदन कैसे चल रहा है, सभी लोग देख रहे हैं। 4 तारीख को विधानसभा में मेरा भी भाषण है। मैं सरकार की पोल खोलने का काम करूंगा। पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा था, 'मैं 36 साल का हूं, 75 का नहीं। जुमलेबाजी नहीं करूंगा।

केंद्र ने दिल्ली सरकार के अधिकारों को सीमित किया : गोपाल राय

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा में सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेता गोपाल राय ने सदन में स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित सीएजी रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि इस समय दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। गोपाल राय ने रिपोर्ट के तीन प्रमुख हिस्सों का उल्लेख किया, जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभाव पहला मुद्दा रहा।

राय ने कहा कि रिपोर्ट में यह बताया गया है कि दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाओं का असर एनसीआर के अन्य सरकारी अस्पतालों की तुलना में अधिक सकारात्मक है और दिल्ली के लोगों को इसके लाभ मिले हैं। दूसरे मुद्दे पर उन्होंने बताया कि वैकेंसी और सेवा वितरण दूसरा हिस्सा था। दिल्ली के अस्पतालों में कई महत्वपूर्ण पदों पर वैकेंसी खाली हैं, जिसका असर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी वितरण पर पड़ा है। इस कारण से लोग समय पर उचित सेवाएं नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं। उन्होंने तीसरे हिस्से में उल्लेख किया कि दिल्ली में 2022 तक नए अस्पतालों और बिस्तरों के विस्तार का काम धीमा पड़ा था। गोपाल राय ने इस संदर्भ में दिल्ली सरकार की कोशिशों की सराहना की और कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं।

गोपाल राय ने दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि दिल्ली देश का पहला राज्य है, जिसने मोहल्ला क्लीनिक जैसी योजना शुरू की और स्वास्थ्य सेवाओं को आम आदमी तक पहुंचाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। उन्होंने कहा, हमने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए जमीनी स्तर पर काम किया है। इसके अलावा, गोपाल राय ने दिल्ली सरकार के डाटा एंट्री ऑपरेटर की भर्ती को लेकर संघर्ष का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार इस भर्ती के लिए दो साल तक सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी प्राप्त करने के बाद ही प्रक्रिया शुरू कर सकी। हालांकि, गोपाल राय ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार के अधिकारों का उल्लंघन किया और सौतेला व्यवहार किया।

6 मार्च को बिलासपुर आएंगे केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा

बिलासपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा 6 मार्च को पहली बार अपने गृह जिला बिलासपुर आ रहे हैं। नड्डा के दौरे को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। शहर के रौड़ा सेक्टर स्थित भाषा एवं संस्कृति विभाग के सभागार में भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जाएगा। भाजपा ने इस कार्यक्रम के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। वहीं नड्डा एम्स बिलासपुर में पेट स्कैन का भी शुभारंभ करेंगे। सदर के विधायक त्रिलोक जमवाल ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में पार्टी ने कई राज्यों में सरकार बनाई है।

सुप्रीम कोर्ट से रणवीर इलाहाबादिया को राहत

'द रणवीर शो' फिर से शुरू करने की अनुमति दी

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर और पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया को इंडियाज गॉट लेटेंट' में की गई अश्लील टिप्पणियों के मामले में राहत प्रदान की है। सुप्रीम कोर्ट ने रणवीर इलाहाबादिया को 'द रणवीर शो' फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी है, बशर्ते कि वह यह वचन दें कि उनके पॉडकास्ट शो नैतिकता और शालीनता के वांछित मानकों को बनाए रखेंगे ताकि किसी भी आयु वर्ग के दर्शक इसे देख सकें।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उन्हें अपना शो फिर से शुरू करने की अनुमति है क्योंकि 280 कर्मचारियों की आजीविका उनके शो के प्रसारण पर निर्भर करती है।

सुप्रीम कोर्ट के नोट में अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल ने कहा की ऐसे कार्यक्रमों के प्रसारण या प्रसारण को रोकने के लिए कुछ नियामक की आवश्यकता हो सकती है जो हमारे समाज के ज्ञात नैतिक मानकों के संदर्भ में स्वीकार्य नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल से कहा कि वे विचार-विमर्श करें और कुछ ऐसे उपाय सुझाएं जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का हनन न करें बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त प्रभावी हों कि यह 19(4) के दायरे में रहे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस संबंध में कोई भी मसौदा नियामक उपाय सार्वजनिक डोमेन में रखा जा सकता है ताकि इस संबंध में कोई भी विधायी या न्यायिक उपाय करने से पहले हितधारकों से सुझाव आमंत्रित किए जा सकें।

सुप्रीम कोर्ट ने असम के जांच अधिकारी को इलाहाबादिया को जांच में शामिल करने के लिए तारीख और समय तय करने को कहा।विदेशी देशों में अतिथि के रूप में विदेश यात्रा की अनुमति देने की अल्लाहबादिया की प्रार्थना के संबंध में, सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि जांच में शामिल होने के बाद इस प्रार्थना पर विचार किया जाएगा और अब उक्त उद्देश्य के लिए इसकी आवश्यकता नहीं है।सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा कि उन्हें गिरफ्तारी से दी गई अंतरिम सुरक्षा जारी रहेगी।सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शो आयोजित नहीं किया जा सकता है जिसका मामले की योग्यता पर असर पड़ता हो।

किसानों को नहीं मिल रही बिजली, महिला सुरक्षा चिंता का विषय : नाना पटोले

मुंबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता नाना पटोले ने सोमवार को प्रेसवार्ता कर प्रदेश में किसानों की बिगड़ती स्थिति, बेरोजगारी और बढ़ती कानून व्यवस्था की समस्याओं को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। इसके अलावा, उन्होंने हाल ही में राज्यपाल के अभिभाषण को लेकर भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इसमें सरकार द्वारा किए गए वादों को सिर्फ दोहराया गया है। इसमें किसी भी प्रकार का सुधार दिखाई नहीं दे रहा है।

उन्होंने कहा कि किसानों को बिजली नहीं मिल रही है और सौर ऊर्जा के नाम पर उन्हें धोखा दिया जा रहा है। इससे किसान बर्बाद हो रहे हैं और बड़े पैमाने पर आत्महत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। महाराष्ट्र में बेरोजगारी की दर भी लगातार बढ़ रही है और युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं की सुरक्षा भी चिंता का विषय बन गई है। केंद्रीय मंत्री की बेटी भी राज्य में सुरक्षित नहीं रह पाई, जिससे आम जनता की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार, शहरीकरण में महाराष्ट्र देश में सबसे ऊपर है, जिसके चलते युवा गांवों से शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। कृषि उद्योग भी संकट में है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था का भी गंभीर संकट बढ़ता जा रहा है। ट्रकों की चोरी और पुलिस की लापरवाही के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और सरकार आरोपियों को बचाने का काम कर रही है। सरकार को इस स्थिति का जवाब देना होगा और ठोस कदम उठाने होंगे।

'आर्य शब्द को पहले नस्ल के रूप में नहीं देखा गया था'

आर्य-द्रविड़ विवाद पर बोले राज्यपाल आरएन रवि

चेन्नई, 3 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि ने सोमवार को चेन्नई के डीजी वैश्य कॉलेज में आयोजित 'सिंधु सभ्यताः इसकी संस्कृति और लोग-पुरातात्विक दृष्टिकोण' नाम के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन दक्षिण भारतीय अध्ययन केंद्र ने किया था।

आर्य शब्द का मतलब बिल्कुल अलग है-राज्यपाल

अपने भाषण में राज्यपाल आर. एन. रवि ने आर्य-द्रविड़ विवाद पर कहा, 'हमारे किसी भी प्राचीन साहित्य में 'आर्य' शब्द को नस्ल के रूप में नहीं बताया गया है। न ही संगम साहित्य में, न ही वैदिक ग्रंथों में, कहीं भी आर्य शब्द को जाति के रूप में प्रयोग नहीं किया गया। 2,000 से अधिक वर्षों के हमारे ग्रंथों में आर्य शब्द का मतलब बिल्कुल अलग है। लेकिन पिछले 60-70 वर्षों में एक अलग विचारधारा बनाई गई, जिसमें आर्यों को एक अलग नस्ल के रूप में दिखाया गया और आर्य आक्रमण का प्रचार किया गया।'

'इतिहास की सच्चाई को फिर से परखना चाहिए'

राज्यपाल आर.एन. रवि ने यह भी कहा कि यूरोपियनों ने अपने साम्राज्यवादी विचारों को सही ठहराने के लिए 'आर्य नस्ल' का सिद्धांत गढ़ा। उन्होंने आगे कहा कि, 'आर्यन और द्रविड़ को अलग-अलग नस्लों के रूप में बताना झूठ है। सरस्वती-सिंधु सभ्यता का ऐतिहासिक सच सामने आना चाहिए। क्या हम सिंधु सभ्यता को सरस्वती सभ्यता कह सकते हैं? क्या ऐसा किया जा सकता है?'

पेरियार ने आर्यों को बर्बर बताया- राज्यपाल

राज्यपाल आर. एन. रवि ने समाज सुधारक ई.वी. रामासामी नायकर (पेरियार) की किताबों का जिक्र करते हुए कहा कि 'पेरियार ने आर्यों को बर्बर बताया और कहा कि वे नशे में धुत होकर भारत आए थे, नाच-गाना करते थे, और उन्होंने रामायण-महाभारत की कल्पना कर ली।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय सभ्यता को बाहरी प्रभावों से बचाने की जरूरत है और हमें अपने इतिहास को सही परिप्रेक्ष्य में समझने का प्रयास करना चाहिए।

नई आबकारी नीति को कैबिनेट की मंजूरी

शराब की ओवर रेटिंग पर लाइसेंस होगा निरस्त, क्या हैं नए नियम?

देहरादून, 3 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड की नई आबकारी नीति 2025 को आज धामी कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। नीति के तहत सरकार ने कई प्रावधान किए हैं। नई आबकारी नीति में किसी दुकान पर एमआरपी से अधिक कीमत ली जाती है, तो लाइसेंस निरस्त करने का प्रावधान किया गया है। डिपार्टमेंटल स्टोर्स पर भी एमआरपी लागू की गई है। वहीं, धार्मिक क्षेत्रों की महत्ता को ध्यान में रखते हुए उनके निकटवर्ती शराब की दुकानों को बंद किया जाएगा। शराब की उप-दुकानों और मैट्रो मदिरा बिक्री व्यवस्था को समाप्त किया गया है।

2025-26 के लिए 5060 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य

बता दें कि पिछले दो वर्षों में आबकारी राजस्व में राज्य में काफी वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 5060 करोड़ रुपये के राजस्व लक्ष्य को निर्धारित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 4000 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 4038.69 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया गया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4439 करोड़ रुपये का लक्ष्य के सापेक्ष अब तक लगभग 4000 करोड़ रुपये की प्राप्ति हो चुकी है। नई आबकारी नीति के तहत स्थानीय निवासियों को प्राथमिकता और रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। थोक मदिरा की दुकान केवल उत्तराखंड निवासियों को जारी की जाएंगी। पर्वतीय क्षेत्रों में वाइनरी को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य में उत्पादित फलों से वाइनरी इकाइयों को अगले 15 वर्षों तक आबकारी शुल्क में छूट दी जाएगी। इससे कृषकों और बागवानी क्षेत्र में कार्य करने वालों को आर्थिक लाभ मिलेगा।

'कर्नाटक के विकास पर दुनियाभर के अर्थशास्त्री अध्ययन कर रहे'

> संयुक्त सत्र में बोले राज्यपाल

बंगलूरू, 3 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा है कि राज्य के विकास के मॉडल का अध्ययन दुनियाभर के अर्थशास्त्रियों और विश्वविद्यालयों द्वारा किया जा रहा है। कर्नाटक विधानसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि कर्नाटक के विकास का मॉडल व्यक्ति आधारित है, जिसमें आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रशासन पर फोकस किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि 'कर्नाटक में सरकार विकास के नए और अनोखे मॉडल को आकार दे रही है।

कर्नाटक के विकास मॉडल का मतलब व्यक्ति आधारित अर्थव्यवस्था, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रशासन है। हरित ऊर्जा, महिला सशक्तिकरण आदि भी उसमें शामिल हैं।' राज्यपाल ने कहा कि ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने अपने मानवाधिकार संबंधी ब्लॉग में कर्नाटक के विकास मॉडल को 'अंधेरे में चमकता हुआ प्रकाश' और 'दुनिया के लिए ब्लूप्रिंट' करार दिया है। राज्यपाल ने सरकार की गारंटी योजनाओं का भी बचाव किया। दरअसल कर्नाटक सरकार पर आरोप लग रहे हैं कि इन गारंटी योजनाओं के चलते राज्य की आर्थिक स्थिति बिगड़ जाएगी। इस पर राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कहा कि 'राज्य सरकार ने इन सारी आशंकाओं को गलत साबित कर दिया है।' विपक्षी पार्टियों भाजपा और जेडीएस ने राज्य सरकार पर राज्यपाल की शक्तियां करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी विधायकों ने हाथों में प्लेकार्ड और बैनर लेकर विधान सौधा तक मार्च किया। कर्नाटक विधानसभा का सत्र सोमवार से शुरू हो गया है और यह 21 मार्च तक जारी रहेगा। विपक्ष का आरोप है कि सरकार, राज्यपाल की विश्वविद्यालयों के कुलपति होने की शक्ति को छीनना चाहती है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि संविधान में राज्यपाल को विशेष शक्तियां दी गई हैं।

कोलकाता के जादवपुर यूनिवर्सिटी में छात्रों के बीच मारपीट

कोलकाता, 3 मार्च (एजेंसियां)। कोलकाता के जादवपुर यूनिवर्सिटी में छात्र संघ चुनाव की मांग को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और कम्युनिस्ट पार्टी की स्टूडेंट विंग एसएफआई समर्थक छात्रों के बीच सोमवार को मारपीट हो गई। कुछ वीडियो सामने आए हैं जिसमें लड़के-लड़कियां एक-दूसरे के साथ हाथापाई करते हुए नजर आ रहे हैं। जादवपुर यूनिवर्सिटी में पिछले 5 साल से छात्र संघ के चुनाव नहीं हुए हैं। स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) सहित दूसरे स्टूडेंट फ्रंट राज्य की ममता बनर्जी सरकार से चुनाव की मांग को लेकर पिछले कई दिनों से यूनिवर्सिटी में प्रदर्शन कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव भी होने वाले हैं।

इससे पहले 1 मार्च को राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु यूनिवर्सिटी में ही एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। छात्रों को जब इसकी जानकारी मिली तो वे उनसे मिलने पहुंचे और मांगपत्र सौंपा।

महाकुंभ से चर्चा में आई हर्षा रिछारिया की सोशल मीडिया पर 55 फेक आईडी, पुलिस से की शिकायत

भोपाल, 3 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ से चर्चा में आई हर्षा रिछारिया अपने नाम से बनी 55 फेक आईडी से इतनी परेशान हो गईं कि उन्हें मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पुलिस की साइबर सेल में एफआईआर दर्ज करानी पड़ी। भोपाल के साइबर क्राइम थाने में हर्षा रिछारिया ने बताया कि प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के दौरान फेक आईडी मेरे नाम से यूट्यूब, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर बनी हैं, जो मेरे नाम से फ्रॉड कर रहे हैं और मेरे नाम पर बहुत से अश्लील विज्ञापन बना रहे हैं, जो मैं नहीं करती हूं। इतना ही नहीं, पैसों की डिमांड की जा रही है, अश्लील वीडियो बनाई जा रही हैं। अब तक 55 फेक आईडी बनाई गई हैं, जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

हर्षा रिछारिया ने अपनी एफआईआर में लिखाया है कि नौ जनवरी 2025 से चार फरवरी 2025 तक हुए प्रयागराज के महाकुंभ में अपनी सेवाएं दे रही थीं। इस अवधि के दौरान विभिन्न संचार माध्यमों में मेरे संबंध में वीडियो प्रसारित किए गए हैं तथा मेरे द्वारा जो सेवाएं महाकुंभ में दी गईं, इस संबंध में मीडिया द्वारा मेरा साक्षात्कार भी लिया गया था। इतना ही नहीं, प्रयागराज में रहने के दौरान कई व्यक्तियों ने मेरी इंस्टाग्राम पर दो फेक आईडी बनाई। यह मेरे नाम से बनाकर इन लोगों से अवैध धन की मांग की, जिसकी जानकारी मुझे मिली और लोगों ने मुझे बताया कि हमारे द्वारा इतनी राशि का डोनेशन दिया गया है। जबकि, मेरे द्वारा किसी प्रकार की राशि किसी से नहीं मांगी गई थी।

औरंगजेब को 'अच्छा आदमी' बताने पर अबू आजमी पर भड़के एकनाथ शिंदे

कहा-राजद्रोह का मुकदमा दर्ज हो

मुंबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता और विधायक अबू आजमी के औरंगजेब के बारे में दिए बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। शिंदे ने कहा, अबू आजमी का बयान गलत है और इसकी निंदा की जानी चाहिए। औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी महाराज को 40 दिनों तक यातनाएं दी थीं। ऐसे व्यक्ति को अच्छा कहना सबसे बड़ा पाप है और इसलिए आजमी को माफी मांगनी चाहिए। हमारे मुख्यमंत्री ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और उन पर राजद्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए। आजमी ने मुंबई में मीडिया से बात करते हुए कहा था, 'सारा गलत इतिहास दिखाया जा रहा है। औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए...औरंगजेब क्रूर नहीं था।' एक समाचार चैनल के साथ इंटरव्यू में सपा नेता ने कहा था, 'मैंने औरंगजेब के बारे में जितना पढ़ा है, उसने कभी भी जनता का पैसा अपने लिए नहीं लिया, उसका शासन बर्मा (वर्तमान म्यांमार) तक फैला हुआ था, उस समय देश को सोने की चिड़िया कहा जाता था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह एक महान प्रशासक थे, उसकी सेना में कई हिंदू कमांडर थे।' यह ताजा विवाद मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे बड़े बेटे छत्रपति संभाजी महाराज पर केंद्रित एक बॉलीवुड फिल्म छावा से पैदा हुआ है। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेरकर ने किया है। इसमें संभाजती के जीवन, राज्याभिषेक और मुगल साम्राज्य, खासकर औरंगजेब के खिलाफ संघर्ष को दिखाया गया है। विकी कौशल ने फिल्म में संभाजी की भूमिका निभाई है, जबकि रश्मि मंदाना ने उनकी पत्नी येसुबाई भोंसले की भूमिका निभाई है। फिल्म में अक्षय खन्ना ने औरंगजेब की भूमिका निभाई है। अबू आजमी ने पहली बार औरंगजेब का समर्थन नहीं किया है, बल्कि पहली भी वह उनकी प्रशंसा करते रहे हैं। साल 2023 में उन्होंने ऐसा ही बयान दिया था, जिसके बाद उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी।

केंद्र की समूह 'ए' सेवा में 19-20 वर्ष में मिल रहा सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव तो सीएपीएफ में लग रहे 36 साल

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। सीएपीएफ के कैडर अधिकारियों को संगठित सेवा का दर्जा देने और उनके दूसरे हितों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई हो रही है। 27 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में सीएपीएफ के कैडर अधिकारियों के वकील और सरकारी पक्ष के बीच तार्किक बहस हुई।

जस्टिस अभय ओका एवं उज्जल भुइयां की बैंच ने इस मामले की सुनवाई की है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका ने सुनवाई के बीच दिए अपने रिमार्क में कहा, इन बलों में प्रतिनियुक्ति को धीरे धीरे कम किया जाए। सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड 'एसएजी' में तो प्रतिनियुक्ति बंद हो। इस केस के संदर्भ में जो कुछ भी कोर्ट में बोला गया है, दोनों पक्षों को उसकी तीन चार पेजों में समरी बनाकर एक सप्ताह के अंदर कोर्ट को देने का आदेश दिया गया है। सीएपीएफ के पूर्व अफसरों का कहना है कि वे सुप्रीम कोर्ट में अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल की टिप्पणियों से आहत हुए हैं।

इनका दावा है कि केंद्र की 'समूह-'ए' सेवा में 19-20 वर्ष में सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड (एसएजी) मिल रहा है तो वहीं अर्धसैनिक बलों में 36 वर्ष तक लग रहें हैं। पूर्व अफसरों के मुताबिक, 27 फरवरी को सर्वोच्च न्यायालय में जस्टिस अभय ओका एवं उज्जल भुइयां की बैंच के समक्ष अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल द्वारा सीएपीएफ के संगठित समूह 'ए' अधिकारियों के सेवा नियमों और कैडर समीक्षा के संबंध में एक प्रकरण की सुनवाई के दौरान कई तथ्य प्रस्तुत किए गए। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के पूर्व अधिकारियों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट में केस की सुनवाई के दौरान उनकी भावनाओं को ठेस पहुंची है। जो बहस हुई है, उसने कई आपत्तियों को जन्म दे दिया है। एएसजी की दलील में सीएपीएफ अधिकारियों को अक्षम और प्रदर्शन करने के लिए पेशेवर रूप से अपरिपक्व बताया गया है। दूसरी तरफ उच्च स्तर पर प्रतिनियुक्ति और ब्रिटिश औपनिवेशिक समय से आईपीएस की चली आ रही प्रतिष्ठा एवं विशिष्ट स्थिति को सही ठहराने का प्रयास हुआ है। सीएपीएफ के पूर्व अफसरों को यह बयान और रुख अपमानजनक और निराधार लगता है। यह रुख सीएपीएफ के उन अधिकारियों के बलिदानों, कठिन परिश्रम एवं समर्पण को तुच्छ करता है, जिन्होंने राष्ट्र की आंतरिक और सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस तरह के अतिवादी वक्तव्य न केवल उन अधिकारियों और सैनिकों का मनोबल गिराते हैं, जो अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों में सेवा करते हैं। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों और सीएपीएफ के बीच कृत्रिम श्रेष्ठता/पदानुक्रम बनाने का प्रयास किया जाता है। यह बात राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रशासनिक सद्भाव के लिए हानिकारक है। सीएपीएफ के पूर्व अफसरों का कहना है, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल का भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की निरंतरता के लिए सीएपीएफ अधिकारियों की कथित अक्षमता के आरोप औचित्यहीन, निराधार, भ्रामक और तथ्यों के विपरीत हैं। बीएसएफ के पूर्व एडीजी एसके सूद बताते हैं, खासतौर से जूनियर स्तर पर सीएपीएफ के कैडर अधिकारियों में पदोन्नति को लेकर परेशानी देखी जा रही है। पदोन्नति में देरी के चलते अफसर नौकरी छोड़ रहे हैं। वे आर्थिक फायदों में भी पिछड़ जाते हैं। सीआरपीएफ और बीएसएफ में तो डेढ़ दशक में पहली पदोन्नति मिल रही है। डीओपीटी ने 2008-09 के दौरान केंद्रीय सुरक्षा बलों में ओजीएएस यानी 'आर्गेनाइज्ड ग्रुप ए सर्विस' के तहत सेवा नियम बनाने के आदेश जारी किए थे। अभी तक सर्विस रूल नहीं बनाए गए हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 4 मार्च - 2025

हिंदी विरोध के जरिए सत्ता बचाए रखने की साजिश

मनोज कुमार अग्रवाल

देश में नई शिक्षा नीति और त्रिभाषा फॉर्मूले को लेकर तमिलनाडु के नेता जिस प्रकार का बयान दे रहे हैं, वह सिर्फ भड़काऊ होने के साथ ही राजनीतिक स्वार्थ से ओत-प्रोत है। भाषा को लेकर संकीर्ण सोच से ऊपर उठने के बजाय राज्य के नेता इस मुद्दे पर राजनीति चमकाने में जुटे हैं, इसके पीछे उनका सिर्फ एक ही मकसद है वोट बैंक की राजनीति। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने इस विवाद को बड़ा फलक देते हुए यहां तक कह दिया है कि तमिलनाडु 'एक और भाषा युद्ध' के लिए तैयार है। उनके अनुसार केंद्र अगर तमिलनाडु में नई शिक्षा नीति लागू करता है, तो उसे 2000 करोड़ रुपये मिलेंगे। लेकिन 2000 करोड़ क्या अगर केंद्र 10000 करोड़ रुपये भी देती है, तो हम नई शिक्षा नीति नहीं लागू करेंगे। राज्य सरकार हिंदी को लागू करने की अनुमति नहीं देगी और तमिल भाषा और संस्कृति की रक्षा करेगी। डीएमके सरकार का दावा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत तीन-भाषा फॉर्मूले के जरिए हिंदी थोपने की कोशिश की जा रही है। साथ ही स्टालिन ने आरोप लगाया कि 25 से अधिक उत्तर भारतीय भाषाओं को हिंदी और संस्कृत के प्रभुत्व के कारण नुकसान हुआ है। उनका दावा है कि यदि तमिलनाडु तीन-भाषा नीति को स्वीकार कर लेता है, तो तमिल को नजरअंदाज कर दिया जाएगा और भविष्य में संस्कृत का दबदबा रहेगा।

हालांकि, केंद्र सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया है। सीएम स्टालिन ने अपने पत्र में कहा कि बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में मैथिली, ब्रजभाषा, बुंदेलखंडी और अवधी जैसी भाषाओं को हिंदी के प्रभुत्व ने खत्म कर दिया है। केंद्र का कहना है कि एनईपी के जरिये किसी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोपी जा रही है। किसी भी राज्य या समुदाय पर कोई भी भाषा थोपने का सवाल ही नहीं उठता। एनईपी 2020 भाषायी स्वतंत्रता के सिद्धांत को कायम रखता है और यह सुनिशित करता है कि छात्र अपनी

> **बच्चों को भाषा चुनने की आजादी मिलनी चाहिए। लेकिन हमारे राजनीतिक लोगों को रोटी सेकने के लिए मुद्दे की तलाश रहती है फिर चाहे राष्ट्रभाषा हिंदी का विरोध करना ही क्यों न हो।**

पसंद की भाषा में सीखना जारी रखें। भाषा को लेकर संकीर्ण सोच से ऊपर उठने के बजाय राज्य के नेता इस मुद्दे पर राजनीति चमकाने में जुटे हैं। तमिलनाडु में हिंदी विरोध का लंबा इतिहास है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी ने दक्षिण भारत में वर्ष 1918 में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की थी। वे हिंदी को भारतीयों को एकजुट करने वाली भाषा मानते थे। तब ही तमिलनाडु में हिंदी विरोध शुरू हो गया था। ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में तमिलनाडु को मद्रास प्रेसिडेंसी कहा जाता था। तब 1937 में सी. राजगोपालाचारी की सरकार ने स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य किया, तो तमिलनाडु में इसके खिलाफ तीन साल तक आंदोलन चला। फैसला वापस लेने पर आंदोलन तो खत्म हो गया, पर इसने राज्य में हिंदी विरोध के जो बीज बोए थे, वे जब-तब अंकुरित होने लगते हैं। क्षेत्रीय पार्टियां राजनीतिक फायदे के लिए इन्हें खाद-पानी मुहैया कराती रहती हैं। तमिलनाडु के स्कूलों में 1967 से दो-भाषा फॉर्मूले (तमिल और अंग्रेजी) का पालन किया जा रहा है। त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत हिंदी वहां क्षेत्रीय पार्टियों के लिए आंख की किरकिरी बनी हुई है। शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने के इस नीति के मकसद के बावजूद ये पार्टियां पुराना राग नहीं छोड़ना चाहतीं। द्रमुक की मौजूदा सरकार पर केंद्र की यह चेतावनी भी बेअसर रही कि जब तक तमिलनाडु एनईपी को पूरी तरह लागू नहीं करेगा, उसे समग्र शिक्षा निधि की 2952 करोड़ रुपए की राशि जारी नहीं की जाएगी। तमिलनाडु सरकार हिंदी के पठन-पाठन के दरवाजे इसलिए बंद रखना चाहती है, क्योंकि उसे लगता है कि एक बार दरवाजे खुले तो राजनीति का रंग-रोगन बदल जाएगा। नई शिक्षा नीति हिंदी थोपने के बजाय विद्यार्थियों को एक अतिरिक्त भाषा सीखने का अवसर दे रही है। हकिकत यह है कि नई शिक्षा नीति में हमने क्षेत्रीय भाषाओं को महत्व दिया है। यह हर क्षेत्रीय भाषा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नई शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग की सिफारिश को लागू किया गया है। इसमें मातृभाषा, स्थानीय भाषा या क्षेत्रीय भाषा का विकल्प भी दिया गया है। भाषा नीति का मूल आधार त्रिभाषा फार्मूला है, जिसके अनुसार स्कूली विद्यार्थियों को तीन भाषाओं का ज्ञान अनिवार्य रूप से होना चाहिए। इसके साथ ही तमिल, तेलगू, कनड़, फारसी, संस्कृत और शास्त्रीय भाषाओं के अध्ययन पर जोर दिया गया है। शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी की वकालत करने वाला तबका जिसमें देश भर में कुकुरमुत्तों की तरह फैले अंग्रेजी माध्यम के स्कूल भी हैं, शिक्षा नीति के उस प्रावधान का विरोध करता नजर आया, जिसमें प्राथमिक शिक्षा के लिए पढ़ाई का माध्यम मातृभाषा या स्थानीय भाषा में कराने की बात कही गई है। दुनिया भर के शिक्षाविद यह मानते हैं कि बच्चे का सर्वाधिक प्रारंभिक विकास और सौखने की प्रवृत्ति उसी भाषा में बढ़ती है, जो उसके घर में बोली जाने वाली भाषा होती है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का भी मानना था कि मातृभाषा का स्थान कोई दूसरी भाषा नहीं ले सकती, उनके अनुसार 'गाय का दूध भी मां का दूध नहीं हो सकता।' केंद्र सरकार भी मातृ भाषा को ज्यादा महत्व दे रही है, मगर जिस प्रकार से हिंदी का विरोध किया जा रहा है, वह अनावश्यक है। ये हकीकत है कि तमिलनाडु की राजनीति हिंदी विरोध के आसपास घूमती रहती थी है। ये बहुत ही सस्ता और इंस्टैंट रिफ्रेशिंग पॉलिटिक्स है। मगर, दूसरे समाज की तरह तमिलनाडु के नौजवानों के लिए भाषा से ज्यादा जरूरत रोजी-रोजगार की है। शायद सत्ताधारी पार्टी के पास उसे लेकर कोई मजबूत ब्लूप्रिंट नहीं है। लिहाजा, भावनात्मक मुद्दों के सहारे 2026 का चुनाव साधने की कोशिशों में जुटी है। सभी भाषाओं को बराबरी का दर्जा देकर ही हम देश की सांस्कृतिक एकता मजबूत कर सकते हैं। हिंदी बोलने वाले लोग देश के हर कोने में मिल जाते हैं। कोई राज्य अगर अपनी मातृभाषा को महत्व देता है, तो उसकी भावना का सम्मान किया जाना चाहिए। मगर किसी राज्य विशेष का नागरिक दूसरे राज्यों में जाता है, तो हिंदी के बिना उसका काम नहीं चलता। भाषाएं तो एक दूसरे से जुड़ कर ही आगे बढ़ती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में त्रिभाषा फार्मूले को लेकर चल रही सियासी बयानबाजी के बीच स्टालिन का विरोध नाहक ही है कि हिंदी से उनकी मातृभाषा नष्ट हो सकती है। दरअसल, उन्होंने अपने स्वर तीखे करते हुए साफ कर दिया है कि वे उन्हीं पुराने आंदोलनों के वशंज है, जिसमें हिंदी को लेकर उपेक्षा का गहरा भाव है। स्टालिन यह भूल गए हैं कि हिंदी दिलों को जोड़ने की भाषा है। यह आज भारत ही नहीं, दुनिया के कई देशों में समझी और बोली जाती है। इसलिए इस मुद्दे पर राजनीति की बजाय गंभीरता से विचार होना जरूरी है। क्योंकि यह मसला राजनीति से बहुत बड़ा है। आखिरकार यहां सवाल हमारे भविष्य का है, हमारी अगली पीढ़ी का है। और सवाल व्यक्तिगत पसंद नापसंद का भी है। बच्चों को भाषा चुनने की आजादी मिलनी चाहिए। लेकिन हमारे राजनीतिक लोगों को रोटी सेकने के लिए मुद्दे की तलाश रहती है फिर चाहे राष्ट्रभाषा हिंदी का विरोध करना ही क्यों न हो। लेकिन यह मानसिकता ठीक नहीं है।

नियामकीय चूक और मिलीभगत

सेबी प्रमुख के रूप में माधबी पुरी बुच का तीन साल का कार्यकाल शुक्रवार को समाप्त हो गया है। कार्यकाल खत्म होने के दूसरे दिन ही सेबी के कई अन्य अधिकारियों समेत बुच पर भी एक कंपनी की लिस्टिंग संबंधी अनियमितताओं के आरोप में एक विशेष भ्रष्टाचार निरोधक अदालत ने इसे 'नियामकीय चूक और मिलीभगत' का मामला बताते हुए केस दर्ज करने का आदेश दे दिया। माधबी पुरी बुच जब पद पर थीं, तब उन पर हितों के टकराव और संसद की लोक लेखा समिति के बुलावे से बचने के आरोप लगे थे। इन पर एक कंपनी की लिस्टिंग और शिकायत के बाद भी जांच न करने के मामले में शिकायत मिलने पर मामला दर्ज करने का आदेश दिया गया है। कहा जा रहा है कि इस कंपनी को नियमों को पूरा किए बिना ही शेयर बाजार में लिस्ट होने दिया गया, जिससे निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। अदालत ने कहा है कि पहली नजर में यह 'नियामकीय चूक और मिलीभगत' का मामला लगता है। देखा जाए तो नियामक संस्थाओं के प्रमुखों पर मिलीभगत और भ्रष्टाचार के आरोप साबित करना काफी मुश्किल होता है। सेबी के एक और पूर्व प्रमुख सीबी भावे पर एमसीएक्स-एसएक्स को एक पूर्ण निजी स्टॉक एक्सचेंज के रूप में काम करने की अनुमति देने का आरोप लगाया गया था। लेकिन कुछ साल बाद यह मामला बंद कर दिया गया। पिछले साल सेबी ने एनएसई को लोकेशन मामले में सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए आरोप हटा दिए। जाहिर है कि किसी ने गंभीरता से जांच नहीं की होगी। आरोप यह था कि कुछ व्यापारियों को एनएसई सर्वर के पास अपने सर्वर स्थापित करने की अनुमति दी गई थी ताकि उन्हें तेजी से व्यापार करने में फायदा हो। वे अपने प्रतिद्वंद्वियों से तेजी से व्यापार कर सकते थे। एनएसई के एक पूर्व प्रमुख, जिन पर कथित तौर पर हिमालय में एक रहस्यमय व्यक्ति से आदेश प्राप्त करने का आरोप था, उन्हें भी बरी कर दिया गया। 1988 में अपनी स्थापना के बाद से, सेबी ने कई हाई-प्रोफाइल घोटालों का सामना किया है। सत्यम मामले जैसे कुछ घोटालों में ऑडिटरों की मिलीभगत शामिल थी। 1992 का हर्षद मेहता घोटाला, जब सेंसेक्स एक साल में चार गुना बढ़ गया, निवेशकों का भरोसा बहुत समय तक हिला कर रख दिया गया। फिर केतन पारेख घोटाला ने बाजार को हिला कर रख दिया था। सहारा मामले में, सेबी ने निवेशकों को 25 हजार करोड़ वापस करने का आदेश दिया, लेकिन 13 साल बाद भी 10% भी वापस नहीं हो सका है। भारतीय शेयर बाजार में मध्य वर्ग की मजबूत भागीदारी बस एक दशक पुरानी है। हर महीने, जब विदेशी निवेशक पैसा निकाल रहे थे, तब भी मध्य वर्ग ने एसआईपी में अपना विश्वास बनाए रखा। फिर भी, पिछले अक्टूबर से सेंसेक्स में 10 हजार से अधिक अंकों की गिरावट दर्शाती है कि बाजार अभी भी डरा हुआ है। निवेशकों का विश्वास बनाए रखने के लिए, तेजी से जांच जरूरी है। इससे लोगों को यह यकीन दिलाया जा सकता है कि बाजार में गड़बड़ी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सेबी को अपना ताना-बाना मजबूत करने की जरूरत है ताकि भविष्य में ऐसे घोटाले न हों। निवेशकों को भी सावधान रहना चाहिए और पूरी जानकारी लेकर ही निवेश करें। उन्हें यह समझना होगा कि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव होते रहते हैं और निवेश में हमेशा जोखिम रहता है। सरकार और सेबी को मिलकर काम करना होगा ताकि शेयर बाजार एक सुरक्षित और पारदर्शी जगह बने।

न्यायालयों में अनसुलझे मामलों की बढ़ती हुई संख्या

प्रियंका सौरभ

देश की न्याय व्यवस्था कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों से जूझ रही है, जिसका मुख्य कारण भारतीय अदालतों में अभी भी 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। यह लंबित मामले न केवल न्याय में देरी करते हैं, बल्कि कानूनी व्यवस्था में लोगों का भरोसा भी कम करते हैं। इनमें से कई मामले एक दशक से अधिक समय से लंबित हैं, जिनमें से लगभग 50 लाख मामले दस साल से भी अधिक समय पहले शुरू किए गए थे। नीति आयोग ने सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर दिया है, चेतावनी दी है कि मामले के समाधान की वर्तमान गति से, केवल निचली अदालतों में लंबित मामलों को हल करने में 300 साल से अधिक लग सकते हैं। भारत में, लंबित मामलों का अर्थ कानूनी ढांचे के भीतर अनसुलझे मामलों की भारी संख्या है। स्थिति विशेष रूप से निचले न्यायिक स्तरों पर गंभीर है, जहाँ अधिकांश मामले दायर किए जाते हैं और न्यायाधीशों की कमी से निपटान नहीं होता है। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या भारतीय न्याय वितरण प्रणाली के लिए एक बड़ी चुनौती है। लंबी कानूनी प्रक्रियाएँ ₹न्याय में देरी न्याय से वंचित होने के समान है₹ कहावत को चरितार्थ करती हैं, क्योंकि वे जनता के विश्वास को ख़त्म करती हैं और व्यक्तियों को समय पर न्याय से वंचित करती हैं। बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद जैसे मामलों के लंबे समाधान ने सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ दिया है, जिसमें लगभग 70 साल लग गए। अदालतों में मामलों की विशाल मात्रा अदालती दक्षता में बाधा डालती है और लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि करती है, जिससे त्वरित न्याय लगभग असंभव हो जाता है। सर्वोच्च न्यायालय में 82, 000 से अधिक और उच्च न्यायालयों में 62 लाख से अधिक मामले लंबित होने के कारण, निर्णयों में बड़ी देरी आम बात है। मुकदमेबाजी का वित्तीय बोझ आर्थिक विकास को भी बाधित करता है, क्योंकि यह संसाधनों को ख़त्म करता है और व्यक्तियों और व्यवसायों को कानूनी कार्यवाही करने से हतोत्साहित करता है। भारत में न्यायिक देरी की अनुमानित लागत दो मिलियन डॉलर से अधिक है। न्याय प्रणाली पर लंबित मामलों का प्रभाव गहरा और दूरगामी है। लंबे समय तक चलने वाले मामले कानूनी प्रणाली में जनता के विश्वास को ख़त्म कर सकते हैं, जिससे इसकी प्रभावशीलता के बारे में निराशा और संदेह पैदा होता है, जिससे कुछ लोग वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की तलाश करने लगते हैं। देरी का यह चक्र समस्या को और बढ़ाता है। न्यायिक देरी में योगदान देने वाला एक महत्त्वपूर्ण कारक जनसंख्या के लिए न्यायाधीशों का अपर्याप्त अनुपात है। भारत में, विकसित देशों की तुलना में कानूनी प्रणाली बहुत धीमी गति से काम करती है, जहाँ हर दस लाख निवासियों के लिए केवल 21 न्यायाधीश उपलब्ध हैं। सरकार सबसे बड़ी वादी है, जो सभी लंबित मामलों में से लगभग आधे मामलों के लिए ज़िम्मेदार है, जिनमें से कई तुच्छ मुद्दों पर अपील में बंधे हैं। सीमित कोर्ट रूम स्पेस और पुरानी केस मैनेजमेंट प्रथाओं जैसी चुनौतियों से लंबी अदालती कार्यवाही और भी जटिल हो जाती है। दिल्ली उच्च न्यायालय मध्यस्थता केंद्र ने 15 वर्षों में 200, 000 से अधिक मामलों को सफलतापूर्वक हल किया है, जो वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की प्रभावशीलता को उजागर करता है।

नीतीश कुमार की सियासत को समझना बहुत मुश्किल है?

कमलेश पांडेय

बिहार की राजनीति में चाणक्य समझे जाने वाले जनता दल यूनाइटेड सुप्रीमो और कद्दावर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कब क्या करेंगे, कब किस ओर पाला बदलेंगे, यह दृढ़तापूर्वक नहीं कहा जा सकता है क्योंकि पहले अपने व्यक्तिगत हितों, फिर अपनी पार्टी की सामूहिक जरूरतों और उसके बाद बिहार के समग्र हितों के अनुरूप ही वह अपना फैसला बदलते रहते हैं। उनकी स्पष्ट सोच है कि जो आपको हल्के में ले, नेता मानने में आनाकानी करे, उसे अपने भारीपन का एहसास करवा दो। चाहे उनके दगाबाज राजनीतिक मित्र हों या मौकापरस्त गठबंधन सहयोगी, सबको उसके असली जूते की साइज में वो कुशलतापूर्वक फिट करते रहे। यही वजह है कि जहां कांग्रेस और भाजपा जैसे घाघ राष्ट्रीय दलों को उन्होंने अपने इशारे पर नचाया, वहीं उन समाजवादियों और क्षेत्रीय दलों को भी नहीं बख्शा जो उनकी आंखों में खटकते गए। सच कहूं तो ये सभी कार्य उन्होंने बड़ी ईमानदारी पूर्वक किए और सूबाई सियासत में निज सफलता की ऐसी लकीर खींच दी जिसका फिलवक्त कोई सानी नहीं है। इसलिए भाजपा को नीतीश कुमार का एहसानमंद रहना चाहिए कि बिहार को जनता दल और राष्ट्रीय जनता दल के डेढ़ दशकों के जंगलराज (1990 से 2005) से मुक्ति दिलाने में, भाजपा की सियासी अछूत वाली छवि से उसको मुक्ति दिलाने में और बिहार को विकास की पटरी पर पुनः ले जाने में जदयू सुप्रीमो का बहुत बड़ा योगदान है और पिछले दो दशकों में यदि नीतीश कुमार ने कुछ रणनीतिक गलतियां कीं हैं तो सिर्फ अपनी हिफाजत के लिए जो उनका निज धर्म है। हालांकि, नीतीश कुमार को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि जब तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने उनकी सियासी महत्वाकांक्षाओं को समझते हुए उनके राजनीतिक करियर को चौपट कर दिया था, तब यही भाजपा है जिसने अपने कैडर के बल पर उन्हें न केवल बिहार की सियासत में स्थापित किया बल्कि लालू प्रसाद से भी बड़ा राजनेता बनने में उनकी मदद की। यह अटल-आडवाणी युग का सबसे बड़ा और सफल फैसला है जिसके मुख्य सूत्रधार पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली थे। ऐसे में मोदी-शाह युग में नीतीश कुमार की व्यथा-कथा समझी जा सकती है। यह ठीक है कि देश की राजनीति में कांग्रेस का विकल्प बन चुकी जनता पार्टी और जनता दल की समाजवादी राजनीति में बिहार और नीतीश कुमार जैसे नेता भी एक मजबूत स्तम्भ रहे हैं, लेकिन राष्ट्रीय मोर्चे और संयुक्त मोर्चे की सरकार के गठन तक नीतीश कुमार की क्या स्थिति (सियासी फजीहत) हो चुकी थी, यह बात भी किसी से छिपी हुई नहीं है। मसलन,भाजपा को कांग्रेस का विकल्प बनने देने और निज स्वार्थ के लिए समाजवादी सियासत का गला घोंटने का इतिहास जब जब लिखा जाएगा, नीतीश कुमार को भी उसके लिए दोषी ठहराया जाएगा क्योंकि समाजवादी राजनीति जब ओबीसी और दलित राजनीति में बिखर रही थी तथा उसके नेतागण अल्पसंख्यकों को साधकर एक दूसरे को कमजोर कर रहे थे, तब नीतीश कुमार ने इस आत्मघाती समाजवादी राजनीति को थामने के लिए कोई पहल नहीं किए बल्कि भाजपा में ही पिछड़ों को मजबूत करके अपना राजनीतिक स्वार्थ साधने में सफल रहे। यह ठीक है कि बिहार का सफल मुख्यमंत्री होने के नाते नीतीश कुमार भी प्रधानमंत्री बनने का सपना देखने लगे। निज स्वार्थ के लिए उनके कुछ करीबी भी उनकी हां में हां मिलाने लगे लेकिन भाजपा इस स्थिति को कैसे बर्दाश्त कर सकती थी। 2004 के बाद 2009 में भी जब भाजपा दूसरी बार केंद्रीय सत्ता में लौटने में चूक गई तो आरएसएस में हड़कंप मच गया। भाजपा नेताओं और उनके राजनीतिक मित्रों की कुंडली खंगाली जाने लगी। हालांकि, तभी डी फोर यानी लालकृष्ण आडवाणी, अरुण जेटली, सुषमा स्वराज और अनंत कुमार के अलावा उनके सहयोगियों में नीतीश कुमार की भी दुधारी तलवार को कुंद करने की योजना बनी थी। तब मैंने 'वीर अर्जुन' हिंदी दैनिक में इस पर खूब लिखा था। इसी गोपनीय 'आरएसएस ऑपरेशन' का तकाजा था कि नितिन गडकरी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने जिन्होंने डॉ सीपी ठाकुर को बिहार भाजपा का अध्यक्ष बनाया। उनके रहते जब बिहार विधान सभा 2010 का चुनाव हुए तो भाजपा को बिहार में काफी सफलता मिली। इससे नीतीश कुमार का माथा ठनका और फिर भाजपा को कमजोर रखने के प्लान बी में वो जुट गए। दरअसल, यह वह सियासी दौर था जब भाजपा नेता अटल-आडवाणी युग को समाप्त करवाने के लिए नीतीश कुमार को वह भाव नहीं दे रहे थे जो अटल बिहारी बाजपेयी दिया करते थे। यही भाजपा नेताओं की बड़ी गलती थी क्योंकि जदयू-भाजपा के समर्थक लालू विरोधी सवर्ण, ओबीसी, दलित और कट्टर हिंदुत्व के पक्षधर थे जिनकी भावनाओं से नीतीश कुमार-सुशील मोदी खेलते रहे, तब तक जब तक कि उनका सियासी जनाधार छीज नहीं गया। इसलिए नीतीश और बीजेपी के इस अबूझ रिश्ते की पूरी पहेली आपको बताते हैं। नीतीश कब व कैसे नाराज हुए और कब व कैसे साथ आए, इसका पूरा वृतांत आपको बताते हैं। इसके बाद वो कैसे मोदी 3.0 सरकार के किंगमेकर बने, यह भी समझाते हैं। इससे साफ है कि अभी वो भाजपा की कमजोर नस हैं- पहले 2025 के बिहार विधान सभा चुनाव के लिए और फिर उसके बाद 2029 के लोकसभा चुनाव तक के लिए। नीतीश कुमार का बीजेपी से गठबंधन 1996 में शुरू हुआ जो पहली बार तत्कालीन पीएम इन वेटिंग बनने के चक्कर में जुटे नरेंद्र मोदी की वजह से 2013 में टूट गया। याद दिला दें कि नीतीश कुमार ने गुजरात दंगों की वजह से नरेंद्र मोदी को 2005 और 2010 में बिहार में चुनाव प्रचार में नहीं आने दिया लेकिन जब बीजेपी ने नरेंद्र मोदी को अपना प्रधानमंत्री उम्मीदवार घोषित कर दिया तब नीतीश कुमार ने नाराज होकर 2013 में बीजेपी से नाता तोड़ लिया। 2014 का लोकसभा चुनाव जब नीतीश कुमार ने अकेले लड़ा तो उन्हें बिहार में महज 2 सीटें मिली। फिर उन्होंने आरजेडी और कांग्रेस के साथ मिलकर महागठबंधन बनाया और 2015 का चुनाव भारी बहुमत से जीते हालांकि उसके बाद फिर 2017 में नीतीश वापस एनडीए में लौट आये। ततपश्चात नीतीश कुमार ने 2019 का लोकसभा चुनाव साथ-साथ लड़ा और 40 में से 39 सीटें एनडीए के हिस्से में आईं। तब भाजपा और लोजपा ने अपने खाते की सभी क्रमशः 17 और 6 सीटें जीतीं जबकि जदयू ने 17 में से 16 सीटें जीतीं। लेकिन जल्दी ही एनडीए में भाजपा, जदयू और लोजपा के बीच केंद्र के मंत्रिमंडल में मंत्रियों की संख्या को लेकर विवाद शुरू हो गया। यह विवाद 2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान तब और गहरा गया जब जेडीयू को सिर्फ 43 सीटें आईं। इससे नीतीश कुमार को लगा कि उन्हें कमजोर करने की कोशिश हो रही है। वहीं, रही सही कसर आरसीपी सिंह के केंद्र में मंत्री बनने के बाद पूरी हो गई। आरोप लगा कि बीजेपी आरसीपी सिंह के जरिये जेडीयू को तोड़ना चाहती है। संभवतया इसी आधार पर बिहार में 2022 में फिर सत्ता परिवर्तन हुआ और फिर महागठबंधन की सरकार बन गई। इस प्रकार नीतीश कुमार फिर राजद नीत महागठबंधन के साथ आ गए।

कहीं देर ना हो जाए, शेयर मार्किट गिरावट में सरकार आगे आये

पंकज गांधी जायसवाल

आजकल शेयर मार्किट की गिरावट लगातार जारी है। पहले के दौर की बात होती तो बात अलग थी लेकिन आज का दौर थोड़ा अलग है। आज शेयर मार्किट में रिटेल इन्वेस्टर ज्यादा हैं और ये रिटेल इन्वेस्टर और कोई नहीं, भारत के युवा आम नागरिक हैं। भू-राजनैतिक परिस्थितियों, ट्रम्प और एलन मस्क के प्रतिदिन के ऐलानिया बयान और एक्शन से प्रतिदिन शेयर बाजार हिचकोले खा रहा है। स्थिति ये आ गई है कि मार्किट 85,000 के बिंदु से गिरकर 73,000 के आसपास आ गया है। इसमें करोड़ों रिटेल इन्वेस्टर की गाढ़ी मेहनत की कमाई फंसी हुई है। डिजिटल इंडिया के इस दौर में सबके हाथ में स्मार्टफोन और इसमें एक क्लिक से शेयर मार्किट में निवेश के मौके ने करोड़ों गांव के युवाओं को इससे जोड़ दिया और जब शेयर मार्किट में हाहाकार मचा हुआ है, डर है कि कहीं यह हाहाकार अगर नीचे तक पहुंच गया तो स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण हो सकती है।चूंकि भारत की इकॉनमी, ग्रोथ रेट, जीडीपी सब अच्छा जा रहा है। कंपनियों के फंडामेंटल भी ठीक हैं जिनके शेयरों के दाम एकदम से नीचे जा रहे हैं। ऐसे में सरकार को हस्तक्षेप कर लीड लेने की जरुरत है। शेयर मार्किट में आजकल सेंटीमेंट्स का ही ज्यादातर बोलबाला है। सरकार को, और खासकर वित्त मंत्री को, आगे आकर एक बयान देकर इस माध्यम से बाजार में सेंटीमेंट्स को ठीक करना चाहिए। सेंटीमेंट्स की लड़ाई सेंटीमेंट्स से ही लड़ी जा सकती है. फंडामेंटल तो देश के और कंपनियों के वैसे भी ठीक हैं। इस सेंटीमेंट्स बनाम सेंटीमेंट्स की लड़ाई में अगर सरकार लीड लेकर स्थिति साफ़ कर भारत और कॉर्पोरेट इंडिया के हेल्थ कार्ड पर एक सकारात्मक बयान जारी करती है तो हम अनहोनी के संभावित भगदड़ से बच सकते हैं। इसे करने में कोई बुराई नहीं है, क्योंकि लॉन्ग रन में सबको मालूम है कि भारत और कॉर्पोरेट का भविष्य अच्छा है और शेयर की वैल्यू बढ़ेगी ही बढ़ेगी। यह छोटा और बुरा दौर है, और इस दौर में हौसला टूटने से पहले हौसला आफजाई जरुरी है। यह हौसला आफजाई ही लोगों को फायदा पहुंचा सकता है। शेयर मार्किट में गिरावट के कई कारण होते हैं. शेयर मार्किट में गिरावट के कई कारण हैं लेकिन आजकल डिजिटल होने के कारण और सूचनाओं के सेकंडों में त्वरित प्रवाह के कारण सेंटीमेंट्स और बयान इसके पीछे बड़ा रोल पैदा कर रहें हैं. इसका फायदा भी शातिर लोग उठाते हैं. बयान से शेयर मार्किट को गिराकर शेयर खरीद लेते हैं. इन सेंटीमेंट्स के कई कारणों में एक कारण है भू-राजनैतिक परिस्थितियों का असर, दुनिया भर में चल रहे राजनैतिक उथल-पुथल, युद्ध, और आर्थिक प्रतिबंधों का सीधा असर। दूसरा कारण है बड़े निवेशकों और कंपनियों के बयान और कार्य। एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रम्प जैसे लोगों के बयानों से शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव आता है। तीसरा कारण है रिटेल इन्वेस्टर की बढ़ती संख्या। पहले शेयर बाजार में केवल बड़े निवेशक और संस्थाएं ही निवेश करती थीं, लेकिन आजकल हर आम आदमी शेयर बाजार में निवेश कर रहा है। इससे बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है। रिटेल इन्वेस्टर्स की संख्या अब शेयर बाजार में बढ़ती जा रही है। डिजिटल इंडिया के इस दौर में स्मार्टफोन और इंटरनेट की सुविधा ने हर आम आदमी को शेयर बाजार से जोड़ दिया है। अब गांव के युवा भी शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं। यह एक अच्छी बात है, लेकिन इसके साथ ही इसके कुछ नुकसान भी हैं। रिटेल इन्वेस्टर्स के पास ज्यादा जानकारी और अनुभव नहीं होता है, जिससे वे जल्दबाजी में निर्णय लेते हैं और बाजार में अस्थिरता पैदा करते हैं। इसलिए, रिटेल इन्वेस्टर्स को शेयर बाजार के बारे में ज्यादा जानकारी और शिक्षा की जरुरत है। शेयर बाजार में गिरावट को रोकने के लिए सरकार की भूमिका अहम है। सरकार को चाहिए कि वह बाजार में सकारात्मक सेंटीमेंट्स पैदा करे। वित्त मंत्री को आगे आकर एक बयान देना चाहिए जिससे निवेशकों का विश्वास बढ़े। सरकार को आगे आकर यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि कंपनियों के फंडामेंटल मजबूत हैं और उनके शेयरों की वैल्यू बढ़ेगी। सरकार को निवेशकों को शिक्षित करने के लिए भी कदम उठाने चाहिए। इससे निवेशकों को शेयर बाजार के बारे में ज्यादा जानकारी मिलेगी और वे सही निर्णय ले सकेंगे। सरकार को यह भी बयान देना चाहिए कि भारत की आर्थिक स्थिति अच्छी है। शेयर मार्किट के गिरावट को ध्यान में रखते हुए देश का आर्थिक विज़न पेश करना चाहिए। बताना चाहिए कि देश की जीडीपी ग्रोथ रेट, इकॉनमी, और कॉर्पोरेट सेक्टर सब मजबूत हैं। कंपनियों के फंडामेंटल भी ठीक हैं। इसलिए, शेयर बाजार में गिरावट एक अस्थायी घटना है। लॉन्ग रन में शेयर बाजार में वृद्धि होगी। निवेशकों को भी धैर्य रखना चाहिए और अपने निवेश पर विश्वास रखना चाहिए। सरकार को भी निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिए कदम उठाने चाहिए।

सपनों का जादू और धोखे का खेल

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

भूमिका: एक नई सुबह का आगाज़

भारतीय लोकतंत्र के महाकुंभ में, चुनावों का महापर्व फिर से दस्तक दे चुका है। जैसे ही सुबह का सूरज दिल्ली की व्यस्त सड़कों पर उगता है, चारों ओर बैनर, झंडे और नारों की बहार देखने को मिलती है। यह दृश्य मानो एक रंगीन मेला हो, जहां हर नेता अपने चमकदार वादों के झूले पर सवार है, और जनता उसी उत्साह के साथ खड़ी है, जैसे छोटे बच्चे जादूगर के जादू को देखने को बेताब हों। लेकिन, अरे, जादूगर कौन है और जादू क्या है, ये किसी को नहीं पता।

पहला अंक: चुनावी महासंग्राम

राजनीतिक महाकुंभ की शुरुआत एक भव्य परेड से होती है। नेताओं की गाड़ियां चमचमाती हुई सड़कों पर दौड़ती हैं, और उनके चेहरों पर वो मुस्कान होती है, जो बस उसी समय की है जब वे वोट मांगने के लिए बाहर आते हैं। ये नेता, जिनका जनसाधारण से संपर्क बस मंच पर भाषण देना होता है, आम लोगों के बीच में आते हैं। वे घुमते हुए कहते हैं, ₹मैं आपको खुशहाल जीवन देने आया हूँ, मानो वे कोई जादू की छड़ी लहराते हों।इस चकाचौंध के बीच, जनता की आँखों में विश्वास की चमक होती है, जैसे उन्हें सचमुच स्वर्ग की सैर कराने का वादा किया गया हो। बच्चों के लिए शिक्षा, वृद्धों के लिए चिकित्सा, और बेरोजगारी का नामो-निशान मिटाने का वादा,₹ ये वादे ऐसे हैं, जैसे मेला देखने आए बच्चों को तंबाकू का मीठा खिलौना दिया जाए—खुशियों के रंग में रंगी हुई झूठी खुशियों की चमक।

दूसरा अंक: नतीजों की सजीवता

जैसे ही चुनावी नतीजे घोषित होते हैं, उसी समय जनता की उत्सुकता और भी बढ़ जाती है। विजेताओं का तामझाम देखकर ऐसा लगता है जैसे वे किसी फिल्म के हीरो हैं। फूलों की माला पहनकर, ये नेता एक बार फिर जनता को अपने जादू से सजीव करने का दावा करते हैं। परंतु, यह क्या? वही लोग जो थोड़े समय पहले चमक-दमक के साथ आश्वासन दे रहे थे, अब अपने किए गए वादों को भूलने की कला में माहिर हो गए हैं।हम आपके लिए सब कुछ करेंगे, ये वादे अब एक बासी रोटी की तरह लगते हैं, जो किसी ने पहले ही चबाई थी। लेकिन जनता की आँखों में आशा की एक नई किरण चमकती है, जैसे किसी भूत के कहने पर किसी ने फंदा तोड़ दिया हो।

तीसरा अंक: सरकार की संजीवनी

एक बार जब नई सरकार बनती है, तो मंत्रियों की शपथ लेने की रस्म होती है। सब एक-दूसरे के साथ हंसते-मुस्कुराते हैं, मानो वे किसी शादी के भोज में आए हों।

क्यों और कैसे डूबी थी द्वारका?

इस श्राप के कारण समुद्र की गहराइयों में समा गया श्रीकृष्ण का साम्राज्य!

द्वारका श्रीकृष्ण की नगरी समुद्र में डूबी
गांधारी के श्राप से यदुवंश नष्ट हुआ
वैज्ञानिकों ने द्वारका के अवशेष खोजे

द्वारका नगरी धार्मिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। श्रीकृष्ण का साम्राज्य केवल इस धरती पर ही नहीं, बल्कि हर भक्त के हृदय में भी बसता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि उनके द्वारा बसाई गई द्वारका नगरी का क्या हुआ? यह नगर, जिसे श्रीकृष्ण ने अपनी राजधानी बनाया था, अब समुद्र की गहराइयों में समा चुका है। कहते हैं कि इसका हर कण कृष्ण लीलाओं का साक्षी था, लेकिन आज वहां सिर्फ समुद्र की लहरों की गूंज सुनाई देती है। गोमती नदी और अरब सागर के संगम पर बसी यह नगरी कभी समृद्धि और शक्ति का केंद्र थी। आज भी यह स्थान श्रद्धालुओं के लिए पवित्र धाम माना जाता है। लेकिन आखिर ऐसा क्या हुआ कि द्वारका समुद्र में डूब गई? आइए जानते हैं इसके पीछे छिपे रहस्यों को।

क्यों बसाई गई थी द्वारका नगरी?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, श्रीकृष्ण ने मथुरा में कंस का वध कर दिया था, लेकिन कंस के ससुर जरासंध ने कई बार मथुरा पर आक्रमण किया। बार-बार के हमलों से बचाने के लिए श्रीकृष्ण ने अपनी प्रजा को पश्चिम की ओर ले जाने का निर्णय लिया और समुद्र से भूमि प्राप्त कर एक भव्य नगरी बसाई, जिसे द्वारका नाम दिया गया।

जलमार्ग से ही आना संभव था

द्वारका का निर्माण देव शिल्पी विश्वकर्मा ने किया गया था। यह नगर सोने-चांदी से निर्मित महलों और मजबूत किलों से घिरा हुआ था। द्वारका तक पहुंचने के लिए जलमार्ग से ही आना संभव था, जिससे यह नगर सुरक्षित रहता था।

द्वारका के समुद्र में समा जाने की कई कथाएं

गांधारी का श्रापः महाभारत युद्ध में अपने 100 पुत्रों को खोने के बाद गांधारी ने श्रीकृष्ण को श्राप दिया कि उनके वंश का भी विनाश हो जाएगा। परिणामस्वरूप, यदुवंशी आपस में ही लड़कर नष्ट हो गए।

श्रीकृष्ण का देह त्यागः यदुवंश के नष्ट होने के बाद श्रीकृष्ण ने भी वन में जाकर ध्यान लगाया। उसी दौरान शिकारी जर ने गलती से उन्हें तीर मार दिया, जिससे उन्होंने देह त्याग दिया।

समुद्र ने ले ली अपनी भूमिः श्रीकृष्ण के स्वर्ग गमन के बाद समुद्र ने वह भूमि वापस ले ली, जिस पर द्वारका बसाई गई थी, और पूरा नगर जलमग्न हो गया।

द्वारका के अवशेषों की खोज

समुद्र में खोई हुई द्वारका को लेकर वैज्ञानिक और पुरातत्वविद लंबे समय से शोध कर रहे हैं। समुद्र की गहराइयों में 5000 से अधिक वर्ष पुराने अवशेष मिले, जिनमें दीवारें, खंभे और शिल्प शामिल थे।

कार्बन डेटिंग से पता चला कि ये अवशेष 9000 साल पुराने हो सकते हैं। यह खोज बताती है कि द्वारका कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि ऐतिहासिक नगर था।

क्या द्वारका फिर से खोजी जा सकती है?

भारत सरकार और पुरातत्व विभाग द्वारका के रहस्यों को सुलझाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि भविष्य में और गहराई से खोज करने पर द्वारका के और प्रमाण सामने आ सकते हैं।

द्वारका केवल एक नगर नहीं, बल्क90ि एक महान सभ्यता और संस्कृति का प्रतीक थी। आधुनिक खोज और वैज्ञानिक प्रमाण इस बात को साबित करते हैं कि यह नगर वास्तव में अस्तित्व में था और किसी प्राकृतिक आपदा या समुद्र के बढ़ते जलस्तर के कारण डूब गया।

अयोध्या में भगवान ऋषभदेव के 101 पुत्रों के कर सकेंगे दर्शन, 1800 प्रतिमाओं का होगा उत्सव

राम नगरी अयोध्या प्रभु राम की जन्म स्थान के साथ-साथ जैन धर्म के तीर्थंकरों की भी जन्मस्थली है। राम नगरी में जैन धर्म की भी जड़े गहरी हैं। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव समेत पांच तीर्थंकरों ने अयोध्या में जन्म लिया था। प्रभु राम के मंदिर निर्माण के बाद अयोध्या में स्थित जैन धरोहर भी अब नए सिरे से समृद्ध हो रहा है। अयोध्या की रायगंज में स्थित दुनिया का पहला जैन मंदिर ऐसा बनने जा रहा है। जहां भगवान ऋषभदेव के 101 पुत्रों के भी दर्शन अयोध्या आने वाले जैन धर्म के लोग कर सकेंगे।

इसके लिए यहां पर तीस चौबीसी तीन लोक मंदिर का निर्माण भी यहां पर किया जा रहा है। इतना ही नहीं इन सभी मंदिरों में भगवान की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव भी शुरू हो चुका है। इसके अंतर्गत 24 तीर्थंकरों की 720 प्रतिमाओं भगवान ऋषभदेव के सभी 101 पुत्रों की प्रतिमाओं समेत 1800 प्रतिमाओं का जीवंत करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

रायगंज जैन मंदिर के पीठाधीश्वर रविंद्र कीर्ति स्वामी जी बताते हैं कि जैन धर्म का चिन्ह माने जाने वाला तीन लोक मंदिर अयोध्या में बनकर तैयार होने वाला है। लगभग 50 फीट ऊंची स्वतः मकराना मार्बल की आवाज या रचना पूरे अयोध्या की एक आदित्य रचना बनाकर जैन धर्म का मर्म समझने के लिए तैयार है।

इसके अलावा अब जैन मंदिर में अयोध्या आने वाले जैन भक्तों को भगवान देव के 101 पुत्र का भी दर्शन मिलेगा। साथ ही 1800 प्रतिमाओं के भी दर्शन कर सकेंगे। इसके लिए इसकी प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव भी शुरू हो चुका है।

यूपी के इस रहस्यमयी मंदिर में छुपा था किले का खजाना

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में कई ऐतिहासिक, पौराणिक और रहस्यमयी कहानियां प्रचलित हैं, जिनमें एक प्रमुख नाम अगोरी दुर्ग का आता है। यह किला न केवल अपनी स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि इससे जुड़ी कहानियां भी बेहद रोमांचक हैं। इस किले के इतिहास में कई ऐसे किस्से समाहित हैं, जिनके प्रत्यक्ष प्रमाण आज भी देखे जा सकते हैं। इनमें से एक कहानी इस किले के साथ जुड़ी हुई है, जिसमें राजा द्वारा पहाड़ी के ऊपर मनियां देवी के मंदिर का निर्माण कराया गया था। यहां के जानकारों का मानना है कि राजा ने यह मंदिर इसलिए बनवाया था ताकि किले का खजाना सुरक्षित रूप से यहां रखा जा सके। उनका उद्देश्य यह था कि अगर कभी किले को छोड़ने की स्थिति बने भी तो खजाना सुरक्षित रूप से मंदिर में रखा जा सके, ताकि उसे बचाया जा सके।

किले का खजाना और देवी के मंदिर से जुड़ी रोचक कहानी

बताया जाता है कि जब राजा बालंद शाह युद्ध में पराजित हुए और दुर्ग छोड़कर जाने लगे, तो उन्होंने मंदिर में छुपाए गए किले के कोष को अपने साथ ले लिया, जिससे उन्हें काफी धन प्राप्त हुआ।

यहां के लोग यह भी मानते हैं कि मंदिर के अज्ञात हिस्से में आज भी धन छुपा हुआ है, लेकिन इसकी जानकारी किसी को नहीं है। इसके अलावा, यह भी कहा जाता है कि जो कोई भी देवी की पूजा करता है, उसकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

स्थानीय निवासी रामनिवास मिश्रा ने बताया कि माता की पूजा के लिए आज भी दूर-दराज से लोग आते हैं। वे मानते हैं कि माता के आशीर्वाद से उनकी सभी इच्छाएं पूरी होती हैं और आज भी लोग माता के चमत्कारों को मानते हैं।

सैलेरी मिलते ही सबसे पहले करने चाहिए ये काम

ज्योतिष शास्त्र व धर्म शास्त्रों में भी इस बात का जिक्र किया गया है कि मनुष्य को फिजूल खर्च पर काबू रखना चाहिए। सैलेरी आते ही सबसे पहले आपको अपनी सामर्थ्य के अनुसार कुछ दान अवश्य करना चाहिए। धर्म शास्त्रों में दान करना सबसे बड़ा पुण्य माना गया है और व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार दान अवश्य करना चाहिए। कहते हैं कि व्यक्ति को अपनी सैलेरी का 10 प्रतिशत दान में जरूर देना चाहिए।

दान करने से व्यक्ति को पुण्य प्राप्त होता है और कई लोगों का आशीर्वाद भी मिलता है। धर्म शास्त्र में कहा गया है कि दान से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। अगर आप अपनी सैलेरी आने पर जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र आदि दान करते हैं तो आपको उच्चतम फल की प्राप्ति होगी। धार्मिक पुराण में दान का विशेष महत्व बताया गया है और कई पुराणों में ऐसे उदाहरण दिए गए हैं जिसमें लोगों अपना सबकुछ दान कर दिया। धर्म ग्रंथों में दान का सबसे बड़ा उदाहरण राजा हरिशचंद्र का है, जिन्होंने न केवल अपना संपूर्ण राज्य दान कर दिया बल्कि दक्षिणा देने के लिए चांडाल के यहां नौकरी भी की।इसके अलावा पौराणिक कथाओं के अनुसार राजा बलि ने वामन अवतार को तीन पग धरती में तीनों लोक और स्वंय को भी दान कर दिया था। कहा जाता है कि दान करने से व्यक्ति कभी छोटा नहीं होता बल्कि उसे जीवन के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए मनुष्य को अपनी जेब के हिसाब से समय-समय पर दान करते रहना चाहिए। ताकि देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त हो सके।

क्या वास्तव में ईश्वर है

मनुष्य की एक विशेष खूबी है, कि वह अच्छे से अच्छी व सीधे से सीधी बातों के भी उल्टे अर्थ निकालने में माहिर है, जिसके चलते नास्तिक जन कहते हैं, ईश्वर नहीं है। क्या ईश्वर की धारणा पूरे तौर से इंसानी दिमाग की उपज है?

किसी आस्तिक से ईश्वर के बारे में तर्क-वितर्क करिए तो वह फौरन कहेगा, ईश्वर तो तर्क से परे है। ईश्वर, खुदा या गॉड के संदर्भ में सदियों से धार्मिक, दार्शनिक और वैज्ञानिक भिन्न-भिन्न मत रखते हुए आ रहे हैं। आस्तिक जन कहते हैं, चूंकि इस सृष्टि को बनाने वाला कोई न कोई तो होना ही चाहिए, इसलिए ईश्वर है। इस पर नास्तिक लोग प्रश्न उठा देते हैं, फिर ईश्वर को बनाने वाला भी कोई अवश्य होना चाहिए। गालिब ने कहा है, 'यूं तो मालूम है, जन्नत की हकीकत, लेकिन दिल के बहलाने को गालिब यह ख्याल अच्छा है।'

जहां तक हमारी बुद्धि काम करती है, हम किसी घटना के कारणों को मालूम कर लेते हैं, उसी के आगे ईश्वर की माया शुरु हो जाती है। संसार में होने वाले समस्त कार्य ईश्वर की मर्जी से सम्पन्न होते हैं। दुनिया भर में असंख्य लोग आंख बंद करके जिस पर विश्वास करते हैं, वह है ईश्वर। आज तक ईश्वर को किसी ने नहीं देखा है, केवल उसके स्वरूप की अनेक कल्पनाऐं की गई हैं। ईश्वरीय सत्ता पर मानव के अगाध विश्वास का आधार है, ईश्वर की अपार शक्ति जिसके माध्यम से सब कुछ सम्भव है।

आत्मा का अस्तित्व है, तो परमात्मा भी निश्चित है - आत्मा और परमात्मा को समझाने के लिए अक्सर लोग दोनों की तुलना लोटे के जल और समुद्र के जल से करते हैं। लोटे और समुद्र के जल में मात्रा का चाहें जो भी फर्क हो, पर तत्व की दृष्टि से दोनों एक ही हैं। दोनों में हाइड्रोजन और ऑक्सीन के एक निश्चित अनुपात में मिश्रण है, इसलिए दोनों के गुण-धर्म भी एक हैं। शास्त्रों में मृत्यु के बाद आत्मा द्वारा ही नया शरीर धारण करने का उल्लेख किया गया है। आत्मा नया शरीर धारण करती है, तो इसका मतलब कि आत्मा का अस्तित्व है, और जब आत्मा का अस्तित्व है, तो परमात्मा भी निश्चित है।

होली के दिन साल का पहला चंद्र ग्रहण क्या भारत में दिखाई देगा?

साल 2025 का तीसरा महीना यानी मार्च अब शुरु हो चुका है, इसे वसंत ऋतु की शुरुआत का प्रतीक भी माना जाता है। मार्च मुख्य रूप से होली पर्व के लिए जाना जाता है और इस माह का इंतजार हर व्यक्ति को साल भर रहता है। हिंदू कैलेंडर के मुताबिक यह फाल्गुन महीना होता है और इसके शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर होलिका दहन किया जाता है, जिसके अगले दिन धूमधाम से होली खेली जाती है। इस बार पूर्णिमा तिथि 13 मार्च 2025 को सुबह 10 बजकर 35 मिनट से शुरू होगी और इसका समापन 14 मार्च 2025 को दोपहर 12 बजकर 23 मिनट पर हो रहा है। ऐसे में 13 मार्च को होलिका दहन किया जाएगा, जबकि 14 मार्च 2025 को रंगों की होली मनाई जाएगी। परंतु इस वर्ष होली पर साल का पहला चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है।

क्या भारत में दिखाई देगा चंद्र ग्रहण ?

साल 2025 का पहला चंद्र ग्रहण 14 मार्च को सुबह 9 बजकर 29 मिनट से दोपहर 3 बजकर 29 मिनट तक रहने वाला है। लेकिन भारत में यह चंद्र ग्रहण नजर नहीं आएगा, इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। ऐसे में इसका कोई असर होली के त्योहार पर भी नहीं होगा। आपको बता दें, साल का पहला चंद्र ग्रहण ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के अधिकांश भाग, अफ्रीका के बड़े हिस्से, प्रशांत, अटलांटिक और आर्कटिक महासागर, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, पूर्वी एशिया तथा अंटार्कटिका में स्पष्ट रूप से देखा जा सकेगा।

ऋचंद्र ग्रहण के प्रकार

चंद्र ग्रहण एक महत्वपूर्ण खगोलीय घटना है, जो सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा के एक सीधी रेखा में आने पर घटती है। माना जाता है कि सूर्य और चंद्रमा के बीच में होने की वजह से पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है। इस घटना को चंद्र ग्रहण कहते हैं। चंद्र ग्रहण मुख्य रूप से तीन प्रकार के होते हैं, जिसे आंशिक चंद्र ग्रहण, पूर्ण चंद्र ग्रहण और उपछाया चंद्रग्रहण के नाम से जाना जाता है।

चंद्र ग्रहण के दौरान क्या न करें

ग्रहण के समय गर्भवती महिलाओं को अधिक सावधानी बरतनी चाहिए। इस समय भूलकर भी खानपान का सेवन, बाहर आना-जाना व सुई से जुड़ा कोई भी कार्य न करें।

ग्रहण होने पर पूजा-पाठ न करें, साथ ही मंदिर को भी नहीं छूना चाहिए। ऐसा करना अशुभ हो सकता है। इस दौरान सिलाई-कढ़ाई, बालों में कंघा, नुकीली चीजों का इस्तेमाल और भोजन का सेवन भी नहीं करना चाहिए।

बनारस में कब मनाई जाएगी मसान होली?

होली के दिन लोगों में एक अद्भुत उत्साह देखने को मिलता है। देश के विभिन्न हिस्सों में होली मनाने के कई अनोखे तरीके हैं, जिनका विशेष महत्व है। इस दिन लोग एक-दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर खुशियों का जश्न मनाते हैं। उत्तर प्रदेश के बनारस में होली का पर्व एक विशेष तरीके से मनाया जाता है। यहां होली से कुछ दिन पहले विश्वनाथ मंदिर और मणिकर्णिका घाट पर चिता की राख से होली खेली जाती है, जिसे मसान होली के नाम से जाना जाता है। आइए जानते हैं कि मसान होली कब है और इसका धार्मिक महत्व क्या है।

इस वर्ष मसान होली 11 मार्च को मनाई जाएगी। पौराणिक कथा के अनुसार, महादेव ने रंगभरी एकादशी के दिन मां पार्वती का गौना कराकर उन्हें काशी लाया था। उस समय उन्होंने सभी के साथ गुलाल से होली खेली थी। लेकिन भूत, प्रेत, जीव और जंतु इस पर्व को नहीं मना सके। इसके बाद, उन्होंने रंगभरी एकादशी के अगले दिन मसान की होली खेली। माना जाता है कि तभी से चिता की भस्म से मसान होली मनाने की परंपरा शुरू हुई।

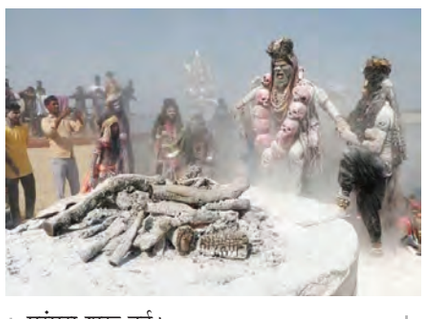

क्यों मनाई जाती है मसान होली?

मसान होली, जिसे चिता भस्म होली के नाम से भी जाना जाता है, एक विशेष खेल है जो कई वर्षों से मनाया जा रहा है। यह होली भगवान शिव को समर्पित है और इसे मृत्यु पर विजय का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान भोलेनाथ ने यमराज को पराजित करने के बाद चिता की राख से होली खेली थी। इसी कारण से हर साल इस दिन को विशेष रूप से मनाने की परंपरा है। यह उत्सव दो दिनों तक चलता है। इसमें पहले दिन लोग चिता की राख एकत्रित करते हैं और दूसरी दिन उसी राख से होली खेलते हैं।

कैसे मनाई जाती है?

मसान की होली का आयोजन विशेष रूप से काशी के मणिकर्णिका घाट पर बड़े धूमधाम से किया जाता है। इस दिन साधु और शिव भक्त महादेव की पूजा-अर्चना करते हैं और हवन का आयोजन करते हैं। इसके बाद चिता की भस्म से होली खेली जाती है। इस दौरान मणिकर्णिका घाट हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठता है, जो एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है। इस पावन अवसर पर साधु और शिव भक्त एक-दूसरे को चिता की भस्म लगाकर सुख, समृद्धि और वैभव के साथ महादेव का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

होली 2025 की तिथि और समय

वैदिक पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह की पूर्णिमा की तिथि 13 मार्च को सुबह 10:35 बजे शुरू होगी और इसका समापन 14 मार्च को दोपहर 12:23 बजे होगा। इस प्रकार, 13 मार्च को होलिका दहन किया जाएगा और अगले दिन, यानी 14 मार्च को होली का त्योहार मनाया जाएगा।

कितने दिनों में बांधना चाहिए कलावा?

हिंदू धर्म में किसी भी मांगलिक कार्य से पहले कलाई पर कलावा बांधने की परंपरा है, जिसे रक्षा सूत्र या मौली के नाम से भी जाना जाता है। यह प्रथा वैदिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यज्ञ के दौरान इसे बांधने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। पौराणिक कथाओं में भी इसका उल्लेख मिलता है, जिसमें कहा गया है कि भगवान वामन ने असुरों के दानवीर राजा बलि की अमरता के लिए उनकी कलाई पर कलावा बांधा था। सनातन धर्म में किसी भी मांगलिक कार्यों के दौरान कलाई पर कलावा बांधा जाता है। इसे रक्षा सूत्र या मौली भी कहा जाता है। रक्षा सूत्र बांधना वैदिक परंपरा का हिस्सा रहा है। यदि आप भी रक्षा सूत्र पहनने का विचार कर रहे हैं, तो आइए जानते हैं कि इसे कितनी बार लपेटना चाहिए, कौन सा रक्षा सूत्र नहीं पहनना चाहिए और इसे बांधने के नियम क्या हैं।

कलावा कब बांधना चाहिए

रक्षा सूत्र कलावा हम किसी भी वार को बांध सकते हैं लेकिन जिस वार को रक्षा सूत्र बांधे उस दिन का शुभ मुहूर्त जरूर देख लेना चाहिए। लेकिन रक्षा सूत्र जब हाथ के बंधे हुए 21 दिन से ज्यादा हो जाए अर्थात पुराना हो जाए तो उसे उतारने के लिए मंगलवार व शनिवार का दिन सबसे अच्छा माना गया है।

कलावा बांधने के लाभ

शास्त्रों में व पौराणिक कथाओं में कलावा को रक्षा सूत्र के रूप में धारण किया जाता है। रक्षाबंधन पर जब हम अपनी बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाते हैं तो यह रक्षा सूत्र हमें उनकी रक्षा हेतु कर्तव्य पालन का बोध करवाता है।

धार्मिक दृष्टिकोण से यह त्रिदेव ब्रह्मा विष्णु महेश का सूचक भी माना गया है, इसे विधिवत रूप से बांधने से त्रिदेवों की कृपा बनी रहती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है।

स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से कलावा बांधने से ब्लड प्रेशर (बीपी), डायबिटीज, हार्ट संबंधित समस्याओं में व अन्य शारीरिक समस्याओं में भी लाभ मिलता है।

विधिवत नियम पूर्वक कलावा बांधने से मंगल व गुरु ग्रह की अनुकूलता भी प्राप्त होती है।

रक्षा सूत्र कितने दिनों तक पहनना चाहिए

अक्सर देखा गया है कि लोग रक्षासूत्र पहनने के बाद उसे कई महीनों तक बांधें रहते हैं। हालांकि ये करना सही नहीं है। शास्त्र अनुसार, ज्यादा दिन तक हाथ में रहने वाले कलावे का जब रंग उतरने लगता है तो उसकी ऊर्जा भी कम होने लगती है और एक समय बाद खत्म हो जाती है, इसलिए हाथ में कलावा 21 दिनों से ज्यादा नहीं रखना चाहिए। 21 दिन के बाद इसे उतारकर नया कलावा शुभ मुहूर्त में बांधना चाहिए।

न बांधें ऐसा कलावा

शास्त्रों के अनुसार जिस कलावा का रंग उतर गया है, उसे नहीं बांधना चाहिए।

21 दिनों के बाद फिर किसी शुभ मुहुर्त में इसे बंधवा सकते हैं।

हाथ से उतारा हुआ रक्षा सूत्र बहती नदी में प्रवाहित करना चाहिए।

यदि यह संभव न हो सके तो किसी पेड़ की जड़ में छोटा सा गड्ढा खोद कर डाल देना चाहिए।

'तेनाली राम' सीरियल के सेट पर लगी भयानक आग

मच गई अफरा-तफरी, जनरेटर में बिजली की समस्या के कारण हुआ हादसा

मुंबई में फिल्म सिटी में रविवार को 'तेनाली राम' सीरियल के सेट पर भयानक आग लग गई, जिससे कलाकारों और क्रू में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। बताया जा रहा है कि सेट के बाहर लगे जनरेटर में बिजली की समस्या के कारण ये घटना हुई।

इस खबर की पुष्टि करते हुए फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज के अध्यक्ष बीएन तिवारी ने फिल्म और टेलीविजन सेट पर सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'जब आग लगी, तब सेट के बाहर रखे जनरेटर में किसी तरह की बिजली की समस्या थी। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड को बुलाया गया, लेकिन टीवी और फिल्म सेट पर सुरक्षा संबंधी सावधानियां अब भी चिंता का विषय हैं। फिल्म सिटी के अधिकारी और निर्माता इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।'

'कई मामलों की रिपोर्ट तक नहीं की जाती'

उन्होंने ये भी बताया कि ऐसी घटनाएं असामान्य नहीं हैं, कई मामलों की रिपोर्ट तक नहीं की जाती। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'फिल्म और टीवी सेट पर आग और सुरक्षा प्रैक्टिस-ट्रेनिंग निश्चित रूप से जरूरी है। भगवान न करे, अगर कोई बड़ी आग लगती है, तो सेट पर जानमाल की हानि होने की संभावना है।'

सेट पर मच गई थी अफरा-तफरी

आग लगने से सेट पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई, जिससे शूटिंग शेड्यूल रुक गया। क्रू और कलाकार काफी घबरा भी गए, लेकिन समय रहते स्थिति को संभाल लिया गया। कलाकारों और क्रू ने शूटिंग फिर से शुरू कर दी है, लेकिन इस बात को लेकर चिंता बनी हुई है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उचित सुरक्षा उपाय लागू किए जाएंगे या नहीं।

शो में कृष्णा भारद्वाज और अन्य

'तेनाली राम' एक ऐतिहासिक कॉमेडी ड्रामा है, जिसमें कृष्णा भारद्वाज लीड रोल में हैं। पंकज बेरी तथाचार्य की भूमिका में हैं और आदित्य रेड्डी राजा कृष्णदेवराय, प्रियंवदा कांत और अन्य के रोल में हैं। अपनी मजाकिया कहानी और हास्य के लिए फेमस इस शो के बहुत सारे फैंस हैं।

'उस समय बहुत दुख...', दिशा वकानी मन में पढ़ रही थीं गायत्री मंत्र

बताया- वो बोले चिल्लाना मत, आप माता बन गईं

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' पिछले 15-16 साल से टीवी की दुनिया पर राज कर रहा है। इसमें कई कलाकार आए और गए लेकिन दयाबेन का रोल कोई न कर सका। दिशा वकानी के जाने के बाद से ये जगह आज भी खाली है और शायद ही वह कभी भर पाएगी। खैर। एक्ट्रेस का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में बात कर रही हैं कि कैसे उन्होंने बेटी कै जन्म दिया। और लोग रिएक्ट कर रहे हैं।

दिशा वकानी ने 2017-18 में TMKOC छोड़ दिया था। उम्मीद थी कि वह वापस लौटेंगी। बीच में कई खबर भी आई लेकिन उनकी वापसी नहीं हुई। प्रेग्नेंसी के कारण उन्होंने ब्रेक लिया था और वह इंतजार फैंस को भारी पड़ गया। अब उनका जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें वह ऑपरेशन थिएटर के अंदर की बात बता रही हैं।

डॉक्टर्स ने दिशा वकानी को चिल्लाने से मना कर दिया

वीडियो में दिशा वकानी कह रही हैं, 'जब मैं पहली बार माता बनी और मैंने सुना की मां बन गए हैं और डिलीवरी के वक्त बहुत दुख होता है। बहुत पेन होता है और मैं बहुत डर गई थी। पर मैं पैरेंटिंग का कोर्स कर रही थी। तो मुझे किसी ने बोला कि भाई आप मां हैं लेकिन चिल्लाना नहीं है आपको, आप चिल्लाएंगी तो अंदर बच्चा डर जाएगा। यही मंत्र ले लिया। गायत्री माता का मंत्र, और मैंने हंसते-हंसते डिलीवरी की।'

गायत्री मंत्र पढ़कर दिशा वकानी ने बेटी को जन्म दिया

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'मेरे मन में सतत गायत्री मंत्र का स्मरण हो रहा था। आंखें बंद और हंसती रही। और मेरी बेटी स्तुति को मैंने जन्म दिया। ये चमत्कार मैं हर मां जो प्रेग्नेंट होती है, उनको कहती हूं कि ये मंत्र आप बोलते रहिए, क्या शक्ति मिलती है। और वो चमत्कार आपको दिखेगा। और वो बहुत याद रहेगा।'

दिशा वकानी का वीडियो देख लोगों का रिएक्शन

दिशा वकानी का ये वीडियो देख एक यूजर ने लिखा, 'इनके पति ने इनका पूरा करियर बर्बाद कर दिया।' एक ने कहा, 'मेकअप ज्यादा हो गया है।' एक ने लिखा, 'ये बिलकुल आशा पारेख की तरह लग रही हैं।' वहीं, एक ने कहा, 'आप तारक मेहता में फिर से आ जाइए ना प्लीज ....जब से आप सीरियल से गई सीरियल में कोई मजा नहीं आ रहा।'

अल्लू अर्जुन ने किया बॉलीवुड के सलमान खान को रिप्लेस?

एटली की फिल्म में तीन एक्ट्रेस के साथ आएंगे नजर

बॉलीवुड के भाईजान से मशहूर अभिनेता सलमान खान को बहुत बड़ा झटका लगा है। निर्देशक एटली उनकी जगह अब अल्लू अर्जुन को करेंगे कास्ट, इस फिल्म में एक नहीं बल्कि तीन-तीन अभिनेत्रियां आएंगी नजर। आखिर क्यों सलमान खान के हाथ से छिन गई यह फिल्म?

600 करोड़ होगा फिल्म का बजट

हाल ही में एक रिपोर्ट के मुताबिक निर्देशक एटली कुमार की आने वाली फिल्म में बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सलमान खान नहीं नजर आएंगे। एक्टर सलमान की जगह 'पुष्पा' फेम एक्टर अल्लू अर्जुन अब इस फिल्म में होंगे कास्ट। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार निर्देशक एटली पहले सलमान खान के साथ पुनर्जन्म थीम पर आधारित 600 करोड़ रुपये बजट की एक्शन फिल्म लेकर आने वाले थे। अब उन्होंने अपना मन बदल लिया है।

सलमान की फिल्मों ने डाला गहरा प्रभाव

रिपोर्ट के अनुसार अभिनेता सलमान खान की पिछली फिल्मों के प्रदर्शन के कारण एटली ने उन्हें इतनी बड़ी फिल्म में ना कास्ट करने का फैसला किया है। मल्टीस्टारर वाली इस फिल्म में सन पिक्चर्स इसे फंडिंग करने का मन बना रहा है। पहले निर्देशक सलमान खान और रजनीकांत के साथ इस फिल्म को बनाना चाहते थे। अब इसकी योजना बदलते हुए एटली न अल्लू अर्जुन को कास्ट कर लिया है और दूसरे अभिनेता की खोज में हैं।

एक-दो नहीं बल्कि तीन अभिनेत्रियां आएंगी नजर

निर्देशक एटली कुमार की आगामी एक्शन फिल्म में तीन अभिनेत्रियां नजर आने वाली हैं। इसमें जान्हवी कपूर का नाम बतौर मुख्य भूमिका में सबसे आगे है। इस बड़े बजट फिल्म की शूटिंग साल के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। अभी इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

बिपाशा बसु ने मीका सिंह के आरोपों पर दिया करारा जवाब, कहा- जिम्मेदारी लेने से कतराते हैं

मीका सिंह ने कुछ दिन पहले अपनी फिल्म 'डेंजरस' के बारे में बात की थी, जिसमें बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर को लेकर कटाक्ष किया था। उन्होंने एक्ट्रेस पर नखरे दिखाने का आरोप लगाया था। कहा था कि उसी वजह से फिल्म की लागत 10 करोड़ रुपये पहुंच गई थी। उन्होंने ये भी कहा था कि एक्ट्रेस अब बिना काम के घर पर बैठी हैं। इसी पर अब एक्ट्रेस का रिएक्शन आया है। उन्होंने मुंहतोड़ जवाब दिया है। क्या कहा है, आइए बताते हैं।

बिपाशा बसु ने इंस्टा ग्राम स्टोरी में एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा, 'टॉक्सिक लोग बवाल काटते हैं, उंगली उठाते हैं, दूसरों पर आरोप लगाते हैं और जिम्मेदारी लेने से कतराते हैं। ऐसे लोगों से दूर रहिए, जो माहौल खराब करें और नकारात्मता फैलाएं। भगवान सभी का भला करे। दुर्गा दुर्गा।' इसके साथ उन्होंने हाथ जोड़ने वाला इमोजी भी बनाया है।

मीका सिंह ने बिपाशा-करण के लिए क्या कहा था?

बता दें कि 'पिंकविला' को दिए इंटरव्यू में मीका सिंह ने कहा था, 'आपको क्या लगता है कि अब उनके पास काम नहीं है? दोनों मेरे चाहते घर पर बैठे हैं। अगर आप एक इंसान को दुखी करोगे, तो भगवान भी देखते हैं। देखिए मुझे करण बहुत पसंद है और मैं ऐसी फिल्में बनाना चाहता था, जिसमें मेरा म्यूजिक सबसे आगे हो। मैं बस एक कम बजट की फिल्म बनाना चाहता था, जो करीब 4 करोड़ की हो।'

बिपाशा बसु के कारण मीका की फिल्म का बजट बिगड़ा!

मीका ने आगे कहा था, 'शूटिंग लंदन में सेट की गई थी, और बजट 4 करोड़ रुपये से बढ़कर 14 करोड़ रुपये हो गया। और बिपाशा ने ड्रामा किया कि मुझे हमेशा प्रोडक्शन में आने का पछतावा होगा। शूटिंग लंदन में की गई थी। अब वो कपल के रोल में थे। पति-पत्नी की फिल्म थी। इसलिए जाहिर है कि इसमें किसिंग सीन होगा। डायरेक्टर-राइटर ने सब लेकिन बिपाशा ने आखिरी समय में मना कर दिया। इसके बाद दोनों में से कोई न कोई बीमार होने लगा। डबिंग के समय इतना दुखी करा बिपाशा ने, बिपाशा का गला खराब है-करण का गला खराब है।' जैसे तैसे फिल्म पूरी हुई और रिलीज हुई लेकिन काफी नुकसान उठाना पड़ा।

क्या है ऑस्कर में तहलका मचाने वाली फिल्म 'अनोरा' की कहानी, इन अवॉर्ड्स पर भी जमा चुकी है कब्जा

ऑस्कर 2025 का आयोजन लॉस एंजिल्स के डॉल्बी थिएटर में किया गया। यहां सीन बेकर की फिल्म 'अनोरा' ने बेस्ट फिल्म और बेस्ट एक्ट्रेस समेत कुल पांच अवॉर्ड अपने नाम किए। जहां अभिनेत्री मिकी मैडिसन को इस फिल्म के लिए बेस्ट एक्ट्रेस के अवॉर्ड से नवाजा गया। वहीं फिल्म को बेस्ट डायरेक्टर (सीन बेकर), बेस्ट स्क्रीनप्ले और बेस्ट एडिटिंग का अवॉर्ड भी मिला।

क्या है 'अनोरा' की कहानी?

सीन बेकर की फिल्म 'एनोरा' किसी परिकथा की तरह लगती है। फिल्म की मुख्य किरदार एनी (मिकी मैडिसन) एक स्ट्रिप क्लब में डांसर है। वह एक रशियन लड़की है, लेकिन वह अमेरिका में रहती है और उसे अंग्रेजी बोलना पसंद है। एनी एक खानदानी और अमीर बिजनेसमैन से शादी कर लेती हैं। जब यह बात उसके माता-पिता को पता चलती है, तो वह रशिया से न्यूयॉर्क के लिए उसकी शादी तोड़ने निकल पड़ते हैं।

ऑस्कर के अलावा और कौन से अवॉर्ड जीते अनोरा ने अब तक अलग-अलग कैटेगरी में

मिले 193 नॉमिनेशंस में से 75 अवॉर्ड अपने नाम किए हैं। जानें फिल्म ने कौन से प्रमुख अवॉर्ड अपने नाम किए।

ऑस्कर 2025 - छह नॉमिनेशन में से बेस्ट फिल्म समेत पांच अवॉर्ड अपने नाम किए।

कान फिल्म फेस्टिवल - यहां फिल्म को सबसे प्रतिष्ठित पाम डिओर अवॉर्ड से नवाजा गया था।

बाफ्टा - बाफ्टा में फिल्म को कुल सात नॉमिनेशन मिले थे, जिसमें से बेस्ट एक्ट्रेस और बेस्ट कॉस्टिंग का अवॉर्ड अपने नाम किया।

इंडीपेंडेंट स्पिरिट अवॉर्ड- इंडीपेंडेंट स्पिरिट अवॉर्ड में पांच नॉमिनेशन में से तीन पर 'अनोरा' ने कब्जा जमाया, जिसमें, बेस्ट लीड परफॉर्मेंस, बेस्ट डायरेक्टर और बेस्ट फीचर शामिल हैं।

क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड- क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड में बेस्ट पिक्चर, प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ अमेरिका अवॉर्ड में बेस्ट थिएट्रिकल मोशन पिक्चर के अवॉर्ड समेत कई अन्य पुरस्कारों से भी फिल्म को नवाजा जा चुका है।

फिल्म से जुड़ी खास बातें

'अनोरा' की शूटिंग कुल 35 दिनों में हुई थी। जिसमें से 25 मिनट के होम अटैक सीन को फिल्माने में दस दिन लगे थे।

फिल्म के कई सीन के बैकग्राउंड में ओरिजिनल स्ट्रिपर्स को रखा गया ताकि सब कुछ असली लगे।

आस्कर में 'अनोरा' के प्रदर्शन के बाद सीन बेकर एक ही फिल्म के लिए तीन अवॉर्ड हासिल करने वाले चौथे व्यक्ति बन गए हैं। बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट स्क्रीनप्ले और बेस्ट एडिटिंग का अवॉर्ड उन्हें मिला है।

कार्तिक से सीधे भिड़ेगा यशराज का ये नया सितारा

अनुराग की फिल्म जैसी कहानी पर मोहित की फिल्म

हिंदी सिनेमा की जो खास बीमारी बरसों से लाइलाज रही है, वह ये है कि एक ही समय में एक जैसी कहानियों पर बड़े बजट की एक साथ दो फिल्में बनना। कभी कभी ये मामला 'सुल्तान' और 'दंगल' की तरह दोनों फिल्मों के निर्देशकों की आपसी सूझबूझ के साथ मिल बैठने से हिट भी हो जाता है लेकिन अदावत अगर मनमोहन देसाई और प्रकाश मेहरा जैसी हो तो मामला 'तूफान' और 'जादूगर' भी हो जाता है या कहें कि 'सावी' और 'जिगरा' जैसा हो जाता है।

ताजा मामला है यशराज फिल्म्स और टी सीरीज की की अगली म्यूजिकल फिल्मों का। शीर्षक 'आशिकी 3' को लेकर मुकेश भट्ट की कंपनी विशेष फिल्म्स के साथ कानूनी लड़ाई में अटकी टी सीरीज एक म्यूजिकल फिल्म कार्तिक आर्यन के साथ बना रही है। फिल्म की हीरोइन श्रीलीला हैं और इसके निर्देशक हैं अनुराग बसु। बताते हैं कि ठीक ऐसी ही एक कहानी पर यशराज फिल्म्स भी एक पिक्चर बना रहा है।

टी सीरीज और यशराज फिल्म्स की इन दोनों नई फिल्मों के हीरो गायक हैं। दोनों के हाल फिलहाल में जो दृश्य शूट हुए हैं, वे भी एक जैसे ही हैं। कार्तिक आर्यन का हाल ही में जो फर्स्ट लुक इस फिल्म से जारी हुआ है, उसमें वह सिगरेट पीते नजर आ रहे हैं और इस दौरान परदे पर या फर्स्ट लुक पोस्टर पर कोई वैधानिक चेतावनी भी नजर नहीं आती। मुंबई में चर्चा है कि कार्तिक आर्यन को इसके लिए काफी मोटी रकम भी मिली है।

वहीं, यशराज फिल्म्स के लिए निर्देशक मोहित सूरी ने बीते दिन एक ऐसा दृश्य शूट किया है जिसमें कार्तिक के इस फर्स्ट लुक से कहीं ज्यादा ताजगी और कहीं ज्यादा ऊर्जा नजर आती है। ये दृश्य एक म्यूजिक फेस्टिवल का है और इसे रचने के लिए मौके पर मौजूद लोग बताते हैं कि करीब डेढ़ हजार जूनियर कलाकारों को इकट्ठा किया गया था।

मोहित सूरी की ये वही फिल्म है जिससे निर्माता आदित्य चोपड़ा नए सितारे अहान पांडे को लॉन्च करने जा रहे हैं। अनन्या पांडे के चचेरे भाई अहान की ट्रेनिंग बीते चार साल से यशराज फिल्म्स में चलती रही है।

'डिप्लोमैट' की रिलीज से पहले जॉन ने मांगी माफी

बोले- हां, गुस्से में गलती हो गई थी

फिल्म अभिनेता जॉन अब्राहम को अपनी फिल्मों के ट्रेलर रिलीज या दूसरे सार्वजनिक कार्यक्रमों में जाना अच्छा नहीं लगता। अपनी नई फिल्म 'द डिप्लोमैट' के लिए भी वह पत्रकारों से अलग-अलग ही मिल रहे हैं, फिल्म के निर्देशक शिवम नायर के साथ इस फिल्म की खासियतों के बारे में भी बता रहे हैं। 'अमर उजाला' से बातचीत के दौरान उन्होंने इस फिल्म के अलावा बीते साल रिलीज हुई फिल्म 'वेदा' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में हुए हादसे के बारे में भी बात की और पहली बार कैमरे के सामने माना कि इसमें गलती उनकी ही थी। ये बातचीत 'अमर उजाला' के खास कार्यक्रम 'शुक्ल पक्ष' के लिए रिकॉर्ड हुई है और जल्द ही 'अमर उजाला' के यूट्यूब चैनल व फेसबुक पेज पर प्रकाशित की जाएगी।

पहली बार शिवम नायर से मिले

पाकिस्तान में तैनात रहे भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी जे पी सिंह के जीवन पर बनी फिल्म 'द डिप्लोमैट' की शूटिंग बीते साल ही खत्म हो गई थी। लेकिन, जॉन बताते हैं, "फिल्म के निर्देशक शिवम नायर को हर सीन को करीने से एडिट करने और उसमें कहीं बी कोई खामी न रहने देने का जुनून सा रहता है। वह फिल्म को शूट करने के बाद एडिट टेबल पर भी काफी करीने से संवारते हैं और उनके इसी जुनून को देखकर मुझे उनके साथ काम

करना बहुत अच्छा लगा। इस फिल्म के लिए ही मैं और शिवम पहली बार मिले।"

सौरभ सचदेवा से लिया प्रशिक्षण

शिवम नायर की गिनती हिंदी सिनेमा के उन काबिल निर्देशकों में होती रही है, जिन्होंने कभी अपने काम का प्रचार-प्रसार नहीं किया। हिंदी में बनी सबसे अच्छी पांच वेब सीरीज में शामिल रही जासूसी सीरीज 'स्पेशल ऑप्स' में उनका काम पहली बार दुनिया भर के दर्शकों ने देखा। इस सीरीज के उन सारे दृश्यों का, जो भारत में शूट किए गए हैं, उनका निर्देशन शिवम ने ही किया है। जॉन कहते हैं, "फिल्म की कहानी जब मेरे पास आई और जब मैं फिल्म के निर्देशक शिवम नायर से मिला तो उनकी तैयारी देख मैं काफी प्रभावित हुआ। इसके बाद शिवम के साथ मैंने कई बार इसकी पूरी स्क्रिप्ट पढ़ी और शूटिंग शुरू होने से पहले एक्टिंग कोच सौरभ सचदेवा के साथ इस किरदार की बारीकियां भी समझी हैं।"

गलतियों से सीखना ही बड़े होने की निशानी

ये पूछे जाने पर कि पचास साल की उम्र पार होने के बाद अमूमन इंसान का गुस्सा कम होने लगता है, तो क्या जॉन भी अपने भीतर ये बदलाव महसूस करते हैं। जॉन कहते हैं, "हां, मैं अब उतना गुस्सा नहीं करता। अपनी बात कहने में मैं अब भी पीछे नहीं रहता, लेकिन अब मैं अपने उत्तरों को डिप्लोमैटिक तरीके से पेश करना सीख गया हूं। पहले मैं जो कुछ भी मन में आता था, कह देता था, लेकिन मुझे लगता है गलतियों से सबक लेना ही किसी इंसान के प्रौढ़ होने की निशानी है।"

मैं अपनी गलती के लिए क्षमा मांगता हूं!

और, ऐसी ही गलती उनसे बीते साल फिल्म 'वेदा' के ट्रेलर रिलीज कार्यक्रम में एक पत्रकार के सवाल के जवाब में अपशब्द कहने की हुई? जॉन शायद इस सवाल के लिए तैयार नहीं थे। लेकिन, बात की संजीदगी को समझते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि हां उनसे गलती हुई। जॉन कहते हैं, "मुझे इस तरह से अपनी प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए थी। वह 'बेचारा' तो अपना काम ही कर रहा था। मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ और मैं इसके लिए माफी मांगता हूं। मैं आमतौर पर ऐसे कार्यक्रमों में जाना टालता ही हूं। तब भी मैंने कहा था कि मुझे मत बुलाओ, अब देखिए ना, मैंने खुद ही अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली थी।" फिल्म 'द डिप्लोमैट' 14 मार्च को रिलीज हो रही है।

प्याज का रस लगाने से सच में नए बाल आ सकते हैं

बालों के झड़ने और गंजापन की समस्या युवाओं में तेजी से बढ़ती हुई देखी जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गड़बड़ लाइफस्टाइल और आहार में पौष्टिकता की कमी के कारण लोगों में इस तरह की दिक्कतें अधिक देखी जा रही हैं। बालों को झड़ने से रोकने और दोबारा बालों के विकास को बढ़ाने का दावा करने वाले कई कॉस्मेटिक उत्पाद बिक रहे हैं, पर क्या इनसे लाभ मिलता है।

इस बीच बालों को स्वस्थ रखने के लिए प्याज का रस लगाने के उपाय को लेकर काफी चर्चा है। कहा जा रहा है कि प्रभावित हिस्से में रोजाना प्याज के रस से मालिश करने से न सिर्फ बालों का टूटना बंद होता है साथ ही नए बाल भी आते हैं।

क्या वास्तव में बालों के लिए प्याज का रस इतना असरदार है? क्या इससे वैश्विक स्तर पर बढ़ रही बालों की समस्या में लाभ पाया जा सकता है? आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं।

प्याज के रस के लाभ

अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी के अनुसार, पुरुषों और महिलाओं दोनों में बाल झड़ने की स्थिति काफी सामान्य है। बालों के पतले होने या झड़ने का सबसे आम कारण वंशानुगत स्थिति है जिसे एंड्रोजेनेटिक एलोपेसिया कहा जाता है। इसके अलावा कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट या हार्मोनल समस्याओं के कारण भी बाल झड़ सकते हैं।

मेडिकल रिपोर्ट्स में दावा किया जाता रहा है कि प्याज का रस बालों की कई समस्याओं जैसे- एलोपीसिया, स्कैल्प में खुजली या सूखापन को दूर करने, बालों का झड़ना रोकने, रूसी, समय से पहले बाल सफेद होना और नए बालों के ग्रोथ में मदद कर सकती है।

क्या प्याज का रस वास्तव में प्रभावी है?

वैसे तो बालों को फिर से उगाने के लिए प्याज के रस के उपयोग पर व्यापक शोध नहीं किया गया है। हालांकि जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित छोटे अध्ययन से संकेत मिलता है कि स्कैल्प पर प्याज का रस लगाने से कुछ लोगों में बालों को फिर से उगाने में मदद मिल सकती है। अध्ययन में ऐसे प्रतिभागी शामिल थे जिन्हें एलोपेसिया एरीटा था, जिसमें पैच में बाल झड़ने लगते हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया कि दिन में दो बार प्याज के रस का उपयोग करने के 2 सप्ताह बाद बालों का विकास शुरू हुआ। लगभग 74 प्रतिशत प्रतिभागियों में 4 सप्ताह के बाद कुछ बाल फिर से उग आए थे और 6 सप्ताह में लगभग 87 प्रतिशत ने बालों के फिर से

उगने का अनुभव किया।

कैसे काम करता है प्याज का रस?

अध्ययनकर्ताओं का कहना है, बालों में प्याज का रस लगाने से जड़ों को पोषक तत्व प्राप्त होते हैं जिससे बालों की मजबूती में सुधार हो सकता है। ये बालों के टूटने और पतले होने को भी कम कर सकता है।

प्याज का रस बालों को फिर से बढ़ने में कैसे मदद करता है, इसके पीछे इसमें मौजूद डायट्री सल्फर को कारण माना जाता है। एंजाइम और प्रोटीन के पर्याप्त उत्पादन के लिए सल्फर की आवश्यकता होती है। प्याज के रस में मौजूद सल्फर बालों को बढ़ाने के लिए आवश्यक पोषण प्रदान कर सकता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ लोगों को बालों के विकास और कंडीशनिंग के लिए प्याज के रस के उपयोग से लाभ मिल सकती है, पर सभी के लिए यह फायदेमंद हो ऐसा आवश्यक नहीं है। इसके अलावा प्याज के रस के इस्तेमाल से बहुत तेजी से बाल नहीं उगते हैं।

इसके सकारात्मक परिणाम के लिए कई हफ्तों का समय भी लग सकता है, परिणाम मिलें ही यह भी जरूरी नहीं है। बालों के झड़ने के कारण और उसके आधार पर उपचार के तरीकों के बारे में जानने के लिए किसी त्वचा रोग विशेषज्ञ की मदद लें।

गर्म पानी पीना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद

पानी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से कई सारी बीमारियों से बचाव होता है और शरीर स्वस्थ रहता है। हालांकि कहा जाता है कि ठंडा पानी पीने के बजाए गर्म पानी ज्यादा सेहतमंद होता है। इस कारण लोग अक्सर गर्म पानी पीते हैं। जिन लोगों का वजन अधिक होता है, वह भी गर्म पानी का सेवन करते हैं। उन्हें लगता है कि गर्म पानी ज्यादा पीने से वजन कम होता है। गले में खराश, सर्दी -खांसी और जुकाम में भी लोग गर्म पानी पीते हैं। लेकिन एक्सपर्ट के मुताबिक ठंडा और गर्म पानी पीने के मुकाबले में नॉर्मल पानी पीना ज्यादा असरदार है। कब्ज की शिकायत होने पर भी लोग सुबह गर्म पानी पी लेते हैं। लेकिन अधिक गर्म पानी का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए आपको पता होना चाहिए कि गर्म पानी सेहत के लिए कितना फायदेमंद और कितना नुकसानदायक हो सकता है? चलिए जानते हैं गर्म पानी के सेवन का सेहत पर असर।

गर्म पानी पीने के फायदे

कब्ज से राहत

हल्के गर्म पानी का सेवन पेट साफ करता है और मल त्याग में समस्या नहीं होती। अपच और एसिडिटी की शिकायत होने पर हल्के गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं। इससे खाना खाने के बाद कब्ज की शिकायत नहीं होती और पेट में ऐंठन व दर्द कम हो सकता है।

वजन घटाने के लिए

भोजन पचाने के लिए गर्म पानी असरदार है। हल्का गुनगुना पानी सुबह शाम खाने के बाद पीना चाहिए, इससे वजन कम कर सकते हैं। स्वास्थ्य लाभ होने के साथ ही मन शांत रहता है और अधिक भूख भी नहीं लगती।

पाचन तंत्र में सुधार

पाचन शक्ति को बढ़ाने के लिए गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं। हल्का गर्म पानी पेट और आंतों को हाइड्रेट करने में मदद करता है। ऐसे में सही मात्रा में गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं।

गर्म पानी पीने के नुकसान

अधिक गर्म पानी के सेवन से आपको कई शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं, जैसे

किडनी पर असर

शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने का काम किडनी करती है। लेकिन अधिक गर्म पानी के सेवन से डिहाइड्रेशन हो सकता है और किडनी पर असर पड़ता है। गर्म पानी शरीर के विषाक्त पदार्थ को बाहर नहीं निकालता और किडनी खराब होने लगती है।

नींद पर असर

रात में सोने से पहले गर्म पानी पीते हैं तो नींद पर असर पड़ सकता है। रात में गर्म पानी पीकर सोने से अधिक पेशाब महसूस होती है, साथ ही रक्त वाहिनी कोशिकाओं पर दबाव बढ़ सकता है। नींद प्रभावित होने से थकान महसूस करते हैं और अन्य शारीरिक व मानसिक समस्या हो सकती है।

डिहाइड्रेशन की शिकायत

एक अध्ययन के मुताबिक, शरीर में 55-56 प्रतिशत मात्रा पानी की होती है। पानी सेहत के लिए असरदार है। यह शरीर को हाइड्रेट करता है और टॉक्सिन को बाहर निकालने का काम करता है। लेकिन गर्म पानी का सेवन शरीर हाइड्रेट नहीं करता, बल्कि डिहाइड्रेशन की शिकायत को बढ़ा सकता है।

इलेक्ट्रोलाइट्स पर असर

हद से ज्यादा पानी रक्त में इलेक्ट्रोलाइट्स कोशिकाओं की तुलना में अधिक पतला कर सकता है। रक्त और कोशिकाओं के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए रक्त पानी कोशिकाओं में खींचा जाएगा। इससे कोशिकाओं में सूजन आती है और मस्तिष्क पर दबाव बढ़ता है। सिरदर्द और अन्य समस्याएं हो सकती हैं।

ऐसी आदतें आपकी किडनी को पहुंचाती हैं नुकसान किडनी फेलियर के लिए बन सकती हैं कारण

शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए सभी अंगों का ठीक तरीके से काम करते रहना आवश्यक माना जाता है। किडनी शरीर के उन अंगों में से एक है जो विषाक्त पदार्थों को शरीर से बाहर निकालने के साथ खून को साफ रखने में मदद करती है। किडनी, शरीर से पेशाब के माध्यम से अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। इसके अलावा शरीर में तमाम रसायनों जैसे सोडियम, पोटेशियम और कैल्शियम को संतुलित रखने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। किडनी भी कुछ ऐसे हार्मोन का उत्पादन करती हैं जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ लाल रक्त कोशिकाओं को बनाने के लिए अस्थि मज्जा को उत्तेजित करती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक इस अंग में होने वाली किसी भी तरह की समस्या का असर पूरे स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। पेशाब

में होने वाली दिक्कतों के आधार पर किडनी की समस्याओं का पता लगाया जा सकता है। हमारी कुछ आदतें किडनी के कार्यों को प्रभावित करके कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकती हैं। आइए ऐसी ही कुछ आदतों के बारे में जानते हैं।

बहुत ज्यादा प्रोटीन की सेवन

शरीर के लिए प्रोटीन का सेवन बहुत आवश्यक माना जाता है, हालांकि इसकी अधिकता किडनी पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। प्रोटीन की अधिकता के कारण रक्त में उच्च मात्रा में एसिड उत्पन्न होने लगता है जो एसिडोसिस का कारण बन सकती है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें किडनी एसिड को खत्म नहीं कर पाती है, जिससे किडनी सहित कई अंगों पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है।

शराब का ज्यादा सेवन

शराब के अधिक सेवन को लिवर के लिए नुकसानदायक माना जाता रहा है, हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक इसका किडनी पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि अधिक मात्रा में शराब का सेवन क्रोनिक किडनी रोग के जोखिम को दोगुना कर सकती है। शराब की अधिकता के कारण किडनी फेलियर की भी समस्या बढ़ जाती है।

कम पानी पीना

शरीर के हाइड्रेटेड रहने से किडनी, आसानी से शरीर से सोडियम और विषाक्त पदार्थों बाहर निकाल सकती है। वहीं कम मात्रा में पानी पीने से कई तरह के विषाक्त पदार्थ बढ़ने लगते हैं साथ ही किडनी स्टोन की भी समस्या का खतरा बढ़ जाता है। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए सभी लोगों को रोजाना 3-4 लीटर पानी पीना चाहिए। अधिक पानी पीने से मूत्र उत्पादन भी अधिक होता है और किडनी पर दबाव कम होता है।

सुबह उठते ही शरीर में दिखाई दें ये लक्षण, तो हो सकती है ये बीमारी

कुछ लोगों को सुबह उठते ही प्यास लगती है या उन्हें थकान महसूस होती है तो बता दें कि यह लक्षण डायबिटीज के मरीजों में देखे जाते हैं. वह इसके अलावा सुबह उठकर कुछ अन्य लक्षण भी नजर आ सकते हैं जो इस बात को दर्शाते हैं कि आपकी डायबिटीज की समस्या है या डायबिटीज की समस्या होने वाली है. ऐसे में इन लक्षणों के बारे में पता होना जरूरी है. डायबिटीज के मरीजों को सुबह उठते ही कौन से लक्षण नजर आ सकते हैं.

सुबह उठते ही नजर आएं ये लक्षण तो

यदि आपको सुबह उठते ही गला सूखा हुआ महसूस हुआ या मुंह सूखा हुआ महसूस हो तो इसका मतलब आपको डायबिटीज की समस्या है. यह लक्षण डायबिटीज के मरीजों में देखे जाते हैं.

यदि रात भर सोने के बाद भी आपको सुबह उठने पर थकान महसूस हो या उठने का मन ना करें तो यह भी डायबिटीज के लक्षणों में

से एक है. यदि ऐसा रोज-रोज हो रहा है डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

यदि आपको सुबह उठकर धुंधलापन महसूस हो यानी कुछ भी साफ नजर ना आए तो यह भी डायबिटीज के लक्षणों में से एक हो सकता है. ऐसा तब होता है जब शरीर में ब्लड शुगर बढ़ने लगता है और छोटी रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचता है इसके कारण व्यक्ति को धुंधला दिखने दिखाई देना शुरू हो जाता है.

सुबह उठने के बाद आपको पूरे शरीर में खुजली महसूस हो या खासतौर पर त्वचा, चेहरा या जननांग पर खुजली महसूस हो तो इसका मतलब यह है कि आपको डायबिटीज की समस्या है.

सुबह उठते ही आपको शरीर में झुनझुनाहट या सुन पन महल महसूस हो तो यह भी डायबिटीज के लक्षणों में से एक है. ऐसे में व्यक्ति को तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

शरीर को स्वस्थ रखना हो तो करें इन टिप्स को फॉलो

वर्तमान में कोराना की खबरों ने सभी के लिए एक्सरसाइज करने के लिए याद दिलाया है। अगर हमें कोराना से लडना है तो हमें अभी से उसके लिए श्रम करना होगा। ऐसे में कोरोना से जल्दी रिकवर होने के तरीकों के बारे में हम सभी को जानकारी होनी चाहिए। साथ ही, भविष्य में लॉन्ग कोविड के खतरे को कम करने के लिए भी इन 5 टिप्स को फॉलो करना जरूरी है।

शरीर को रखें हाइड्रेट

कोरोना से जल्दी रिकवर होना है तो पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिक रॉबर्ट बूय कहते हैं कि हाइड्रेट रहने से शरीर को कोरोना से रिकवर होने में मदद मिलती है। इससे बॉडी की फंक्शनिंग सही तरह से होती है।

बेड रेस्ट लेना जरूरी

किसी भी बीमारी से रिकवर होने के लिए अच्छी तरह आराम करना जरूरी होता है। कोरोना के बाद डॉक्टर ये सलाह देते हैं कि शरीर को ज्यादा से ज्यादा आराम दिया जाए। इसलिए इस सलाह को बिलकुल भी नजरंदाज न करें। ये टिप इगनोर करने से भविष्य में लॉन्ग कोविड होने की आशंका हो सकती है।

न्यूट्रीशन से भरपूर डाइट लें

बीमारी के वक्त हमारे शरीर में बहुत से महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा न्यूट्रीएंट वाली चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना जरूरी है। ऐसे समय तला, मसाले वाला खाना, जंक फूड, सॉफ्ट ड्रिंक्स और शराब का सेवन बिलकुल भी न करें।

रेगुलर एक्सरसाइज करें

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना हल्की-फुलकी एक्सरसाइज कर सकते हैं। चाहें तो योगा भी किया जा सकता है। अनुलोम विलोम, कपाल भाति और साई (Sigh) जैसे प्राणायाम करने से आपके सांस तंत्र को बहुत फायदा पहुंचेगा। इसके अलावा, अगर आप इंटेंस वर्क आउट करने के शौकीन हैं, तो भी आपको रिकवरी के बाद सरल एक्सरसाइज से ही शुरुआत करनी चाहिए।

मेंटल हेल्थ को न भूलें

कोरोना महामारी ने हमारे मानसिक स्वास्थ्य को बहुत नुकसान पहुंचाया है। जब कोई इस बीमारी से जूझता है, तो न केवल उसका शरीर कमजोर होता है, बल्कि वो व्यक्ति मानसिक तौर पर भी कमजोर हो जाता है।

चिंता और तनाव से हमारी बीमारी और गंभीर हो सकती है। इसलिए मेंटल हेल्थ का ख्याल रखना जरूरी है। रिकवरी के समय मेडिटेशन या नई हॉबीज डेवलप कर सकते हैं।

आंखों की रोशनी कम होते जा रही है

प्रश्न : मेरी उम्र 65 वर्ष है। दोनों आंखों की रोशनी कम होते जा रही है। क्या कारण हो सकता है? उपचार क्या करें ? सलाह दें।

- रघुनाथ रेड्डी , निजामाबाद

उत्तर : आंखों की रोशनी कम होने के कई कारण हो सकते हैं। प्रमुख कारणों में मोतियाबिंद, ग्लूकोमा, मधुमेहजन्य उपद्रव के रूप में रेटीना का रोग, तंबाकू के सेवन से आंखों की रोशनी पर बुरा प्रभाव व आंखों के तंत्रिका तंत्र पर दबाव हो सकता है।

जीवनीय तत्व- विटामिन 'ए' की कमी से भी आंखों की रोशनी प्रभावित होती है ।सही निदान हमेशा चिकित्सा में मदद करता है। शहरी जीवन में संतुलित भोजन का अभाव भी नेत्र ज्योति में कमी का कारण बनता है। गाजर, चुकंदर, मटर आदि खाने से आपको भरपूर मात्रा में जीवनीय तत्व की प्राप्ति होती है और इनका सीधे नेत्र ज्योति पर असर पड़ता है। अतः इन मौसमी फल - सब्जियों का प्रयोग बढ़ाएं। त्रिफला घृत को गुनगुने दूध में मिलाकर लेवें। ऊंझा सप्तामृत लौह टिकिया का नियमित सेवन करें। इससे दृष्टि सुधरेगी। इसके बावजूद दृष्टि में परिवर्तन नहीं दिखाई देता हो तो तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से परामर्श ले।

प्रश्नः मेरी उम्र 66 वर्ष है। जब भी हाथ पैर में दर्द होता है सीधे मेडिकल हाल से काम्बिफ्लाम टिकिया ले लेता हूं। महीने में 15-20 गोलियां लेनी ही पड़ती है। क्या मुझे चिकित्सक को दिखाना चाहिए?

- मोहम्मद अल्ताफ, हैदराबाद

उत्तर : अपनी मर्जी से दवाई लेने की आदत बुरी है ,गलत है। इसकी वजह से कभी-कभी लेने के देने भी पड़ सकते हैं। एक सर्वे की रिपोर्ट कहती है कि 52% भारतीय बिना चिकित्सकीय सलाह के अपनी मर्जी से दवाई खाते हैं। अपनी इस आदत के चलते कभी लिवर डैमेज, स्ट्रोक, अल्सर , डायरिया, एलर्जी और यहां तक कि किडनी फेल होने तक की समस्या आ सकती है। सभी एलोपैथिक दवाएं विभिन्न केमिकल से बनी होती है, जिनके मात्रा में लेने पर अच्छे असर होते हैं और वही बेहिसाब लेते रहने से यह बेहद हानिकारक और कभी-कभी प्राणघातक भी बन जाते हैं। दवा विक्रेता डॉक्टर या वैद्य नहीं होता। दवा की बारीकियों की उसको पूरी जानकारी नहीं होती। ऐसे व्यक्ति की सलाह नीम हकीम- खतरे जान ही साबित होती है। हिंदुस्तान में सबसे सरल काम बन गया है राय देना, सलाह देना। हर व्यक्ति स्वयं को किसी एक्सपर्ट या विशेषज्ञ से कम नहीं समझता। राय चंदों की राय बिना दिमाग के प्रयोग करने पर हम कभी भी बड़े खतरे में पड़ सकते हैं । इंटरनेट देखकर या गूगल कर केवल लक्षणों को मिलाकर दवा लेना मौत से खेलने के बराबर है। मेरी आपसे गुजारिश है कि आप self-medication ना कर अच्छे वैद्य या चिकित्सक से अपनी पूरी जांच करवाएं। और अपने वैद्य की सलाह पर ही दवा का सेवन करें ।यदि आपका वैद्य परहेज बताता है तो उसका पालन करना हमेशा आपके हित में ही रहेगा। अपने अनमोल शरीर से खेले नहीं। आपका यह खिलवाड़ जाने - अनजाने में काफी महंगा सौदा साबित हो सकता है । अब जाग जाए। अपने भरोसेमंद परिवार के वैद्य से जांच करवा कर ही औषधि का सेवन करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 21 वर्ष है। धूप में जाने से चेहरा वह हाथ पैर लाल हो जाते हैं और दाने निकल आते हैं - क्या करूं?

- अनामिका राव, कोडांगल

उत्तर : कई व्यक्तियों को धूप सहन नहीं होती और धूप में जाने से त्वचा का रंग लाल होने लगता है। धूप में मौजूद अल्ट्रावायलेट किरणों के कारण ऐसा होता है। कई बार अनुर्जता के चलते दाने निकल आते हैं, पूरी त्वचा पर। ऐसे में सबसे पहले आप धूप में ना जाएं। यदि जाना अत्यावश्यक हो तब छाते और धूप के चश्मे का प्रयोग करें। एलोवेरा जेल चेहरे पर लगाएं । दाडिमावलेह, फ्रीजी सिरप, ऊंझा गुलकंद (प्रवाल युक्त) का प्रयोग पित्त के प्रकोप को शांत रखता है। अतः इनका प्रयोग करें। शरीर में पानी की मात्रा बनाए रखें। नींबू की शिकंजी, ठंडाई, छांच या कैरी का पना लिया करें। धुपेलियों पर नीम तुलसी पाउडर का छिड़काव करें। ऊंझा चंदनकल्प सिरप पैत्तिक विकारों को शांत करता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

मुकेश अंबानी की कंपनी पर लग सकता है 125 करोड़ का जुर्माना, आखिर कहां हो गई गलती

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। देश के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी अपने परफेक्शन और टाइम मैनेजमेंट के लिए जाने जाते हैं. अगर वो किसी काम पर लग जाते हैं तो उसे समय पर पूरा करने की ठान लेते हैं. लेकिन इस बार उनसे इस मामले में चूक हो गई लगती है. जिसका उन्हें 125 करोड़ रुपए की कीमत चुकानी पड़ सकती है. जी हां, ये कोई मजाक नहीं है. मुकेश अंबानी की सहयोगी कंपनी पर 125 करोड़ रुपए का जुर्माना लग सकता है. रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी बैटरी सेल प्लांट समय पर नहीं लगा सकी. जिसकी वजह से कंपनी पर जुर्माना लगाने की बात की जा रही है. ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड सरकारी योजना के तहत एक बिड को जीता था. उसी के तहत इस प्लांट को स्थापित करना था. ताकि बैटरी के क्षेत्र में देश को इंपोर्ट के भरोसे पर ना रहना पड़े. साथ ही लोगों को रोजगार मिलने के साथ देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिल सके. वास्तव में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को देश की जीडीपी के 25 फीसदी तक लाकर खड़ा करना चाहते हैं. लेकिन सरकार की कोशिशों के बाद भी ऐसा होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है. साल 2014 में जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की हिस्सेदारी 15 फीसदी के आसपास थी, जो साल 2023 में कम होकर 13 फीसदी पर आ गई. वैसे इस मामले रिलायंस इंडस्ट्रीज और हैवी इंडस्ट्रीज मिनिस्ट्री की ओर से कोई बयान जारी नहीं किया गया है. सरकार की ओर से लागू की गई पीएलआई स्कीम ने स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग को काफी बढ़ावा दिया है. इसका जीता जागता उदाहरण एपल आईफोन है, लेकिन किसी दूसरे सेक्टर में इस पीएलआई स्कीम का फायदा होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है.

जीती थी 2022 में बोली

मुकेश अंबानी की रिलायंस न्यू एनर्जी के अलावा राजेश एक्सपोर्ट्स और ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड की एक यूनिट ने साल 2022 में बैटरी सेल प्लांट बनाने की बिड अपने नाम की थी. प्लांट को खोलने का प्रमुख उद्देश्य देश की ईवी कंपनियों की इंपोर्ट करने की निर्भरता को कम करना था. खास बात तो ये है कि इस प्लांट को पीएलआई स्कीम के तहत तैयार करना था. इस प्रोजेक्ट के लिए 181 अरब रुपए की सब्सिडी भी तय की गई थी. इस प्लांट में 30 गीगावाट-घंटे की कैपेसिटी के एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल बैटरी स्टोरेज का निर्माण होना था.तीनों कंपनियों की ज्वाइंट यूनिट को दो साल के अंदर मिनिमम कमिटेड कैपेसिटी और 25 फीसदी लोकल वैल्यू एडिशन का टारगेट पूरा करना था. जिसके पांच साल में 50 फीसदी तक लेकर जाना था. लेकिन तीनों कंपनियों की ज्वाइंट यूनिट इस टारगेट को पूरा करने में फेल हो गई. वहीं दूसरी ओर भावीश अग्रवाल की ओला सेल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड ने इस पीएलआई स्कीम का फायदा उठाते हुए काफी अच्छा काम किया है. ओला इलेक्ट्रिक के प्रवक्ता के अनुसार कंपनी ने पिछले साल मार्च में टेस्टिंग प्रोडक्शन शुरू किया था. कंपनी की प्लानिंग पहली तिमाही में लिथियम-आयन सेल का कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू करने की है. प्रवक्ता का कहना है कि कंपनी तय डेडलाइन को मैच करने को लेकर सही रास्ते पर चल रही है.

क्या बदल दी है अंबानी ने प्लानिंग?

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी से ऐसी चूक कैसी हो गई. क्या कंपनी की प्लानिंग बदल गई है? क्या कंपनी या यूं कहे कि मुकेश अंबानी ने प्रायोरिटीज को पूरी तरह से बदल डाला है? मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से जानकारी दी गई है कि रिलायंस की फर्म ने अपना पूरा फोकस ग्रीन एनर्जी पर लगा दिया है.जिसकी वजह से कंपनियां लोकल लेवल पर पर लिथियम-आयन सेल बनाने की जरूरी तकनीक को फाइनल नहीं कर सकी हैं।

10 ग्राम सोना 36 रुपए कम होकर 85,020 पर आया

एक किलो चांदी 173 रुपए बढ़कर 93,653 पर पहुंची; इस साल सोना 8,858 रुपए महंगा हुआ

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी सोमवार (3 मार्च) को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 36 रुपए कम होकर 85,020 पर आ गया है। इससे पहले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन 28 फरवरी को सोना 85,056 रुपए पर था। 19 फरवरी को इसने 86,733 का ऑलटाइम हाई बनाया था, तब से यह 1,713 रुपए गिरा है। वहीं एक किलो चांदी आज 173 महंगी होकर 93,653 प्रति किलो पर पहुंच गई है। शुक्रवार को चांदी का भाव 93,480 प्रति किलो था। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को 99,151 प्रति किलो का हाई बनाया था। तब से अब तक इसमें 5,498 की कमी आई है।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,770 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,620 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 79,400 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 86,620 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,620 रुपए है।

हैदराबाद : सोने की दर 24 कैरट के लिए रुपए 86620 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रुपए 79400/10 ग्राम।

1 जनवरी से अब तक सोना 8,858 रुपए महंगा हुआ

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 8,858 महंगा हुआ है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 7,636 रुपए बढ़कर 93,653 रुपए पर पहुंच गया है। पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी

सेंसेक्स 112 अंक गिरा, निफ्टी 22120 के नीचे

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद सोमवार को भी घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन बीएसई सेंसेक्स 112 अंक के नुकसान में रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली जारी रहने के बीच बाजार में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों पर खासा दबाव दिखा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और यह 112.16 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,085.94 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह ऊंचे में 73,649.72 अंक तक गया और नीचे में 72,784.54 अंक तक आया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में लगातार नौवें कारोबारी सत्र में गिरावट आई। यह सूचकांक 5.40 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 22,119.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 120 अंक तक टूट गया था।

सेंसेक्स के टॉप गेनर्स और टॉप लूजर्स शेयर कौन-कौन

सेंसेक्स के शेयरों की बात करें तो रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, अदाणी पोर्ट्स, मारुति, सुजुकी इंडिया, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, सन फार्मास्युटिकल्स और एशियन पेंट्स प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, एनटीपीसी, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में बढ़त दिखी। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहा जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहा। दक्षिण कोरिया का शेयर बाजार सोमवार को बंद रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी का रुख था।

जबकि अमेरिकी बाजारों में शुक्रवार को तेजी रही थी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72.39 डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 11,639.02 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 1,414.33 अंक लुढ़का था, जबकि एनएसई निफ्टी में 420.35 अंक की गिरावट आई थी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ मे	कुंभ...	05-31 बजे
चंद्र-	मेष मे	मीन....	07-10 बजे
मंगल	मिथुन मे	मेष....	08-46 बजे
बुध-	मीन मे	वृष....	10-30 बजे
गुरु-	वृष मे	मिथुन..	12-30 बजे
शुक्र-	मीन मे	कर्क....	14-43 बजे
शनि-	कुंभ मे	सिंह....	16-56 बजे
राहु-	मीन मे	कन्या...	19-02 बजे
केतु-	कन्या मे	तुला....	21-07 बजे
		वृश्चिक..	23-17 बजे
		धनु.....	01-31 बजे
		मकर....	03-36 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायण • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-35
भोग्य कलि वर्ष-426875 सूर्यास्त. - 18-19
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी . 15-16 तक उपरान्त षष्ठी
मास - फाल्गुन शुक्ल , मंगलवार 04 March
नक्षत्र - भरणी 02-37 तक उपरान्त कृत्तिका
योग - इन्द्र 02-06 तक उप वैधृति
करण- बालव 15-16 तक उप कौलव
विशेष:- व्रत त्योहार - याज्ञवल्क्य जयन्ती

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:25 से 16:54 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:35 - 08:02 अशुभ	काल.	18:19 - 19:54 अशुभ
उत्पात	08:02 - 09:31 अशुभ	लाभ.	19:54 - 21:25 शुभ
चंचल.	09:31 - 10:59 शुभ	उत्पात	21:25 - 22:56 अशुभ
लाभ.	10:59 - 12:28 शुभ	शुभ.	22:56 - 00:27 शुभ
अमृत	12:28 - 13:56 शुभ	अमृत.	00:27 - 01:59 शुभ
काल.	13:56 - 15:25 अशुभ	चंचल	01:59 - 03:30 शुभ
शुभ.	15:25 - 16:54 शुभ	रोग.	03:30 - 05:01 अशुभ
रोग	16:54 - 18:19 अशुभ	काल	05:01 - 06:35 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं । इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी । आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे । यह समय आपसी मतभेद भुलाकर आगे बढने का है,चाहे इसके लिए आपको कुछ झुकना ही क्यों न पड़े ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं । लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे । रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों । आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है । ऐसी क्षणिक खुशियों के चक्कर में ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी । अपने नए-पुराने दोस्तों के साथ समय बितायें और मजे करें । खरीदारी में विशेष आनंद आएगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें । कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है । अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें । आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे । हालांकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे ? आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है । यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा । आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दूसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा । दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं । आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं । आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे । आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता । आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप प्रेरणा से भरे हैं और काफी अच्छी स्थिति में भी हैं । आपका दिमाग सक्रिय है और इसमें नए नए विहार और नीतियां आती रहती हैं । आज का दिन आपके लिए सफलता से भरा रहेगा । हालाँकि अगर आपने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नही दिया तो यह सब उल्टा -पुल्टा भी हो सकता है ।आप पिछले कई दिनों से आउट ऑफ़ फॉर्म नजर आ रहे हैं और आपकी चिंता का कारण भी यही है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे । आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालांकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें । आपको आज अपनी शारीरिक शक्ति की परीक्षा नही लेनी चाहिए।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बदलने वाली है क्रिप्टोकरेंसी की दुनिया, ट्रंप ने निवेशकों को दिया 'रिटर्न गिफ्ट'

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी की दुनिया पूरी तरह से बदलने वाली है. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रप अपने उस वादे को पूरा करने वाले हैं, जो उन्होंने बिटकॉइन 2024 में अमेरिकी क्रिप्टो निवेशकों से किया था. जिसका फायदा उन्हें अमेरिकी चुनाव में मिलता हुआ भी दिखाई दिया. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वादा किया था कि वो अमेरिका को दुनिया की क्रिप्टो कैपिटल बनाने का काम करेंगे. इस के लिए उन्होंने पहला कदम बढ़ा दिया है. उन्होंने अमेरिका में क्रिप्टो रिजर्व खड़ा करने का आदेश दिया है. जिसमें एक्सआरपी, सोलाना और कारडानो जैसी करेंसीज को रखा जाएगा.

इस फैसले के बाद क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में तेजी का माहौल देखने को मिल रहा है. बिटकॉइन से लेकर डॉगे और शिबाकॉइन तक तेजी देखने को मिल रही है. वहीं दूसरी ओर एक्सआरपी, सोलाना और कारडानो जैसी करेंसी में 20 से 70 फीसदी तक का इजाफा देखने को मिल रहा है. बिटकॉइन और इथेरियम की कीमत में 10 फीसदी तक की तेजी देखने को मिल रही है. ओवरऑल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में 10 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिल रहा है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर ट्रंप ने क्रिप्टो रिजर्व को लेकर क्या ऐलान किया है और क्रिप्टोकरेंसी के क्या दाम हो गए हैं.

ट्रंप ने किया बड़ा ऐलान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को नए अमेरिकी क्रिप्टो रिजर्व में शामिल होने वाली तीन क्रिप्टोकरेंसी के नामों की घोषणा की. ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर कहा कि डिजिटल असेट्स पर उनके जनवरी के कार्यकारी आदेश से एक्सआरपी (रिपल), एसओएल (सोलाना), और एडीए (कार्डानो) सहित करेंसीज का रिजर्व तैयार हो जाएगा. ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने प्रेसीडेंट वर्किंग ग्रुप को क्रिप्टो स्ट्रैटेजिक रिजर्व पर आगे बढ़ने का निर्देश दिया है, जिसमें एक्सआरपी, एसओएल और एडीए शामिल करने की बात कही गई है. उन्होंने कहा कि वो सुनिश्चित करेंगे कि अमेरिका अमेरिका दुनिया की क्रिप्टो राजधानी बन जाए. रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने अपनी 2024 की चुनावी कैंपेन में क्रिप्टो इंडस्ट्री से सपोर्ट हासिल करने के लिए कई वादे किए थे. इनमें एक वादा क्रिप्टोकरेंसी बढ़ाने और उसे मजबूत करने को लेकर भी था. उससे पहले जो बाइडेन ने क्रिप्टोकरेंसी को कई नियमों और कानूनों को साथ बांधा हुआ था. बाइडेन का मत था कि इससे अमेरिकी लोगों को फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग से बचाया जा सकता है. जिसकी वजह से क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में काफी गिरावट देखने को मिली थी.हालाँकि, हाल के सप्ताहों में, क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में तेजी से गिरावट आई है. बिटकॉइन और दूसरी बड़ी करेंसीज को ट्रंप के जीतने के बाद जो फायदा हुआ था वो उनके सत्ता संभालने के बाद पूरी तरह से खत्म होना हुआ दिखाई दिया. ट्रम्प शुक्रवार को पहले व्हाइट हाउस क्रिप्टो शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहे हैं. उनके परिवार ने अपने सिक्के भी लॉन्च किए हैं. यह स्पष्ट नहीं है कि नया रिजर्व कैसे स्थापित किया जाएगा या कैसे काम करेगा. विश्लेषक और कानूनी विशेषज्ञ इस बात पर एक मत नहीं है कि क्या कांग्रेस का एक अधिनियम आवश्यक होगा. कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि रिजर्व को यूएस ट्रेजरी के एक्सचेंज स्टेबिलाइज़ेशन फंड के माध्यम से बनाया जा सकता है, जिसका उपयोग विदेशी मुद्राओं को खरीदने या बेचने के लिए किया जा सकता है।

इकोनॉमी के मोर्चे पर बड़ा झटका

18 महीनों के लो पर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। इकोनॉमी के मोर्चे पर सरकार और देश को बड़ा झटका लगा है. इसका कारण है मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का डूबना. सेक्टर के जो आंकड़े सामने आए हैं, वो बेहद हैरान और परेशान करने वाले हैं. मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के आंकड़े 14 महीनों के लोअर लेवल पर पहुंच गए हैं. जानकारी के अनुसार प्रोडक्शन में कमी की वजह से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में गिरावट देखने को मिली है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर आंकड़े किस तरह के देखने को मिले हैं.

14 महीनों के लोअर लेवल पर

नए ठेके और प्रोडक्शन ग्रोथ में कमी के बीच फरवरी में भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की वृद्धि दर 14 महीने के निचले स्तर पर आ गई. मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) फरवरी में 56.3 अंक पर रहा, जो जनवरी के 57.7 अंक से कम है. हालांकि, मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 'विस्तारकारी' क्षेत्र में बना हुआ है. पीएमआई की भाषा में 50 से ऊपर अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक गतिविधियों में संकुचन का संकेत है.

फरवरी में पॉजिटिव रहा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर

एचएसबीसी के भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि हालांकि, दिसंबर 2023 के बाद से उत्पादन वृद्धि सबसे कमजोर स्तर पर आ गई है, लेकिन भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कुल मिलाकर गति फरवरी में व्यापक रूप से सकारात्मक रही. सर्वेक्षण में कहा गया कि जनवरी के 14 साल के उच्चतम स्तर से कम होने के बावजूद विस्तार की गति तेज थी. सर्वेक्षण में यह भी कहा गया कि फरवरी में नए निर्यात ऑर्डर में जोरदार वृद्धि हुई, क्योंकि निर्माताओं ने अपने माल की मजबूत वैश्विक मांग का लाभ उठाना जारी रखा. नौकरी के मोर्चे पर, विनिर्माताओं ने फरवरी में अपने कर्मचारियों की संख्या में विस्तार करना जारी रखा.

जनवरी में भी गिरा था सेक्टर

फरवरी के आंकड़ों से पता चला है कि नए बिजनेस इंटेक में लगातार 44वीं वृद्धि हुई है, जिसे पैनल के सदस्यों ने मजबूत ग्राहक मांग और अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बेहतर कीमत देने के प्रयासों से जोड़ा है. गिरावट के बावजूद, क्षेत्र ने मजबूत घरेलू और वैश्विक मांग के समर्थन से विस्तारवादी गति बनाए रखी. जनवरी में, मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 57.7 पर रहा, जो पिछले महीने के 12 महीने के निचले स्तर 56.4 से तेजी से सुधार हुआ. यह वृद्धि लगभग 14 वर्षों में निर्यात में सबसे तेज उछाल और पिछले जुलाई के बाद से सबसे तेज गति से बढ़े नए ऑर्डरों के कारण हुई.

ईडी ने पेटीएम को 611 करोड़ रुपये के कथित फेमा उल्लंघन मामले में नोटिस जारी किया

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। ईडी ने फेमा के उल्लंघन के लिए पेटीएम की मूल कंपनी और संबद्ध इकाइयों को 611 करोड़ रुपये का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह नोटिस संघीय एजेंसी के विशेष निदेशक की ओर से न्यायिक कार्यवाही शुरू करने के पहले जारी किया गया है। ईडी ने एक बयान में कहा कि पेटीएम की प्रमुख कंपनी वन97 कम्युनिकेशन लिमिटेड (ओसीएल), इसके प्रबंध निदेशक और पेटीएम की अन्य सहायक कंपनियों जैसे लिटिल इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड और नियरबाय इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए लगभग 611 करोड़ रुपये का कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जांच में पाया गया कि ओसीएल ने सिंगापुर में विदेशी निवेश किया और विदेशी स्टेप-डाउन सहायक कंपनी के निर्माण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को आवश्यक रिपोर्टिंग नहीं की। नोटिस में लगाए गए आरोपों के अनुसार ओसीएल ने आरबीआई की ओर से निर्धारित उचित मूल्य निर्धारण दिशानिर्देशों का पालन किए बिना विदेशी निवेशकों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) भी प्राप्त किया था। ईडी ने कहा कि भारत में ओसीएल की सहायक कंपनी लिटिल इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड ने भी आरबीआई की ओर से निर्धारित मूल्य निर्धारण दिशानिर्देशों का पालन किए बिना विदेशी निवेशकों से एफडीआई प्राप्त किया था। इसमें कहा गया है कि अन्य सहायक कंपनी- नियरबाय इंडिया प्राइवेट लिमिटेड- ने आरबीआई द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर कंपनी द्वारा प्राप्त एफडीआई की रिपोर्ट नहीं दी। पिछले शनिवार को की गई नियामकीय फाइलिंग में पेटीएम ने कहा कि उसे ईडी से एक नोटिस मिला है, जिसमें कंपनी और उसकी दो सहायक कंपनियों- लिटिल इंटरनेट और नियरबाय- पर कुछ निवेश लेनदेन के संबंध में कुछ फेमा नियमों के कथित उल्लंघन का आरोप लगाया गया है।

350000 मिलिनेयर, 60 बिलिनेयर: न्यूयार्क है दुनिया का सबसे अमीर शहर

नई दिल्ली,3 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया के टॉप अमीरों की लिस्ट में अमेरिका का दबदबा है। टॉप 10 की लिस्ट देखें तो इसमें नौ अमेरिका के है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया के किस शहर में सबसे ज्यादा अमीर रहते हैं? इसका जवाब है न्यूयॉर्क। अमेरिका के इस शहर को हेनली एंड पार्टनर्स की 2024 की लिस्ट में एक बार फिर दुनिया के सबसे अमीर शहर का खिताब मिला है। इस शहर में 349,500 मिलिनेयर, 675 सेंटी-मिलिनेयर (कम से कम 10 करोड़ डॉलर की संपत्ति वाले लोग) और 60 बिलिनेयर रहते हैं। यही वजह है कि इसे दुनिया का सबसे अमीर शहर कहा जाता है। दुनिया के सबसे अमीर 50 शहरों की लिस्ट में 11 अमेरिका के हैं। साल 2023 में न्यूयॉर्क की इकॉनमी करीब 1 ट्रिलियन डॉलर थी। इसे अमेरिका की फाइनेंशियल कैपिटल भी कहा जाता है क्योंकि अमेरिका शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट इसी शहर में स्थित है। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज और नैसडैक दुनिया के सबसे बड़े शेयर बाजार हैं। केवल सिक्योरिटीज इंडस्ट्री में ही 181,000 से ज्यादा लोग काम करते हैं और अरबों डॉलर का टैक्स देते हैं। यहां दुनिया की कई दिग्गज फाइनेंशियल कंपनियों के मुख्यालय भी हैं।

रियल एस्टेट में भी सबसे आगे

साथ ही यह शहर मीडिया, टेक्नोलॉजी, फैशन, हेल्थकेयर और रियल एस्टेट में भी दुनिया का लीडर है। टेक इंडस्ट्री यहां तेजी से बढ़ रही है। गूगल, ऐमजॉन और फेसबुक जैसी बड़ी-बड़ी टेक कंपनियां इस शहर में अपना कारोबार यहां फैला रही हैं। फैशन इंडस्ट्री में करीब 180,000 लोग काम करते हैं।न्यूयॉर्क में घर खरीदना आसान नहीं है। यहां का रियल एस्टेट दुनिया की सबसे महंगा है। शहर के फिफ्थ एवेन्यू को दुनिया की सबसे महंगी शॉपिंग स्ट्रीट माना जाता है। यहां मकान का किराया भी अमेरिका में सबसे ज्यादा है। इतनी महंगाई के बावजूद दुनिया के सबसे अमीर लोग यहां रहना पसंद करते हैं।

न्यूयॉर्क को विभिन्न संस्कृतियों का संगम भी कहा जाता है। इसकी आबादी करीब 82 लाख है और यहां 800 भाषाएं बोलने वाले लोग रहते हैं। यही वजह है कि यह शहर दुनियाभर के हुनरमंद लोगों को अपनी ओर खींचता है। इसे अवसरों का शहर भी कहा जाता है।

1 लाख 45 हजार 400 करोड़ का बजट पेश

रांची समेत 7 जिलों में खुलेंगे मेडिकल कॉलेज मंईयां सम्मान योजना के लिए 13363 करोड़

रांची, 3 मार्च (एजेंसियां)। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने झारखंड का बजट पेश किया। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1 लाख 45 हजार 400 करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया है। पिछले वित्तीय वर्ष से 2025-26 वित्तीय वर्ष का बजट 13 फीसदी अधिक है। इस बजट में मंईयां सम्मान योजना के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के लिए कई बड़े ऐलान किए गए हैं। रांची समेत 7 जिलों में मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे।

सरकार ने मंईयां सम्मान योजना के लिए 13363 करोड़ रुपए तय किए हैं। वहीं शिक्षा पर जोर देते हुए प्रारंभिक शिक्षा पर 15 हजार 198 करोड़ 35 लाख 30 हजार रुपए दिए हैं। उच्च व तकनीकी शिक्षा के लिए 2 हजार 409 करोड़ 20 लाख 96 हजार का बजट तय किया है। स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए 7 हजार 407 करोड़ 50 लाख 86 हजार रुपए दिए हैं। इस बजट में उन योजनाओं और विभागों पर फोकस किया गया है जो सरकार के चुनावी घोषणापत्र में अहम थे। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर बजट पेश करने के दौरान परंपरागत पोशाक में नजर आए। उन्होंने आदिवासी संस्कृति से जुड़ी पारंपरिक बंडी पहन रखी थी। गले में गमछा रखा था जिस पर अबुआ सरकार, अबुआ बजट लिखा हुआ था। उन्होंने धोती, सिल्क का कुर्ता पहन रखा था। खास बात यह रही कि वे विशेष तरह का साफा भी पहन रखा था।

विधानसभा पहुंचने से पहले राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने राज भवन में भेंट की।

इस दौरान उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट की कॉपी दी। इस दौरान राज्य के वित्त सचिव प्रशांत कुमार भी साथ थे। यहां बजट की कॉपी देने के बाद अब वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर विधानसभा पहुंचे।

हार्डकोर नक्सली लीडर दिनेश ने डाले हथियार

बीजापुर में पत्नी और बच्चे के साथ किया सरेंडर 100 से ज्यादा जवानों की हत्या में शामिल था

जगदलपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों की गंगालूर एरिया कमेटी के सचिव और हार्डकोर नक्सली कमांडर दिनेश ने हथियार डाल दिए हैं। पत्नी और बच्चे के साथ पुलिस के सामने उसने सरेंडर कर दिया है। दिनेश अलग-अलग वारदातों में शामिल रहकर करीब 100 से ज्यादा जवानों की हत्याओं का जिम्मेदार है। इसपर 8 लाख रुपए का इनाम घोषित है। दिनेश, जिले के पेद्दाकोरमा का रहने वाला है। कम उम्र में ही नक्सली इसे अपने साथ लेकर चले गए थे। हथियार चलाना, एंबुश लगाना, आईडी प्लांट करने की गुर सिखाए। जब दिनेश इन सभी चीजों में माहिर हुआ तो उसे नक्सल संगठन में एरिया कमेटी मेंबर बनाया गया। गंगालूर इलाके में लगातार बड़े हमले करता गया। इलाके में लगातार दहशत बनाकर रखी थी। इसके काम को देखकर बड़े लीडर्स ने इसे गंगालूर एरिया कमेटी का सचिव और डीवीसीएम कैडर दिया का जिम्मा दिया। बीजापुर जिले में हुई नक्सल घटनाओं में अधिकांश घटनाओं का यही मास्टरमाइंड है। नक्सल संगठन को इसने मजबूती देने का काम किया था। वहीं अब पुलिस का लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। साथ ही एनकाउंटर के डर से इसने परिवार के साथ समर्पण कर लिया है।

पत्थर-सब्बल-लाठी से पीट-पीटकर किसान को मार डाला

पड़ोसी ने बेटों संग मिलकर की हत्या, बिलासपुर में रास्ता बनाने को लेकर हुआ विवाद

बिलासपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक किसान की हत्या का लाइव वीडियो सामने आया है, जिसमें पड़ोस के एक ही परिवार के चार लोगों ने मिलकर पत्थर, लाठी और सब्बल से किसान युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। हत्या का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कब्जे की जमीन पर रास्ता बनाने को लेकर दो पक्ष में विवाद हुआ था। पुलिस ने मामले में श्याम अंचल उसकी पत्नी और दो बेटों को गिरफ्तार किया है। घटना बिल्हा थाना क्षेत्र की है।

ग्राम उड़गन निवासी मृतक खेमराज बंजारे (27) खेती किसानी करता था। वहीं श्याम अंचल उसका पड़ोसी है। श्याम कब्जे की जमीन पर रास्ता बना रहा है। रास्ते को ऊंचा करने के लिए उसने मिट्टी और पत्थर डाला है। किसी ने उसके बिछाए पत्थर को हटा दिया था। रविवार की सुबह इसे लेकर श्याम गाली-गलौज कर रहा था।

इस दौरान पड़ोसी युवक खेमराज आवाज सुनकर बाहर निकला। उसने बोला किसे गाली दे रहे हो, इतना सुनते ही श्याम लाठी और सब्बल लेकर आ गया। उसके दोनों बेटे लक्ष्मण और मुकेश अंचल भी वहां आ गए। उन्होंने अपने पिता के हाथ से लाठी लेकर खेमराज पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

वहीं, श्याम ने हाथ में रखे सब्बल से खेमराज के सिर पर वार किया। इससे वह जमीन पर गिर गया। इसके बाद लक्ष्मण उसे लाठी से मारने लगा। फिर मुकेश ने बड़े पत्थर से खेमराज पर हमला कर दिया।

इस हमले के बीच श्याम अंचल की पत्नी सीता अंचल भी पहुंच गई। पति और बेटों को हमला करते देख वह बीच-बचाव करने के बजाए कहने लगी जो हुआ अच्छा हुआ। फिर वो खेमराज को खून से लथपथ पड़े देख कर अपने पति और बेटों को घर के अंदर ले गई।

गाली-गलौज और विवाद होने की आवाज सुनकर खेमराज की भाभी मेनका बंजारे दहशत में चिल्ला रही थी। उसने घटना की जानकारी अपने पति और रिश्तेदारों को दी। इस दौरान उसने ही हमले का वीडियो मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

परिजनों ने हत्या की खबर पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही बिल्हा थाना प्रभारी डीआर टंडन अपनी की टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। लेकिन, तब तक खेमराज की मौत हो चुकी थी। पूछताछ के बाद पुलिस ने श्याम अंचल, उसका बेटा लक्ष्मण, मुकेश और पत्नी सीताबाई को हिरासत में ले लिया, जिसके बाद शव को पंचनामा के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

पुलिस ने अपराध स्वीकार करने पर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

गुटखा और पान मसाले पर लगा प्रतिबंध

झारखंड के दुकानदारों के लिए साबित हो रहा 'लॉटरी', वसूल रहे मनमानी कीमत

रांची, 3 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड राज्य में गुटखा और पान मसाले पर लगा प्रतिबंध दुकानदारों के लिए लॉटरी साबित हो रहा है। गुटखा और पान मसाले की बिक्री पर प्रतिबंध लगने के बाद दुकानदार इनकी कीमत में बढ़ोतरी कर अवैध रूप से इसकी बिक्री कर रहे हैं। सभी गुटखा और पान मसालों की कीमत में 1 रुपया से लेकर 5 रुपए तक की बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। शहरों से लेकर गांव-मोहल्ले की गलियों की दुकानों में धड़ल्ले से निकोटिन युक्त पदार्थों की अवैध रूप से बिक्री की जा रही है। 17 फरवरी 2025 को स्वास्थ्य विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर तंबाकू और निकोटिन युक्त गुटखा और पान मसाला पर एक साल के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया था। सरकार की इस अधिसूचना का आम जनता पर कोई खास असर पड़ता नहीं दिख रहा। गुटखा और पान मसाला बेचने वाले दुकानदार खुलेआम कीमत बढ़ाकर इसे बेच रहे हैं, तो वहीं ग्राहक भी अधिक पैसे देकर इनका सेवन कर रहे हैं।

प्रतिबंध लगने के कुछ दिनों तक प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए शहरों के विभिन्न इलाकों में छापेमारी की। भारी मात्रा में गुटखा और पान मसाला बरामद किए।

कुछ ही दिनों बाद प्रशासन की सक्रियता खत्म हो गयी और बाजार में एक बार फिर धड़ल्ले से अवैध रूप से गुटखा और पान मसाला की बिक्री शुरू हो गयी।

कोल घोटाला केस के आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट से राहत

आईएएस रानू साहू, समीर, सूर्यकांत समेत 12 को जमानत, सौम्या का जेल से बाहर आना मुश्किल

रायपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कोयला घोटाला मामले में लंबे समय से जेल में बंद निलंबित आईएएस रानू साहू, पूर्व मुख्यमंत्री की डिप्टी सेक्रेटरी सौम्या चौरसिया, कारोबारी सूर्यकांत तिवारी समेत 12 आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी है। यह जमानत एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज मामले में दी गई है। हालांकि, सौम्या चौरसिया पर आय से अधिक संपत्ति का एक अन्य मामला भी दर्ज है, जिसके चलते वह अब भी जेल में रहेंगी। इस मामले में उन्हें जमानत नहीं मिली है, जिससे उनकी रिहाई फिलहाल संभव नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट जमानत देते हुए कहा कि आरोपी अगर किसी गवाह को प्रभावित करने, सबूतों से छेड़छाड़ करने या जांच में बाधा डालने में लिप्त पाया जाता है, तो राज्य सरकार अंतरिम जमानत रद्द कराने के लिए कोर्ट में आवेदन कर सकती है। और ऐसी स्थिति में अंतरिम जमानत रद्द कर दी जाएगी। बता दें कि इन सभी हाई प्रोफाइल आरोपियों को एंटी करप्शन ब्रांच की ओर से दाखिल मुकदमे में अंतरिम जमानत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने निलंबित आईएएस रानू साहू, निलंबित आईएएस समीर बिश्नोई, निलंबित राज्य सेवा अधिकारी सौम्या चौरसिया, कारोबारी सूर्यकांत तिवारी, शिवशंकर नाग, दीपेश टांक, हेमंत जायसवाल, राहुल कुमार सिंह, चंद्रप्रकाश जायसवाल, शेख मोइनुद्दीन कुरैशी, रोशन कुमार सिंह और संदीप कुमार नाग को अंतरिम जमानत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले की जांच में समय लगेगा, इसलिए बिना किसी जल्दबाजी के आरोपियों को अंतरिम जमानत दी जा रही है। हालांकि, यह जमानत कुछ शर्तों के साथ दी गई है। आरोपी जमानत के बाद भी उचित आचरण बनाए रखें और अदालत के निर्देशों का सख्ती से पालन करें। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया है कि वह आरोपियों के आचरण की रिपोर्ट प्रस्तुत करे, ताकि मामले की जांच में ट्रांसपेरेंसी बनी रहे। यह फैसला जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने सुनाया। जस्टिस सूर्यकांत ने अपने आदेश में कहा कि अदालत किसी भी तरह की जल्दबाजी में नहीं है और न ही जांच में हस्तक्षेप करना चाहती है। अदालत की मंशा सिर्फ यह सुनिश्चित करने की है कि आरोपी जमानत की शर्तों का पालन करें और निष्पक्ष जांच में सहयोग करें। शराब घोटाले में आरोपी निलंबित आईएएस रानू साहू और समीर बिश्नोई के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला भी दर्ज है।

मेटालसा कंपनी में मजदूरों की हड़ताल

बिना वेतन ओवरटाइम और मानसिक प्रताड़ना का आरोप, 8 सूत्री मांगों को लेकर विरोध

जमशेदपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के सरायकेला में भोलाडीह स्थित मेटालसा कंपनी के मजदूरों ने हड़ताल कर दी है। मजदूर, कंपनी के एचआर अरशद अली और प्लांट हेड शशि कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मेटालसा वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष राजीव पांडेय के अनुसार, कंपनी प्रबंधन मजदूरों का शोषण कर रहा है। उन्होंने बताया कि 27 फरवरी को मजदूरों से जबरन यूनियन विरोधी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए। मजदूरों को बिना वेतन के रोजाना 3 से 5 घंटे का ओवरटाइम करना पड़ता है। कंपनी में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। वर्क स्टैंडिंग ऑर्डर की प्रति नोटिस बोर्ड पर नहीं लगाई जाती। प्रबंधन व्हाट्सएप के जरिए 5 मिनट में नई नीतियां लागू कर देता है। नाइट शिफ्ट अलाउंस भी नहीं दिया जाता है। बिना वेतन कराए गए ओवरटाइम का पूरा भुगतान हो, जबरन श्रम पर रोक लगे।

सस्ता हुआ पेट्रोल, बजट भाषण में वित्त मंत्री की बड़ी घोषणा

एक रुपये की हुई कटौती

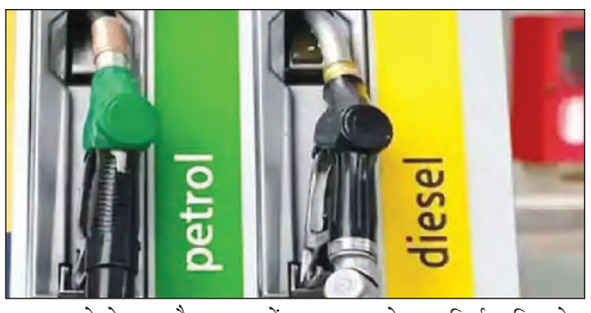

रायपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार का बजट वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सोमवार को पेश किया। बजट में कई बड़े ऐलान किए हैं। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने इस दौरान राज्य में पेट्रोल के दाम कम किए जाने का ऐलान किया। बजट भाषण के दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से पेट्रोल की कीमत में प्रति लीटर 1 रुपये की कटौती की गई है। इस घोषणा के बाद राज्य में पेट्रोल की कीमत कम हो जाएगी।

छत्तीसगढ़ के ज्यादातर इलाकों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये के पार है। वित्त मंत्री की घोषणा के बाद राज्य में पेट्रोल की कीमतों में कमी आएगी। हालांकि यह कमी मात्र 1 रुपये की होगी। राजधानी रायपुर में अभी पेट्रोल की कीमत 100 रुपये के पार है। बस्तर में पेट्रोल की कीमत 102 रुपये है। वहीं, राजनांदगांव में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये के पार है। सरकार के इस फैसले का सीधा असर आम लोगों पर पड़ेगा। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने घोषणा करते हुए कहा कि पेट्रोल में 1 रुपए वैट कम करने का निर्णय विष्णुदेव साय की सरकार ने लिया है। विष्णुदेव साय की सरकार के इस फैसले का असर प्रदेश के हर वर्ग में पड़ेगा। बजट पेश करने से पहले वित्त मंत्री ओपी चौधरी सोमवार को अपने निवास से सीधे वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने पूजा की। इस दौरान वह भगवान राम के सामने दंडवत हो गए। वित्त मंत्री ओपी चौधरी लाल मखमली बैग लेकर विधानसभा पहुंचे। इसके पहले वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में बजट पर हस्ताक्षर किया। इसके बाद वह बजट पेश करने के लिए सदन में पहुंचे। छत्तीसगढ़ सरकार ने जहां बजट को दूरदर्शी बताया है वहीं, विपक्ष ने बजट को निराशाजनक कहा है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा- ये था क्या? ये बजट भाषण था या गणतंत्र दिवस का भाषण था या किसी कवि सम्मेलन की भूमिका थी? ये था क्या? ये जनता तो छोड़िए, भाजपा के लोगों को खुद समझ नहीं आया होगा।

सरकारी कर्मचारियों को 53 फीसदी डीए

आवास योजना के लिए 8500 करोड़ की घोषणा

रायपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सोमवार को राज्य का बजट पेश किया। इस बजट में कई घोषणाएं की। राज्य के विकास के लिए सरकार ने कई योजनाओं की घोषणा की है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने महिलाओं, युवाओ, किसानों, सरकारी कर्मचारियों समेत सभी वर्गों के लिए विशेष घोषणाएं की है। आइए जानते हैं वित्त मंत्री ओपी चौधरी के बजट की मुख्य बातें। जानें क्या है प्रमुख घोषणाएं।

छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाला महंगाई भत्ता बढ़ाने की घोषणा की है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों के डीए में वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि डीए बढ़ाकर 53 फीसदी कर दिया जाएगा। मार्च माह का वेतन जो अप्रैल में देना होगा। बढ़ हुए महंगाई भत्ते के साथ दिया जाएगा।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा- नक्सलवाद को समाप्त करने की लड़ाई में बस्तर फाइटर का सारणी योगदान मिला है। इसे देखते हुए इस साल 3200 अतिरिक्त बस्तर फाइटर के पदों पर सृजन किया जाएगा। 9 जिलों में आजाद थाना खुलेगा। नया महिला थाना सुकमा के नक्सल प्रभावित गांवों में शुरू होगा। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में नए पुलिस थाने शुरू किए जाएंगे। नवीन भारत रक्षित वाहिनी का गठन किया जाएगा। इसके लिए 39 करोड़ का प्रावधान किया गया है। कृषि मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा- भूमि कृषि मजदूर कल्याण योजना के माध्यम से 5 लाख 65 हजार भूमिहीन मजदूरों को सालाना 10 हजार की आर्थिक सहायता दी जाएगी। योजना के लिए 600 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। दलहन और तिलहन के फसलों को समर्थन मूल्य पर खरीदे जाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के साथ क्लब किया गया है।

वित्त मंत्री ने कहा- स्वास्थ्य योजनाओं के लिए 1500 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है। सिकल सेल स्क्रीनिंग केंद्र की स्थापना के लिए प्रथम चरण में 50 विकासखंड में 1850 करोड रुपए का प्रावधान। डॉ भीमराव अंबेडकर चिकित्सालय रायपुर स्थित एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट एशिया के कार्डियोलॉजी विभाग का विस्तार किया जा रहा है। मेकाहारा में सारे 28 करोड़ की तीन एमआरआई मशीन, 26 करोड़ के 256 स्लाइस सिटी स्कैन मशीन लगाई जाएगी।

महतारी वंदन योजना के लिए बड़ा बजट दिया गया है। पिछली बार की तुलना में इस बार 2500 हजार करोड़ रुपये अधिक दिए गए हैं। पिछली बार 3000 करोड़ का प्रावधान रखा गया था।

बजट को बघेल ने बताया 'सिंगल माइक पॉडकास्ट'

कहा- भाषण था या कवि सम्मेलन, जनता के लिए कोई राहत नहीं, ये दुर्गति का बजट

रायपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में वित्त मंत्री ओपी चौधरी 25वां बजट पेश किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रतिक्रिया देते हुए बजट को शब्दजाल बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा ये था क्या? ये बजट भाषण था या गणतंत्र दिवस का भाषण था या किसी कवि सम्मेलन की भूमिका थी?

भूपेश बघेल इसे छत्तीसगढ़ की दुर्गति का बजट कहा। उन्होंने कहा कि पहले ज्ञान की दुर्गति हुई, अब गति की दुर्गति होने वाली है।

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि ये सिर्फ कोरी कल्पना का बजट है। लोगों की आमदनी कम होगी। गरीब और गरीब होंगे। पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि ये बजट ऊंचा दुकान फीका पकवान है। ये धरातल की वास्तविकता से दूर है। साल भर में कोई काम हुआ नहीं। ये केवल लोगों के आंख में धूल झोंकने वाली बातें हैं। वहीं छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, बजट गति के साथ काम को पूरा करने वाला होगा। इस बार बजट में पेट्रोल का रेट कम हुआ है। कुछ टैक्स कम हुए हैं।

इसके बावजूद पूंजीगत व्यय 22 हजार करोड़ से 26 हजार करोड़ हुआ है, जो बड़ी बात है।

सस्ती होगी विदेशी शराब, 40 से 3000 तक प्रति बोतल घटेगा दाम

सरकार ने 9.5% आबकारी शुल्क किया खत्म, साय कैबिनेट का फैसला

रायपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अब शराब सस्ती होगी। बजट से ठीक एक दिन पहले साय कैबिनेट की बैठक में इसे लेकर फैसला किया गया है। अंग्रेजी शराब पर लगने वाला 9.5% आबकारी शुल्क खत्म किया गया है। इससे हर बोतल पर 40 रुपए से 3 हजार रुपए तक दाम घट जाएंगे। रविवार को मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में इसके अलावा कुछ विधेयकों को भी मंजूरी दी गई।

बैठक के बाद प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आबकारी विभाग को लेकर किए गए फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में ये फैसला किया गया है। ये भी तय किया गया है कि साल 2025-26 की आबकारी नीति साल 2024-25 की तरह ही होगी।

आबकारी विभाग की सचिव, आर संगीता ने क्या कहा- अतिरिक्त आबकारी शुल्क, जो छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन के मदिरा क्रय के दर पर 9.5% राशि के बराबर होता है, इसे खत्म किया गया है। इससे अंग्रेजी शराब जो मीडियम रेंज और हाई रेंज की हैं, उनके दाम कम होंगे। इसके चलते दूसरे स्टेट से छत्तीसगढ़ में होने वाली शराब तस्करी पर रोक लगेगी। पहले दूसरे राज्यों की शराब सस्ती होने के चलते यहां तस्करी होती थी।

2025-26 में 674 मदिरा दुकानें और प्रीमियम मदिरा दुकानें संचालित करने का फैसला भी जस का तस रखा गया है। देशी शराब की आपूर्ति पहले जैसी ही रहेगी और पुरानी कीमत पर ही उपलब्ध होगी। विदेशी मदिरा थोक क्रय, वितरण छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा होगा। मदिरा पर लागू अधोसंरचना विकास शुल्क भी जिस तरह पहले लगता था लगेगा। कैबिनेट में ये भी तय किया गया है कि छत्तीसगढ़ उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में लंबित मामलों के तत्काल निराकरण और उपभोक्ता मामलों की समयबद्ध सुनवाई के लिए सदस्य का नया पद निकाला जाएगा। खरीफ विपणन वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के समर्थन मूल्य योजना में धान और चावल परिवहन की दर के लिए गठित राज्य स्तरीय समिति की अनुशंसा दर को स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया है। वर्ष 2025-26 की आबकारी नीति वर्ष 2024-25 की तरह ही होगी। 674 मदिरा दुकानें और जरूरत के मुताबिक प्रीमियम मदिरा दुकानें संचालित करने का फैसला भी यथावत रखा गया है। विदेशी मदिरा थोक क्रय और वितरण छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन लिमिटेड से होगा। मदिरा पर लागू अधोसंरचना विकास शुल्क पहले की तरह रहेगा।

विदेशी मदिरा फुटकर दुकानों पर 9.5 प्रतिशत की दर से लगने वाला अतिरिक्त आबकारी शुल्क समाप्त होगा। छत्तीसगढ़ लोक परिसर (बेदखली) (संशोधन) विधेयक-2025 के प्रारूप को मंजूरी मिली है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के हित को देखते हुए ई-प्रोक्योरमेंट के लिए गठित सशक्त समिति को समाप्त करने का निर्णय लिया।

ट्रैक्टर की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

एक्स-रे सेंटर के पास हुआ हादसा ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

धनबाद, 3 मार्च (एजेंसियां)। धनबाद के कुमारधुबी में नीतू एक्स-रे क्लीनिक के पास सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ।

एक ट्रैक्टर ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार एग्यारकुण्ड दक्षिण पंचायत के 36 वर्षीय टिंकू दुबे की मौके पर ही मौत हो गई।

इधर, ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। पुलिस के समझाने के बावजूद लोग उग्र हो गए। उन्होंने सड़क पर खड़ी गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचाया।

वहीं, मृतक की भाभी ने बताया कि वे एक्स-रे कराने आए थे। वह एक्स-रे के लिए अंदर गईं और टिंकू पेट्रोल भरवाने के लिए स्कूटी स्टार्ट कर रहे थे। इसी दौरान सड़क से नीचे उतरते समय ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रैक्टर चालक की पिटाई की। सूचना मिलते ही गलफरबाड़ी ओपी प्रभारी दीपक कुमार दास के नेतृत्व में पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ट्रैक्टर चालक को गलफरबाड़ी ओपी ले गई।

पुलिस को वहां से हटना पड़ा। मुगमा चिरकुण्डा जीटी रोड पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और जाम जारी है।

ट्रम्प ने रूस के खिलाफ साइबर ऑपरेशन रोके

कार्रवाइयों का रिव्यू भी करेगा अमेरिका, यूक्रेन जंग पर साथ लाने की कोशिश

वॉशिंगटन, 3 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने रूस के खिलाफ साइबर ऑपरेशन पर रोक लगा दी है। रक्षामंत्री पीट हेगसेथ इसके लिए अमेरिकी साइबर कमांड को आदेश दिए है। पेंटागन से जुड़े एक खुफिया अधिकारी के मुताबिक, ये आदेश ट्रम्प और जेलेंस्की की मुलाकात से पहले ही दे दिए गए थे।

इसका मकसद यूक्रेन जंग को खत्म करने के लिए, रूस को बातचीत में शामिल करना था। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प प्रशासन रूस के खिलाफ की जाने वाली सभी कार्रवाइयों का रिव्यू कर रहा है। हालांकि इस बारे में सार्वजनिक तौर पर जानकारी नहीं दी गई है।

विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को कहा कि यूक्रेन के मुद्दे पर रूस को बातचीत की टेबल पर लाना जरूरी है। मार्को ने कहा कि अगर पुतिन के प्रति विरोधी रवैया अपनाया जाता है, तो उन्हें टेबल पर नहीं ला पाएंगे।

दो पूर्व अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, दो देशों के बीच कूटनीतिक और संवेदनशील बातचीत से पहले इस तरह के मिशन पर रोक लगाना आम बात है। लेकिन रूस के खिलाफ इस तरह के ऑपरेशन से पीछे हटना एक बड़ा दाव है।

अधिकारियों के मुताबिक रूस की तरफ से अमेरिकी खुफिया नेटवर्क में घुसने की कोशिश लगातार जारी है। ट्रम्प प्रशासन के पहल हफ्ते में भी रूस ने इस तरह की कार्रवाई को अंजाम दिया। रूस की ये कोशिशें, उसके लंबे समय से चले आ रहे मिशन का हिस्सा हैं। पिछले कई सालों में अमेरिकी अस्पतालों और बुनियादी ढांचे पर रैनसमवेयर (साइबर) हमले लगातार बढ़े हैं। इनमें ज्यादातर साइबर हमले रूस से हुए हैं। खुफिया अधिकारियों के मुताबिक इन आपराधिक हमलों को रूसी एजेंसियों की तरफ से मंजूरी दी गई थी।

यूरोप में भी इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं। इनमें कम्युनिकेशन केबल को काटने की कोशिश और जर्मनी की हथियार कंपनी के सीईओ की हत्या की साजिश शामिल हैं। पिछले साल इनमें तेजी भी देखने को मिली।

अमेरिका अब तक इन मामलों में यूरोप की मदद करता आ रहा है। लेकिन रूस के खिलाफ साइबर ऑपरेशन को रोकने से यूरोपीय देशों को समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिकी चुनाव में रूस का दखल बढ़ा

बाइडेन प्रशासन के दौरान अमेरिकी खुफिया विभाग ने एक रिपोर्ट जारी की थी। इस रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव में रूस का दखल बढ़ हैं। रूस ने पिछले राष्ट्रपति चुनाव में भी एक बड़ा अभियान चलाकर नतीजों को प्रभावित करने की कोशिश की थी। इससे निपटने के लिए अमेरिकी साइबर कमांड ने सीक्रेट मिशन चलाए थे। रूस के खिलाफ साइबर ऑपरेशन पर रोक लगाने वाले ट्रम्प प्रशासन के हालिया आदेश से अमेरिकी एजेंसियों को कोशिशों को झटका लग सकता है।

यूएसएएड की फंडिंग रुकने के बाद भारत का पहला ट्रांसजेंडर क्लिनिक बंद

3 शहरों में देता था सेवा

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारत में ट्रांसजेंडर लोगों का पहले मेडिकल क्लिनिक 'मित्र क्लिनिक' ने अमेरिकी मदद (यूएसएएड) रुकने की वजह से तीन शहरों में अपना संचालन बंद कर दिया। यह क्लिनिक हैदराबाद में 2021 में शुरू किया गया था। इसी इसकी दो ब्रांच ठाणे और पुणे में स्थापित की गई थी। यह क्लिनिक हजारों ट्रांसजेंडर लोगों को एचआईवी, हार्मोन थेरेपी पर गाइडेंस और जेंडर-चेंज प्रोसेस जैसी सेवाएं देता था। यूएसएएड देशों की सरकारों, एनजीओ, प्राइवेट सेक्टर और लोकल समुदायों को साथ काम करती है। इसे अमेरिकी संसद से पैसा मिलता है, जिसे ये अलग प्रोग्राम के लिए इस्तेमाल करती है। यह हेल्थ, एजुकेशन, आर्थिक विकास, लोकतंत्र और गवर्नेंस और डिजास्टर मैनेजमेंट में मदद करती है। 100 देशों में लगभग यूएसएएड काम करती है, जिनमें अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका और मिडिल ईस्ट प्रमुख हैं।

जेलेंस्की अमेरिका के साथ मिनरल डील के लिए फिर तैयार

कहा- ट्रम्प के साथ बहस का सिर्फ पुतिन को फायदा मिला

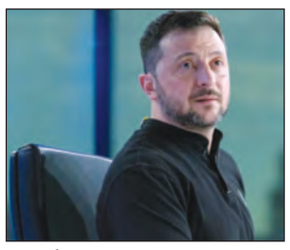

लंदन, 3 मार्च (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि वे अमेरिका-यूक्रेन मिनरल्स डील पर दस्तखत करने के लिए तैयार हैं। जेलेंस्की ने लंदन में एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि वे पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ बहस के बाद भी अमेरिका के साथ बातचीत करने को इच्छुक हैं।

जेलेंस्की ने कहा कि व्हाइट हाउस में हुई उस घटना का अमेरिका या यूक्रेन को नहीं, बल्कि सिर्फ रूसी राष्ट्रपति पुतिन को फायदा पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि अगर मुझे मिनरल डील के लिए बुलाया जाता है तो मैं व्हाइट हाउस वापस जाऊंगा।

जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी की मांग सुनी जाएगी। दोनों पक्ष इस पर सहमत होते हैं तो डील पर दस्तखत किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे बस चाहते हैं कि यूक्रेन का पक्ष भी सुना जाए। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे साझेदार याद रखें कि इस जंग में हमलावर कौन है। जेलेंस्की ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा कि हम अमेरिका की अहमियत को समझते हैं। ऐसा कोई भी दिन नहीं गुजरा, जब हमने अमेरिका का एहसान न माना हो। जेलेंस्की ने फिर कहा कि हम सभी इस बात पर सहमत हैं कि शांति के लिए सुरक्षा गारंटी जरूरी है। यह पूरे यूरोप की स्थिति है। जेलेंस्की 28 फरवरी को ट्रम्प के साथ मिनरल्स डील पर साइन करने के लिए अमेरिका पहुंचे थे, लेकिन ट्रम्प से मुलाकात के दौरान उनकी बहस हो गई। इसके बाद जेलेंस्की समझौते किए बिना ही लंदन चले गए थे। जेलेंस्की से जब पत्रकारों ने पूछा कि ट्रम्प और वेंस से बहस के बाद अब वे कैसे इसे ठीक करेंगे तो उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूक्रेन के बीच रिश्ते जारी रहेंगे। जेलेंस्की ने कहा कि अगर यूक्रेन को अमेरिका से मदद मिलना बंद हो जाती है तो इसका फायदा सिर्फ रूस को ही मिलेगा।

इससे पहले रविवार को ही जेलेंस्की ने कहा था कि रूस के कब्जे किए हुए किसी भी यूक्रेनी इलाके को हम मान्यता नहीं देंगे। जेलेंस्की ने कहा कि हमारी जमीन बिक्री के लिए नहीं है। हमारी आजादी बिक्री के लिए नहीं है। हम इस चीज के लिए बहुत बड़ी कीमत चुका रहे हैं। रूस ने हम पर ये सब थोपा है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस के साथ जंग के अंत तक पहुंचने के लिए अभी बहुत लंबा रास्ता तय करना है।

इजरायल में अवैध रूप से घुस रहे भारतीय शख्स की सीमा पर हत्या

जॉर्डन की सेना ने मारी गोली, केरल के रहने वाले थे थॉमस

अम्मान, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारत के केरल राज्य के रहने वाले थॉमस गैब्रियल परेरा की इजरायल और जॉर्डन बॉर्डर पर सुरक्षाबलों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 47 साल के परेरा की 10 फरवरी को जॉर्डन के सैनिकों ने उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी, जब वह कथित तौर पर गैरकानूनी तरीके से इजरायल में घुसने की कोशिश कर रहे थे। परेरा के साथ मेनमकुलम के रहने वाले उनके रिश्तेदार एडिसन भी थे। एडिसन भी इस दौरान गोली लगने से घायल हुए लेकिन उनकी जान बच गई। भारत की ओर से परेरा की मदद की बात कही गई है। थॉमस गेब्रियल परेरा विजिटर वीजा पर जॉर्डन गए थे। वहां पहुंचने के बाद उनकी कोशिश इजरायल में प्रवेश करने की थी। इसी दौरान उनकी जान चली गई। इस दुखद घटना पर जॉर्डन में भारतीय दूतावास ने कहा है कि दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में एक भारतीय नागरिक के दुखद निधन की जानकारी मिली है। हम मृतक के परिवार के संपर्क में हैं और जॉर्डन के अधिकारियों के साथ मिलकर उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने के लिए काम कर रहे हैं। गेब्रियल के परिवार ने रविवार को बताया कि उन्हें एक मार्च को भारतीय दूतावास की तरफ से एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें घटना के बारे में जानकारी देते हुए उनकी मौत की पुष्टि की गई। यह घटना 10 फरवरी को हुई, जब जॉर्डन के सैनिकों ने सीमा पर गोलीबारी की। गेब्रियल के रिश्तेदार एडिसन को भी गोली मारी गई, लेकिन वह बच गया। परिवार ने बताया है कि वह घायल अवस्था में घर लौट चुका है। गेब्रियल के परिवार की ओर से बताया गया है कि पांच फरवरी को वह घर से निकले थे।

उस वक्त ग्रेबियल ने तमिलनाडु में ईसाई धार्मिक स्थल वेलंकन्नी जाने की बात कही थी। बाद में पता चला कि वह पर्यटक वीजा पर जॉर्डन पहुंचे।

ब्लड डोनेट कर 20 लाख बच्चों की जान बचाने वाले जेम्स हैरीसन का निधन

उनके खून में रेयर एंटीबॉडी थी

कैनबरा, 3 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के जेम्स हैरीसन का 88 साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने 17 फरवरी को न्यू साउथ वेल्स के एक नर्सिंग होम में आखिरी सांस ली। गोल्डन आर्म के नाम से मशहूर जेम्स ने अपनी जिंदगी में 1173 बार ब्लड डोनेट करके 20 लाख बच्चों की जान बचाई। उनके ब्लड प्लाज्मा में एक रेयर एंटीबॉडी थी। इससे रीसस नाम की बीमारी से प्रभावित प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए एंटी डी नाम के इंजेक्शन बनाए जाते थे, जिससे उनका अपना खून उनके अजन्मे बच्चे पर हमला न करे। उन्होंने जिंदगी के 60 साल तक हर हफ्ते ब्लड डोनेट किया।

ट्रम्प की धमकियों का ट्रूडो की पार्टी को फायदा मिला

लिबरल पार्टी टॉप पर पहुंची, कंजरवेटिव से 26% पीछे थी, अब 2% की बढ़त

ओटावा, 3 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा और वहां के पीएम जस्टिस ट्रूडो के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। ट्रम्प ने ट्रूडो का गवर्नर ट्रूडो कहा और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने का भी प्रस्ताव दिया था। लेकिन, इन हमलों का कनाडा में सत्ताधारी ट्रूडो की लिबरल पार्टी को बड़ा फायदा मिला है।

हाल में जारी चुनावी सर्वे में लिबरल पार्टी को विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी से ज्यादा लोकप्रियता मिली है। इप्सोस के हालिया सर्वे में लिबरल को 38% और कंजरवेटिव को 36% समर्थन मिला है। छह सप्ताह पहले कंजरवेटिव पार्टी को 46% लोगों का समर्थन था, जबकि लिबरल को 12% पसंद कर रहे थे। छह सप्ताह में पार्टी की लोकप्रियता में 26% का जबरदस्त उछाल आया है।

दरअसल, ट्रम्प के हमलों के

बावजूद ट्रूडो ने कनाडा की आवाज उठाने में कोई कसर नहीं रखी। इससे लिबरल को समर्थन मिला है। इप्सोस ने कहा कि ट्रम्प विरोधी भावना और लिबरल पार्टी के नए नेतृत्व को लेकर कंजरवेटिव को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। दो और सर्वे में भी लिबरल और कंजरवेटिव को जनता का समर्थन लगभग बराबर है। लेजर पोल में कंजरवेटिव को 38% और लिबरल को 35% लोगों का समर्थन मिला है। वहीं, एकोस पोल के सर्वे में लिबरल पार्टी को 38% और कंजरवेटिव को 37% लोगों ने समर्थन जताया है।

ट्रम्प की जीत के बाद ट्रूडो उन्हें बधाई देने पहुंचे थे। इसके बाद ट्रम्प ने कहा कि गवर्गर ट्रूडो से मुलाकात हुई, अगर वे टैरिफ नहीं चाहते हैं तो अमेरिका के 51वें राज्य बन जाएं। हालांकि, ट्रूडो इस्तीफा देने की घोषणा कर चुके हैं। लिबरल पार्टी 9 मार्च को नया नेता चुनेंगे। अगला चुनाव 20 अक्टूबर तक होना चाहिए, लेकिन यह पहले भी हो सकता है। नए लिबरल नेता के पास तुरंत चुनाव कराने का विकल्प है। हाल में हुए सर्वे में दावा किया गया है कि यदि अभी चुनाव होते हैं, तो लिबरल और कंजरवेटिव दोनों ही बहुमत से पीछे रहेंगे। उन्हें छोटे दलों के समर्थन की आवश्यकता होगी।

कनाडाई नागरिक अमेरिका की यात्रा से बच रहे हैं। पीएम जस्टिन ट्रूडो ने कनाडाई लोगों से देश में छुट्टियां बिताने की अपील की है। इससे अमेरिका की यात्रा रद्द हो रही है। यूएस ट्रैवल एसोसिएशन के अनुसार, कनाडाई यात्रियों की संख्या में 10% की गिरावट से अमेरिका को 18 हजार करोड़ रुपए का नुकसान होगा।

वेस्टजेट और एयर कनाडा ने अन्य गंतव्यों की बुकिंग में वृद्धि देखी है। अमेरिकी राज्य पर्यटन बोर्ड संभावित प्रभावों के लिए तैयारी कर रहे हैं। वेस्टजेट के एलेक्सिस वॉन होन्सब्रोच ने कहा कि यह प्रतिक्रिया अनोखी थी। इसके अलावा, कनाडा के कई स्टोर से अमेरिकी प्रोडक्ट को हटाए जाने की मुहिम शुरू हो गई है। जिससे चिंता बढ़ गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के हमलों के बाद लिबरल नेताओं ने कंजरवेटिव पार्टी पर हमले तेज कर दिए। लिबरल पार्टी के लीडर के लिए हुए डिबेट में प्रमुख दावेदारों ने अमेरिका के खिलाफ कड़े कदम उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कंजरवेटिव नेता पियरे पोलीव्रे ट्रम्प के हमलों से कनाडा को नहीं बचा पाएंगे।

यूक्रेन को मिसाइल के लिए 14 हजार करोड़ देगा ब्रिटेन

ब्रिटिश पीएम बोले- जेलेंस्की का दोगुना समर्थन देंगे, अमेरिका को भरोसेमंद साथी बताया

लंदन, 3 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर यूक्रेन को 14 हजार करोड़ रुपए की मदद देंगे, जिससे यूक्रेन 5000 एयर डिफेंस मिसाइल खरीदेगा। स्टार्मर ने कहा कि ये मिसाइल ब्रिटेन के बेलफास्ट में बनाई जाएंगी, जिससे हमारे डिफेंस सेक्टर में नौकरियां बढ़ेंगीं। एक दिन पहले उन्होंने जेलेंस्की को 24 हजार करोड़ रुपए का लोन देने की बात कही थी।

स्टार्मर ने ये भी कहा कि अमेरिका कई दशकों से हमारा भरोसेमंद साथी रहा है और आगे भी बना रहेगा। ब्रिटिश पीएम ने ये बातें यूक्रेन जंग के मुद्दे पर यूरोपीय देशों की डिफेंस समिट के बाद कहीं। इस बैठक में 15 देशों के राष्ट्र प्रमुख, तुर्की के विदेश मंत्री, नाटो के महासचिव, यूरोपीय संघ और यूरोपीय काउंसिल के प्रेसिडेंट शामिल हुए। स्टार्मर ने कहा कि हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता ब्रिटिश लोगों की सुरक्षा देना और उनके हितों की रक्षा करना है, खास करके इस मुश्किल वक्त में। हमारी कोशिश यूक्रेन को मजबूत स्थिति में लाना है। हम यूक्रेन के लिए अपना समर्थन दोगुना कर रहे हैं।

स्टार्मर ने कहा कि समिट में शामिल नेताओं ने यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता जारी रखने और रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने पर सहमति जाहिर की है। किसी भी शांति वार्ता में यूक्रेन को शामिल किया जाना चाहिए।

स्टार्मर का कहना है कि समझौते में रूस को भी शामिल करना जरूरी होगा, लेकिन रूस ने इससे पहले कई बार समझौतों का उल्लंघन किया है, ऐसे में हमें यह तय करना होगा कि यूक्रेन को दी जाने वाली गारंटी पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। आगे के संघर्ष से बचने के लिए गारंटी की जरूरत है।

इस बैठक से पहले स्टार्मर ने कहा था कि ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन मिलकर रूस-यूक्रेन जंग को रोकने के प्लान पर काम करने के लिए राजी हुए हैं। ये प्लान अमेरिका के सामने रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि ये प्लान तभी काम करेगा जब अमेरिका अपनी सुरक्षा गारंटी पर टिका रहेगा।

उर्सुला वॉन डेर लेयेनः यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष ने कहा कि हमें यूरोप को तत्काल हथियारबंद करना होगा। हमें डिफेंस निवेश बढ़ाना होगा। यह यूरोपीय यूनियन की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

इमरान खान को खुद में सुधार करना होगा

पूर्व पीएम शाहिद खक्कान अब्बासी ने दी नसीहत

इस्लामाबाद, 3 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और आवाम पाकिस्तान पार्टी (एपीपी) के संयोजक शाहिद खाकान अब्बासी ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान को खुद में सुधार करना होगा, अन्यथा देश प्रगति के लिए संघर्ष करेगा।

एक स्थानीय समाचार चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व पीएम शाहिद खाकान अब्बासी ने रविवार को इस बात पर जोर दिया कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री से संबंधित मुद्दों में अमेरिका हस्तक्षेप नहीं करेगा। वहीं घरेलू राजनीतिक माहौल पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने पीटीआई के मजबूत सार्वजनिक समर्थन को स्वीकार किया, लेकिन चेतावनी दी कि यदि पार्टी अपने चार साल के कार्यकाल के दौरान अपनाए गए दृष्टिकोण

को जारी रखती है, तो इससे उसे कोई लाभ नहीं होगा। शाहिद खाकान अब्बासी ने कहा कि इमरान खान को अपनी गलतियों के बारे में सोचना चाहिए और उनकी पार्टी में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अगली सरकार ने पीटीआई की तरफ से की गई गलतियों को दोगुना कर दिया है। उन्होंने कहा, 'हम विपक्ष की सोच पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं और हमने सम्मेलन में राजनीतिक कैदियों की रिहाई के बारे में बात की है, क्योंकि देश में मुद्दे संविधान और सिद्धांतों के माध्यम से हैं।' उन्होंने कहा, 'हमने एक रवैया विकसित कर लिया है कि कभी हम एक को (सत्ता में) लाते हैं और कभी दूसरे को।

अगर देश में पाखंड खत्म हो जाए तो पीटीआई संस्थापक को भी राहत मिलेगी।' देश में पिछली महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में शाहिद खाकान अब्बासी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने परमाणु विस्फोट करने की हिम्मत इसलिए की क्योंकि भारत के कदम के बाद पाकिस्तान के पास कोई विकल्प नहीं था। शाहिद खाकान अब्बासी ने कहा कि यूरोप को रूस से खतरा है, लेकिन अमेरिका कुछ नहीं करेगा क्योंकि वह सौदेबाजी में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को रूस और यूरोप के साथ संबंधों में संतुलन लाना होगा और दोनों के बीच पुल की भूमिका निभानी होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान को सभी के साथ संबंध रखने होंगे, अमेरिका ने हमेशा मांग की है कि वह चीन के साथ संबंधों को कम करे, लेकिन बीजिंग ने कभी ऐसी मांग नहीं की, बल्कि वह सभी के साथ संबंधों को प्रोत्साहित करता है।

यूएई में उत्तर प्रदेश की महिला को फांसी

4 महीने के बच्चे की हत्या का आरोप था, 2 साल से जेल में बंद थी

दुबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। यूएई में उत्तर प्रदेश के बांदा की महिला शहजादी खान को 15 फरवरी को फांसी दी गई। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को इसकी जानकारी दिल्ली हाईकोर्ट को दी। शहजादी पर 4 महीने के बच्चे की हत्या का आरोप था। वह 2 साल से दुबई की जेल में बंद थी। कोर्ट ने 4 महीने पहले उसे फांसी की सजा सुनाई थी। विदेश मंत्रालय की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने कोर्ट को बताया कि शहजादी का अंतिम संस्कार 5 मार्च को होगा। मंत्रालय और अबू धाबी स्थित भारतीय दूतावास अंतिम संस्कार के लिए शहजादी परिवार की अबू धाबी जाने में मदद करेगा। शहजादी के पिता ने दो दिन पहले इस मामले में विदेश मंत्रालय (एमईए) से हस्तक्षेप करने की मांग करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। शहजादी के पिता ने कोर्ट में दायर याचिका में दावा किया था कि 14 फरवरी को उनकी बेटी से उन्हें कॉल पर बताया था कि उसे जेल से हॉस्पिटल ट्रांसफर दिया गया है और उसे फांसी की सजा दी जाएगी। उन्होंने अबू धाबी कानून के मुताबिक शहजादी को क्षमादान दिए जाने के लिए अबू धाबी स्थित भारतीय दूतावास को एक लेटर भी लिखा था, लेकिन कुछ नहीं हुआ। शहजादी बांदा के मटौंध थाना क्षेत्र के गांव गोयरा मुगली की रहने वाली थी।

शेख हसीना के शासन काल में अत्याचारों के रिकॉर्ड होंगे संरक्षित

क्या है यूनुस सरकार की योजना

ढाका, 3 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रशासन के तहत किए गए कथित अत्याचारों के अभिलेखों के सावधानीपूर्वक संरक्षण का आह्वान किया है। एक स्थानीय अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान, यूनुस ने इस बात पर जोर दिया कि उचित अभिलेखीय प्रणाली के बिना सच्चाई जानना और न्याय सुनिश्चित करना मुश्किल है।

मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि मुख्य सलाहकार ने संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर ग्वेन लुईस और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ हुमा खान के साथ अपनी बातचीत के दौरान शापला चत्तर में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई, देलवर हुसैन सईदी फैसले के बाद प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता और कथित न्यायेतर हत्याओं के वर्षों का हवाला दिया। इसके जवाब में, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने मानवाधिकारों के हनन के दस्तावेजीकरण में बांग्लादेश की सहायता करने की अपनी इच्छा की पुष्टि की। तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण में संयुक्त राष्ट्र की विशेषज्ञता की पेशकश करते हुए लुईस ने कहा, यह उपचार और सत्य-निर्माण की एक प्रक्रिया है।

मोहम्मद यूनुस ने जुलाई-अगस्त 2024 में हुए उत्थान के बाद संयुक्त राष्ट्र की तरफ से प्रकाशित मानवाधिकार उल्लंघन पर आधारित रिपोर्ट की सराहना की, जिससे 15 वर्षों तक चलने वाली अवामी लीग सरकार का पतन हो गया। लुईस ने बताया कि मानवाधिकार परिषद में 5 मार्च को जेनेवा में यह रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। वहीं इस बैठक में रोहिंग्या शरणार्थियों की स्थिति पर भी चर्चा की गई। लुईस ने शरणार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहायता में कमी की चिंता व्यक्त की। इस पर यूनुस ने कहा, 'हमें बहुत खुशी है कि संयुक्त राष्ट्र ने यह रिपोर्ट प्रकाशित की है, यह समय पर है'।

ब्रिटिश सरकार ने टिकटॉक, रेडिट और इम्गुर की जांच शुरू की

सोशल मीडिया कंपनियों पर क्या है आरोप

लंदन, 3 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन की गोपनीयता निगरानी एजेंसी इन्फॉर्मेशन कमिश्नर ऑफिस (आईसीओ) ने सोशल मीडिया कंपनियों टिकटॉक, रेडिट और इम्गुर के खिलाफ जांच शुरू की है। यह जांच इस बात पर हो रही है कि ये प्लेटफॉर्म 13-17 साल के बच्चों के डेटा का इस्तेमाल कैसे कर रहे हैं।

टिकटॉक की जांच क्यों हो रही है?

टिकटॉक का एल्गोरिदम यूजर्स को वीडियो सुझाने के लिए उनके डेटा का इस्तेमाल करता है। यह जांच इस बात पर है कि क्या टिकटॉक बच्चों के निजी डेटा का गलत तरीके से इस्तेमाल कर रहा है।

रेडिट और इम्गुर पर यूजर की उम्र का सही आकलन न करने का शक है। इन प्लेटफॉर्म्स को यह सुनिश्चित करना होता है कि बच्चों को उनके लिए गलत कंटेंट न दिखे।

ब्रिटेन का कानून क्या कहता है?

ब्रिटेन में सोशल मीडिया के लिए सख्त कानून बनाए गए हैं। इनमें सोशल मीडिया कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होता है कि बच्चों को गलत या हानिकारक कंटेंट न दिखे और उनकी उम्र की सही जांच की जाए। अगर जांच में कंपनियों के कानून तोड़ने के सबूत मिलते हैं, तो उन्हें पहले सफाई देने का मौका मिलेगा, फिर उन पर कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल, टिकटॉक, रेडिट और इम्गुर ने इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

टिकटॉक को लेकर ट्रंप का बड़ा फैसला

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टिकटॉक को लेकर बड़ा फैसला लिया था। इसे लेकर उन्होंने कहा था कि टिकटॉक से मिलने वाले धन को हम सॉवरेन वेल्थ फंड में डाल सकते हैं। कई देशों के पास ऐसे फंड हैं। अगर अमेरिका ऐसा फंड बनाता है तो वह सऊदी अरब के फंड के आकार को पार कर सकता है। हम इसे बनाकर ही रहेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट और वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक को फंड बनाने के लिए आधार तैयार करने का जिम्मा सौंपा था।

विधानसभा में विधायक सुभाष गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश

कांग्रेस का सदन से वॉकआउट; जूली बोले- ये लोकतंत्र की हत्या

जयपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को प्रश्नकाल के बाद आरएलडी विधायक सुभाष गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पर जोरदार हंगामा हुआ। सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने गर्ग के खिलाफ यह प्रस्ताव पेश किया, जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली।

दरअसल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने तर्क दिया कि 24 फरवरी को विधानसभा में शून्यकाल के दौरान भरतपुर के लोहागढ़ किले में रह रहे लोगों को नोटिस दिए जाने के मामले में ग़लत तथ्य प्रस्तुत कर सदन का समय नष्ट किया। उन्होंने कहा कि यह विशेषाधिकारों का हनन है और इसकी आड़ में लोगों को गुमराह करने व डराने की साजिश हो सकती है।

कांग्रेस विधायकों ने सुभाष गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने का कड़ा विरोध किया और सदन में जमकर नारेबाजी की। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस प्रस्ताव को लोकतंत्र की हत्या करार

दिया और कहा कि यदि विधानसभा में उठाए गए मामलों के आधार पर इस तरह विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाया जाएगा, तो कोई भी विधायक अपने क्षेत्र की समस्याएं सदन में नहीं रख सकेगा।

जूली ने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है और भविष्य में विधायकों पर मुकदमे दर्ज कराए जाने जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। उन्होंने कहा कि यह केवल विपक्ष ही नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष के विधायकों के लिए भी खतरा है। कांग्रेस विधायक रोहित बोहरा, हरिमोहन शर्मा, सचेतक रफीक खान और उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा ने भी इस प्रस्ताव का पुरजोर विरोध किया और इसे जनप्रतिनिधियों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया।

इस बहस के दौरान बीजेपी विधायक गोपाल शर्मा ने पलटवार करते हुए कहा अगर लोहागढ़ किले में रहने वालों को प्रशासन की ओर से नोटिस दिए गए हैं, तो इसके ठोस सबूत प्रस्तुत किए जाएं। कहीं ऐसा तो नहीं कि इन लोगों को डराकर भूमाफियाओं को फायदा पहुंचाने की साजिश हो रही हो? क्या विधायक भूमाफियाओं के चक्कर में आ गए हैं? इस बयान पर कांग्रेस विधायकों ने कड़ी आपत्ति जताई, जिससे सदन में कुछ देर तक हंगामा होता रहा।

गौरतलब है कि गहलोत सरकार में मंत्री रहे और वर्तमान में आरएलडी विधायक सुभाष गर्ग ने 24 फरवरी को स्थगन प्रस्ताव के जरिए ऐतिहासिक लोहागढ़ किले में रह रहे लोगों की समस्या सदन में उठाई थी। उन्होंने कहा था कि प्रशासन लगातार इन लोगों के मकानों को अवैध बताकर तोड़ने की धमकी दे रहा है, जिससे लोगों में सरकार के खिलाफ आक्रोश है। बता दें, अब, हफ्तेभर बाद, सरकार की ओर से इस मुद्दे को तथ्यहीन और भ्रामक बताते हुए विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाया गया है।

सदन में हंगामे के बीच विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव को विशेषाधिकार समिति (प्रिविलेज कमेटी) को भेजने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि कमेटी इस मामले की जांच करेगी और सुभाष गर्ग को अपना पक्ष रखने का मौका मिलेगा।

'पिछली सरकार को दोष देना ठीक नहीं'

गहलोत सरकार के बचाव में उतरे पायलट

बोले- किरोड़ीलाल मीणा मंत्री हैं या नहीं, किसी को नहीं पता

जयपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और राजस्थान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सचिन पायलट ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को सत्ता में आए सवा साल हो गया, लेकिन अब भी वह कांग्रेस सरकार को दोष देने में ही लगी हुई है। उन्होंने कहा कि अपनी नाकामी छिपाने के लिए पिछली सरकार को दोष देना शोभा नहीं देता।

सचिन पायलट ने कहा कि भाजपा सरकार सिर्फ घोषणाएं कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि पहला साल किसी भी सरकार के लिए बेहद अहम होता है, लेकिन भाजपा ने यह समय व्यर्थ गंवा दिया। उन्होंने भाजपा सरकार की फ्री स्मार्टफोन योजना को बंद करने के फैसले की आलोचना की और कहा कि भाजपा सरकार का ध्यान अपनी नीतियों को लागू करने पर होना चाहिए, न कि कांग्रेस सरकार की आलोचना करने पर।

कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

दरअसल, अजमेर के बिजयनगर ब्लैकमेल कांड पर पायलट ने भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार अपराध बढ़ रहे हैं, कानून व्यवस्था चरमरा गई है, लेकिन सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है।

उन्होंने मांग की कि सरकार इस मामले में सख्त कार्रवाई करे और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाए।

सरकार में ब्यूरोक्रेसी हावी- पायलट

सचिन पायलट ने आरोप लगाया कि इस सरकार में ब्यूरोक्रेसी पूरी तरह हावी हो गई है। भाजपा सरकार के भीतर भी गुटबाजी और खींचतान मची हुई है। उन्होंने कहा कि "किरोड़ी लाल मीणा मंत्री हैं या नहीं, यह किसी को नहीं पता। भाजपा को कांग्रेस की योजनाओं को रोकने की बजाय खुद की योजनाओं को लागू करने पर ध्यान देना चाहिए।

पायलट ने कहा कि वर्तमान सरकार में डॉ. किरोड़ीलाल मीणा मंत्री हैं या नहीं, किसी को पता ही नहीं है न तो उनको रखा जा रहा है, न उनको हटाया जा रहा है और ना ही उनको काम दिया जा रहा। ये जो असमंजस है, वह किसलिए है? क्या मजबूरियां हैं?

'युवाओं को नशे से दूर रहने की जरूरत'

पाली में एनएसयूआई के 'नशा छोड़ो-जीवन जोड़ो' अभियान को लेकर पायलट ने युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील की।

उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं को जागरूक करने की जरूरत है और एनएसयूआई इस दिशा में अच्छा काम कर रही है।

बता दें सचिन पायलट पाली सोमवार को पाली दौरे पर हैं, जहां वो गांधी मूर्ति सर्किल पर जनसभा को संबोधित करेंगे और सोजत तक साइकिल यात्रा में भी भाग लेंगे। उनके इस दौरे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खासा उत्साह है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बयान से हड़कंप

बोले- ऐसे शिक्षकों को अब बना दूंगा चौकीदार

सीकर, 3 मार्च (एजेंसियां)। अश्लील गतिविधियों में लिप्त राजस्थान के शिक्षकों की अब खैर नहीं है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने साफ कहा कि ऐसे शिक्षक जो विद्यालय में दुराचार व दुर्भावना करता हैं, ऐसे शिक्षक को कभी भी माफ नहीं किया जाएगा। अश्लील गतिविधियों में लिप्त शिक्षक बच भी गए तो उन्हें चौकीदार बनाया जाएगा। मंत्री के इस बयान से शिक्षकों में हड़कंप सा मच गया है।

सीकर जिले के कोटड़ी लुहारवास ग्राम पंचायत के तिवाड़ी की ढाणी में एक विद्यालय के कक्षों के लोकर्पण कार्यक्रम में पहुंचे शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर

ने कहा कि अश्लील गतिविधियों में लिप्त पाया जाने वाले शिक्षकों को बर्खास्त किया जाएगा।

नहीं पढ़ा पाएंगे 'गंदा' काम करने वाले शिक्षक

इस दौरान अगर उन्हें कोई राहत मिल भी जाती है तो उनको विद्यालय में पढ़ाई के काम में नहीं लगाएंगे। उन्हें बालक बालिकाओं की कक्षाओं में नहीं जाने देंगे उन्हें गेट पर रखकर चौकीदारी व विद्यालय परिसर में ध्यान रखने के काम में लगाया जाएगा।

चित्तौडगढ़ में गिर चुकी गाज, पाली में शिक्षक की जांच जारी

मंत्री ने कहा कि चित्तौडगढ़ में एक शिक्षक व एक शिक्षिका को अश्लीलता में लिप्त पाए जाने पर बर्खास्त कर दिया है। पाली जिले में एक शिक्षक की जांच चल रही है। अगर वो जांच सही निकलती है तो उसे भी बर्खास्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो शिक्षक अपने काम के प्रति लगन रखते हुए विद्यार्थियों को प्रति सद्भावना रखता है उसको प्रोत्साहित किया जाएगा।

रीट परीक्षा में 'जनेऊ' उतरवाने पर मदन राठौड़ ने जताई आपत्ति

सूरत अग्निकांड पर व्यापारियों को मदद का दिया भरोसा

जयपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में हुई रीट परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों के जनेऊ उतरवाने की घटना पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने नाराजगी जताई है। उन्होंने इसे एक प्रकार की अति करार दिया और कहा कि जनेऊ से कोई नकल कैसे कर सकता है? यह एक धार्मिक परंपरा का हिस्सा है, जिसे इस तरह से हटाना अनुचित है।

मदन राठौड़ ने कहा कि किसी को भी परीक्षा में नकल रोकने के नाम पर अनावश्यक रूप से परेशान नहीं किया जाना चाहिए। परीक्षा केंद्रों पर मौजूद अधिकारियों को सोच-समझकर नियम लागू करने चाहिए, जिससे किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए सरकार उचित कदम उठाएगी। मदन राठौड़ ने ये बयान जयपुर में एक प्रेसवार्ता के दौरान दिया।

इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा फ्री स्मार्टफोन योजना को बंद करने पर भाजपा सरकार की आलोचना करने पर भी मदन राठौड़ ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार ने इस योजना के नाम पर सरकारी खजाने की लूट की थी। राठौड़ के कहा कि गहलोत सरकार में जो मोबाइल फोन खरीदे गए थे, उनकी वास्तविक कीमत बहुत कम थी, लेकिन खरीद के दौरान बड़े बिल बनाए गए।

उन्होंने दावा किया कि कई स्मार्टफोन तो तकनीकी रूप से

फेल हो गए, जिससे जनता को कोई फायदा नहीं हुआ। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार जनता की भलाई के लिए योजनाएं बनाएगी, लेकिन सरकारी धन का दुरुपयोग नहीं होने देगी।

गुजरात के सूरत में टेक्सटाइल मार्केट में लगी भीषण आग से हुए नुकसान को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस हादसे में राजस्थान के सैकड़ों अप्रवासी व्यापारियों की दुकानें और करोड़ों का माल जलकर खाक हो गया। राठौड़ ने बताया कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत कर राजस्थानी व्यापारियों को हरसंभव मदद दिलाने की अपील की है।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार व्यापारियों की हरसंभव सहायता के लिए प्रयास कर रही है। बताते चलें कि इस अग्निकांड में करीब 1500 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इस बड़े नुकसान को देखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर सूरत जाएंगे और हालात का जायजा लेंगे।

राठौड़ ने बताया कि सूरत में आग से प्रभावित अधिकांश व्यापारी राजस्थान के हैं, खासकर शेखावाटी, पाली, जालोर, भीलवाड़ा और दक्षिणी राजस्थान के लोग। उन्होंने आश्वासन दिया कि राजस्थान सरकार प्रभावित व्यापारियों को राहत दिलाने के लिए पूरी कोशिश करेगी।

पहले दोस्ती, फिर रेप केस में फंसाने की धमकी देकर ऐंठने लगी रुपए

पकड़ी गई हनीट्रैप में फंसाने वाली हसीना

टोंक, 3 मार्च (एजेंसियां)। टोडारायसिंह थानांतर्गत नगरपालिका क्षेत्र से दुष्कर्म के केस में फंसाने की धमकी देकर एक युवक से रूपए ऐंठने के मामले में पुलिस ने हनीट्रैप की आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार टोडारायसिंह क्षेत्र में वांछित अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई के बीच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा मोटाराम बेनीवाल व पुलिसा उपाधीक्षक मालपुरा आशीष प्रजापत की देखरेख में थानाधिकारी हरिराम की अगुवाई में टीम गठित की गई। आरोपी महिला के खिलाफ कस्बा निवासी सुरेन्द्र माली ने मामला दर्ज कराया।

जिसमें बताया कि आरोपी महिला ने उससे दोस्ती करने के बाद रेप के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर रूपए ऐंठने लगी। करीब डेढ़ लाख वसूली करने के बाद फिर से पांच लाख रूपए की मांग कर रही थी। पुलिस ने उक्त मामले की जांच कर करते हुए टोडारायसिंह निवासी शाहिना बानो पुत्री सोकत अली को गिरफ्तार कर लिया।

सड़क निर्माण में लापरवाही बनी दो युवकों की मौत की वजह, गुस्साए ग्रामीणों ने लगाया जाम

चित्तौड़गढ़, 3 मार्च (एजेंसियां)। जिले में भादसोड़ा-सांवलियाजी मार्ग पर सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। भादसोड़ा से सांवलियाजी के बीच चल रहे सड़क निर्माण कार्य में डाले गए पत्थरों के कारण यह हादसा हुआ है। ऐसे में लोगों ने ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मार्ग जाम कर दिया। जाम की सूचना के बाद दो पुलिस थानों का जाप्ता मौके पर पर पहुंचा और ग्रामीणों से समझाइश की। वहीं प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचा और संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

भादसोड़ा से सांवलियाजी मार्ग पर फोरलेन का निर्माण कार्य चल रहा है। ऐसे में ठेकेदार ने मुख्य सड़क पर ही पत्थर डाले हुए हैं। नपानिया ग्राम पंचायत के भैरूखेड़ा निवासी कमलेश (18) पुत्र मदन पूरी तथा युवराज सिंह (16) पुत्र लक्ष्मण सिंह दोनों बाइक पर सांवलियाजी से अपने गांव जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में सड़क निर्माण को लेकर खंडे डाले हुए थे, जिससे इनकी बाइक पत्थरों पर चढ़कर दुर्घटनाग्रस्त हो गई और पत्थरों पर गिरने के कारण इन दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटनास्थल से गुजर रहे राहगीरों ने दोनों को मंडफिया चिकित्सालय पहुंचाया। सूचना मिलने पर भादसोड़ा व मंडफिया दोनों ही थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई और परिजनों को भी सूचना दी गई। ऐसे में बड़ी संख्या में परिजन रात को चिकित्सालय में एकत्रित हो गए। इतना ही नहीं सोमवार सुबह ग्रामीणों ने एक बार तो चिकित्सालय के सामने ही जाम लगा दिया। बाद में पुलिस की समझाइश पर ग्रामीण वहां से हटे लेकिन फिर दुर्घटनास्थल पर जाम लगा दिया। इससे मार्ग के दोनों ही तरफ वाहनों की कतार लग गईं। सूचना मिलने पर भादसोड़ा थानाधिकारी घेवरचंद और मंडफिया थानाधिकारी गोकुल डांगी मौके पर पहुंचे। इस दौरान ग्रामीणों ने ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तारी मांग की। जाम की सूचना पर नायब तहसीलदार शिवशंकर पारीक ने मौके पर पहुंच ग्रामीणों से बातचीत की लेकिन ग्रामीण जाम खोलने को तैयार नहीं हुए।

महायज्ञ के दौरान हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा करने के नाम पर पांच लाख ठगे

टोंक, 3 मार्च (एजेंसियां)। धार्मिक कार्यक्रमों में हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा करने के मामले में ठगी करने वाले मुख्य आरोपी को मालपुरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

आरोपी ने मालपुरा में श्री घाटी बालाजी में महायज्ञ के दौरान हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा करने के नाम पर पांच लाख रुपये की ठगी की थी।

जिले की मालपुरा थाना पुलिस ने धार्मिक कार्यक्रमों में हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कराने के नाम पर ठगी करने के आरोप में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। घटना के अनुसार मालपुरा में श्री घाटी बालाजी मंदिर विकास समिति द्वारा घाटी बालाजी में महायज्ञ का आयोजन किया गया था। 11 फरवरी को आयोजित इस महायज्ञ में हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कराने के नाम पर आरोपी ने 5 लाख रुपये की ठगी की।

मिली जानकारी के अनुसार मालपुरा के पुरानी तहसील माणक चौक निवासी बादल सिंह पुत्र गणेश माली ने इस संबंध में 12 फरवरी को मालपुरा थाना में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। मामले की गंभीरता को

देखते हुए टोंक एसपी विकास सांगवान, एएसपी मालपुरा मोटाराम और डीएसपी आशीष प्रजापत के निर्देश पर एएसआई रामनारायण गुर्जर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

विशेष टीम ने आरोपी की तलाश जालौर और अहमदाबाद में की, जहां से भीनमाल निवासी प्रभुदयाल राव पुत्र मोटाराम को अहमदाबाद से डिटेन कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी से 1.44 लाख रुपये की ठगी की राशि बरामद की है। इसके अलावा आरोपी के खिलाफ जालौर के जसवंतपुरा में भी इसी प्रकार की ठगी का एक मामला पहले से दर्ज है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

राजस्थान की दुल्हन का मध्य प्रदेश में अपहरण

फिल्मी स्टाइल में आए बदमाश; दूल्हे को पीटा तो लड़की बोली 'आकाश इसे मत मारो'

सवाई माधोपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। अशोकनगर से शादी के बाद विदाई होकर अपने ससुराल सवाईमाधोपुर के पचीपल्या गांव जाते समय दुल्हन का गुना के रूठियाई के पास बदमाशों ने अपहरण कर लिया। इस दौरान दूल्हा विक्रम ने विरोध किया तो उससे बदमाशों ने मारपीट की।

सूचना पर पुलिस ने बदमाशों की कार का पीछा किया और देवास के पास पकड़ लिया। बदमाशों ने यह अपहरण प्रेम-प्रसंग के चलते किया था। बदमाश अलग-अलग जिले के बताए गए हैं। पांच बदमाशों को फिलहाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दो फरार हैं। वारदात में प्रयुक्त कार भी जब्त कर ली है। विक्रम के अनुसार कार से सात-आठ लोग उतरे और उन्होंने चाकू से गाड़ी के विंडो ग्लास तोड़ दिए। उन लोगों ने मुझे कार से उतारा और मारपीट की। पिटाई करने में आकाश नाम का एक युवक शामिल था। यह नाम दुल्हन लेकर कह रही थी कि आकाश इसे मत मारो। इसके बाद दुल्हन को अपनी कार में बैठाकर भाग निकले। इतना ही नहीं, बदमाशों ने गाड़ी के टायर भी पंचर कर दिए थे। इसके बाद हमने रूठियाई पुलिस चौकी पहुंचकर सूचना दी। पुलिस अधीक्षक संजीव सिंहा के अनुसार जैसे ही इस घटना की सूचना मिली, इसके बाद धरनावदा पुलिस थाना प्रभारी प्रभात कटारे के नेतृत्व में एक टीम को इनकी तलाश में लगाया। टोल प्लाजा पर स्कार्पियो के निकलने की खबर के आधार पर पीछे किया और बदमाश देवास तक पहुंच पाए, वहां पकड़ लिए गए। इन बदमाशों में दो बदमाश खातेगांव देवास के भी हैं, इनके अलावा दूसरे बदमाश अन्य जगहों से हैं। बदमाशों के अलावा दुल्हन से भी पूछताछ की जा रही है।

17 मुकदमे पहले ही दर्ज, फिर भी कर ली मजिस्ट्रेट के घर चोरी

अलवर, 3 मार्च (एजेंसियां)। रामगढ़ में करीब 2 महीने पहले मजिस्ट्रेट के घर पर हुई चोरी के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आश्चर्य की बात ये है कि आरोपी के खिलाफ थाना विजय मंदिर, लक्ष्मणगढ़, एनईबी, सदर अरावली विहार में कुल 17 मुकदमे पहले से ही दर्ज है। इतने मुकदमे दर्ज होने के बाद भी वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया।

इससे पूर्व दो नाबालिग निरुद्ध किए थे। रामगढ़ थाना अधिकारी

विजेंद्र सिंह के अनुसार मुय आरोपी अब्दुल्ला उर्फ असदुद्दीन पुत्र रुजदार उर्फ गोपी मेव निवासी सामोला पुलिस थाना अरावली विहार है। आरोपी ने वारदात को अंजाम देने के तरीके के बारे में बताया कि सबसे पहले कस्बे की खेड़ी रोड पर मौजूद मकान की रेकी की गई। 21 दिसंबर 2024 की रात्रि को तीनों आरोपियों ने पहचान छिपाने के लिए मुंह पर कपड़ा बांध लिया। मोटरसाइकिल को गेट के बाहर खड़ा कर एक आरोपी को बाहर निगाह रखने को कहा शेष दो ने घर के अंदर से आभूषण, नकदी आदि की चोरी की। मुख्य आरोपी अब्दुल्ला का आपराधिक रिकॉर्ड निकलवाया गया, जिसमें विभिन्न स्थानों में इसके खिलाफ लूट सहित चोरी के मामले दर्ज है।

चार सौ रुपये की उधारी को लेकर 10 साल के मासूम का सिर कुचलकर हत्या की

सीकर, 3 मार्च (एजेंसियां)। जिले के जीणमाता थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां महज 400 रुपये की उधारी को लेकर 10 साल के मासूम की बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोपी ने बच्चे के सिर पर पत्थर से वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया और शव को खंडहर में फेंक दिया। जीणमाता थाना पुलिस के मुताबिक मुख्य बस स्टैंड के पास स्थित वन विभाग की पुरानी चौकी के नजदीक एक खंडहरनुमा धर्मशाला में लहूलुहान हालत में एक बच्चे का शव मिला। शव की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और आसपास के लोगों से शव की पहचान कराई। स्थानीय लोगों ने मृतक की पहचान सुनील (10) पुत्र दिहाड़ी मजदूर निर्मला देवी के रूप में की। सफाईकर्मी मनोज वाल्मीकि ने सबसे पहले शव को देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉड ने भी साक्ष्य जुटाए। पुलिस को मौके से खून से सना हुआ एक बड़ा पत्थर मिला, जिससे बच्चे की हत्या की गई थी।

मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों से फसलों की स्थिति के बारे में जानकारी ली

किसानों के बीच जागरूकता पैदा करने के निर्देश

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की और फसलों की स्थिति, आवासीय विद्यालयों के कामकाज और सिंगल यूज प्लास्टिक के उन्मूलन के लिए पहल का जायजा लिया। उन्होंने कलेक्टरों से फसलों के लिए पानी के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए बहुत सतर्क रहने को कहा। उन्होंने कहा कि हालांकि पिछले साल की तुलना में शुद्ध खेती योग्य क्षेत्र में वृद्धि हुई है, लेकिन जल स्रोतों में पानी की उपलब्धता बहुत अच्छी है और इसे सावधानीपूर्वक चैनलाइज़ किया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यासंगी मौसम का अच्छी तरह से ध्यान रखा जाए। उन्होंने यह भी देखा कि राज्य बिजली आपूर्ति की स्थिति से संतुष्ट है, इसलिए अगले दस दिनों के दौरान बिजली और पानी की आपूर्ति को सावधानीपूर्वक समन्वित किया जाना चाहिए।

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों को निर्देश दिया कि वे यह देखें कि मंडल स्तर की टीमों का गठन करके जमीनी स्तर पर प्रभावी प्रबंधन हो, जो स्थानीय मुद्दों की पहचान करें और देखें कि उनका समाधान किया जाए। उन्हें किसानों के बीच जागरूकता पैदा करनी चाहिए कि पानी और बिजली पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

मुख्य सचिव ने आवासीय विद्यालयों में वरिष्ठ अधिकारियों के दौरे के बाद आहार और अन्य बुनियादी ढांचे के मुद्दों में दिखाई देने वाले प्रत्यक्ष परिवर्तन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कलेक्टरों को उनकी पहल के लिए बधाई दी और कलेक्टरों को सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसका उद्देश्य छात्रों के लिए बेहतर परिस्थितियाँ बनाना है। उन्होंने कलेक्टरों से लोगों में एकल उपयोग प्लास्टिक के उन्मूलन के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए समयबद्ध कार्य योजना बनाने को कहा। सचिव कृषि रघुनंदन राव, सचिव माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कृष्ण आदित्य, निदेशक कृषि गोपी, वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए।

विवाहित महिला की संदिग्ध मौत

सिरपुर कागजनगर/आसिफाबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पेंचिकलपेट मंडल में सोमवार को एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। लोद्दुपल्ली गांव की गुरला ललिता (35) नामक विवाहिता की गांव में पास के बागान में आम के पेड़ के पास संदिग्ध परिस्थितियों लाश मिली है। सोमवार की सुबह मृतक की चाची लक्ष्मी, जो वहां कृषि कार्य के लिए गई थी, ने शव देखा और परिवार और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सीआई श्रीनिवास राव और एसआई कोमुरैया घटना स्थल पर पहुंचे। जांच डॉग स्क्वायड और सुराग टीमों की मदद से की गई। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए कागजनगर सरकारी अस्पताल ले जाया गया है। मृतक की मां ने पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में कहा कि वह और उसका दामाद गणेश पिछले कुछ दिनों से उसे परेशान कर रहे थे और उन्हें संदेह था कि उसके दामाद ने उसके बच्चे की भी हत्या कर दी है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और कहा है कि जांच जारी है। मृतक के एक पुत्र और एक पुत्री हैं।

जयेश रंजन ने टी-वर्क्स में लिविंग टेंपल आर्ट फेस्टिवल का दौरा किया

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विशेष मुख्य सचिव, आईटीईएंडसी जयेश रंजन ने टी-वर्क्स में लिविंग टेंपल आर्ट फेस्टिवल का दौरा किया। लिविंग टेंपल बहुत मेहनत से तैयार की गई एक अद्भुत प्रदर्शनी है और यह बहुत आश्चर्यजनक है कि ये महान कलाकार टी वर्क्स में अपने काम को प्रदर्शित करने के लिए एक साथ आए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के बड़े पैमाने के आयोजन को तीन दिनों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। यह आयोजन एक शानदार सफलता थी, जिसमें भारतीय मंदिर कला की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। स्मिता सभरवाल, आईएएस, प्रधान सचिव, तेलंगाना पर्यटन, संस्कृति और विरासत ने उल्लेख किया कि ऐसे आयोजन हैदराबाद के कैलेंडर इवेंट होने चाहिए। आगंतुकों ने परंपरा और कला का एक बेहतरीन संगम देखा, जिसमें प्रत्येक कृति भारत की समृद्ध मंदिर संस्कृति से जुड़ी एक अनूठी कहानी प्रस्तुत करती है। कई कला प्रेमियों ने वैदिक प्रतीकों पर डॉ. वृता गोरिक और सुरेश के. शानमुगन द्वारा केरल भित्ति कला पर कार्यशालाओं में भाग लिया। फिल्म निर्माता स्वप्ना दत्त और

प्रियंका दत्त, उद्यमी शिल्पा रेड्डी, प्रख्यात कला निर्देशक थोटा थारानी, वास्तुकार कल्पना रमेश को रचनात्मक प्रक्रिया का आनंद लेते हुए देखा गया। इस कार्यक्रम को न केवल भारतीय मंदिर कला का जश्न मनाने के लिए एक मंच के रूप में डिज़ाइन किया गया है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन सांस्कृतिक खजानों को संरक्षित करने के लिए कार्रवाई का आह्वान भी किया गया है। इस कार्यक्रम ने आगंतुकों को पहले ही विस्मय में डाल दिया है! कला के अपने उल्लेखनीय संग्रह के साथ, कला, विरासत पर्यटन और द मिसिंग लिंक जैसे विषयों पर आकर्षक पैनल चर्चा द्वारा पूरक। इस कार्यक्रम में आकर्षक प्रदर्शनों और सांस्कृतिक प्रदर्शनों की एक श्रृंखला भी शामिल है, जो भारत की सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत को संरक्षित करने पर प्रदर्शनी के जोर को पूरक बनाती है। प्रदर्शनी में थोटा थरानी, अमर रमेश, दृढा, चरणजीत, परनवी बांगर, रायन्ना गिरिधर गौड़, संगम वानखड़े, विनोद दारोज और कई अन्य सहित 30 से अधिक कलाकारों की विविध कृतियों को प्रदर्शित किया गया है। प्रत्येक कलाकार का काम मंदिर कला और संरक्षण के विषय की खोज करता है, जो प्राचीन परंपराओं पर नए दृष्टिकोण प्रदान करता है। यह कार्यक्रम व्यक्तिगत कलाकारों के कुछ अनूठे योगदानों पर प्रकाश डालता है। उदाहरण के लिए, डॉ. जनार्दन राव हवंजे कर्नाटक से कावी भित्ति चित्र कला में अपनी विशेषज्ञता लाते हैं, जो पारंपरिक तरीकों को आधुनिक संवेदनाओं के साथ मिलाते हैं। कृष्णमूर्ति लालजी पार्षद बनारस की पौराणिक कथाओं और आध्यात्मिक ऊर्जा से प्रेरित मूर्तियां बनाते हैं, जबकि मसुराम रवि कांत स्मृति और पौराणिक कथाओं के प्रतिच्छेदन में जाने के लिए मिश्रित मीडिया का उपयोग करते हैं। एन. रामचंद्रन, ओम सूर्या और परनवी बांगर जैसे कलाकार भौतिक नवाचार, स्मृति गंगुनायडू और रुशिकेश संजय चंदगुडे प्रिंटमेकिंग और मेटलवर्क में अपने-अपने अभ्यासों के माध्यम से भारत के प्राचीन मंदिरों के जटिल डिजाइनों और नक्काशी को संरक्षित करने का काम करते हैं। संगम वानखड़े की पत्थर की मूर्तियां मंदिरों की अस्थायित्व की खोज करती हैं, जबकि संजय दास की फोटोग्राफी लुप्त होती स्थापत्य परंपराओं को संग्रहित करती है। इस कार्यक्रम में गिरिधर गौड़, दुर्गा प्रसाद और मसुराम रविकांत जैसे तेलुगु कलाकार भी शामिल हैं। भद्राचलम से तेलंगाना के नाइकपोड़ मुखौटों ने बहुत ध्यान आकर्षित किया। लिविंग टेम्पल आर्ट फेस्टिवल अब एक वार्षिक उत्सव होगा और हैदराबाद के पर्यटन सर्किट पर सबसे अच्छे कैलेंडर कार्यक्रमों में से एक बनने की आकांक्षा रखता है। लोगों की मांग पर शो को 4 मार्च तक बढ़ा दिया गया है।

एनएचआरसी ने मैक्स इंफ्रा के निदेशक के खिलाफ जमीन हड़पने का मामला दर्ज किया

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), नई दिल्ली ने मैक्स इंफ्रा (आई) प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक बीवीवीएसएन राजू के खिलाफ मामला संख्या 61/36/9/2025 दर्ज किया है। राजू का कार्यालय हैदराबाद के माधापुर में है। उन्होंने रंगारेड्डी जिले के अब्दुल्लापुरमेंट मंडल के पेद्दा अंबरपेट नगर पालिका के निवासी पंडी पेंटैया की जमीन अवैध रूप से हड़पने का आरोप लगाया है। आज यहां एक प्रेस नोट में बताया गया कि पीड़ित के पास अब्दुल्लापुरमेट राजस्व में 424.24 वर्ग गज खुली जमीन थी, जिसकी वर्तमान बाजार कीमत 4 करोड़ रुपये है। लेकिन आरोपी बीवीवीएसएन राजू ने उसकी जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया और उसे धमकाया भी। पीड़ित ने दिल्ली में मानवाधिकार कार्यकर्ता सुधाकर राव से संपर्क किया और एनएचआरसी में मामला दर्ज करने का अनुरोध किया।

होली के दौरान एससीआर चलाएगा विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। होली के त्यौहार के दौरान यात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) चर्लापल्ली और हजरत निजामुद्दीन के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगा। तदनुसार, चर्लापल्ली-हज़रत निज़ामुद्दीन सेवा 6, 12 और 16 मार्च को तथा एच. निज़ामुद्दीन-चर्लापल्ली सेवा 8, 14 और 18 मार्च को चलेगी। एससीआर ने कहा कि इन विशेष ट्रेनों में 2एसी, 3एसी, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे होंगे।

कविता ने पोस्ट कार्ड आंदोलन शुरू किया

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष और बीआरएस पार्टी की एमएलसी कलवकुंतला कविता ने कांग्रेस पार्टी द्वारा महिलाओं से किए गए वादों को लागू न करने के लिए रेवंत रेड्डी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस पार्टी महिलाओं को धोखा देने की कोशिश करेगी तो वह हार जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उन्होंने मांग की कि इस महीने की 8 तारीख तक महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह दिए जाएं और सभी वादों पर कार्रवाई की घोषणा की जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि राज्य सरकार को वारंगल में स्थापित किए जाने वाले हवाई अड्डे का नाम काकतीय शासक रानी रुद्रमादेवी के नाम पर रखना चाहिए। इस अवसर पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, एमएलसी कविता ने चेतावनी दी कि यदि राज्य सरकार 8 मार्च तक वादों के कार्यान्वयन पर घोषणा नहीं करती है, तो 10,000 महिलाएं 10,000 गांवों में जाएंगी और हम सभी गांवों में महिलाओं के लिए इकट्ठा होंगे और सभी गांवों की महिलाओं के लिए लाखों पोस्टकार्ड बनाएंगे और उन्हें कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को भेजेंगे। सोनिया गांधी के नाम पर, कांग्रेस पार्टी ने महिलाओं के वोट मांगे। हम सोनिया गांधी को लाखों पोस्टकार्ड भेजेंगे, उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम रेवंत रेड्डी महिलाओं के बारे में मानवीय रूप से नहीं सोच रहे हैं और रेवंत रेड्डी सरकार महिलाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है।

संपत्ति विवाद को लेकर युवक ने मां को चाकू घोंपकर की हत्या

संगारेड्डी, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलपुर नगरपालिका के डिविनो विला में एक युवक ने अपनी मां की कई बार चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी कार्तिक रेड्डी (26) शराब पीने का आदी था। वह अपने खर्चों को पूरा करने के लिए अपनी संपत्ति में हिस्सा मांगने के लिए अपने माता-पिता से झगड़ा करता था। सोमवार की सुबह इसी तरह के एक विवाद में कार्तिक ने अपनी मां राधिका (52) पर चाकू से आठ बार वार किया। उन्हें इलाज के लिए कॉर्पोरेट अस्पताल ले जाया गया। कुछ घंटों बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। जांच जारी है।

बैंकों और एटीएम को सुरक्षा प्रणाली अपडेट करनी चाहिए : सीपी

राचकोंडा पुलिस ने किया सुरक्षा का क्षेत्रीय निरीक्षण

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के महेश्वरम के रविरयाल गांव में एक एटीएम केंद्र में हाल ही में हुई डकैती ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या बैंकों ने अपनी सुरक्षा प्रणालियों को उन्नत किया है। इस घटना के अलावा, कुछ दिन पहले बिहार के एक अंतरराज्यीय लुटेरे गिरोह ने बीदर में एटीएम में पैसे भर रहे कैश मैनेजमेंट स्टाफ पर गोलियां चलाईं और 93 लाख रुपये की नकदी लूट ली। बीदर से लुटेरे गिरोह अफजलगंज आया और एक ट्रैवल कंपनी के स्टाफ पर गोलियां चलाकर भाग निकला। ऐसी घटनाओं से हैदराबाद में एटीएम और यहां तक कि बैंकों में ग्राहकों और नकदी की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ जाती हैं।

ऐसे मामलों को समझने और उनका समाधान खोजने के लिए, हाल ही में राचकोंडा पुलिस ने आयुक्तालय के अंतर्गत विभिन्न बैंकों की 489 शाखाओं का दौरा करके एटीएम और बैंकों में सुरक्षा का क्षेत्रीय निरीक्षण किया। शीर्ष पुलिस अधिकारी के निष्कर्ष उत्साहजनक नहीं थे। पाया गया कि आधे से अधिक बैंक अभी भी पुरानी सुरक्षा प्रणाली का उपयोग कर रहे हैं। आरबीआई ने साफ तौर पर कहा है कि एटीएम या बैंक में किसी भी तरह की घटना होने पर स्थानीय पुलिस स्टेशन को अलर्ट करने के लिए सिस्टम होना चाहिए। ऐसे सिस्टम के बिना चोरों का काम आसान होता जा रहा है।

राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने इस समस्या की पहचान की और पहले बैंक प्रतिनिधियों से मुलाकात कर इस समस्या को दूर करने का अनुरोध किया था। हालांकि, इस दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। आयुक्त ने कहा कि यह पाया गया कि कई बैंकों में घटिया स्तर की इमारतें, कमजोर सुरक्षा व्यवस्था और लॉकिंग सिस्टम, सतर्कता की कमी या सुरक्षा गार्डों की नियुक्ति न होना, पुरानी अलार्म प्रणाली, सीसीटीवी का अभाव और डेटा फुटेज का केवल एक बार बैकअप होना जैसी कमियां थीं।

भावसार क्षत्रिय चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्री विठ्ठल रुक्मिणी मंदिर जियागुड़ा में किशन राव कालेकर, सुमन कालेकर के सहयोग से जरूरतमंद भावसार बंधुओं को एक थैली चावल, अचार और साड़ी बांटे गए। अवसर पर उपस्थित ट्रस्टी अध्यक्ष डॉक्टर प्रशांत नीमकर उपाध्यक्ष जयहिंद राव बासुतकर, श्याम नीमकर, आनंद सुत्रावे, तेलंगाना अध्यक्ष श्री उमेश जैतने, चंद्रकांत पतंगे, समाज सेवी गोपाल बलदवा, जवलकर अनिता श्रीधर, पोटे सुनीता वसंत, खोले बबीता मनीष, जवलकर रंजीता लक्ष्मीकांत, डॉ. गोपाल राव ढगे एवं अन्य भावसार बंधुओं ने भाग लिया।

अग्रोहा को-आपरेटिव अर्बन बैंक के अंशधारकों की बैठक

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रोहा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की दूसरी आम सभा की बैठक घांसी बाजार स्थित बैंक परिसर में संपन्न हुई जिसमें बैंक की प्रगति की विस्तार से अंशधारकों को जानकारी दी गई।

आज यहां अग्रोहा बैंक के चेयरमैन रतन गुप्ता ने सभी अंशधारकों का स्वागत करते हुए बैंक की आंकड़ों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि बैंक को वित्त वर्ष में दो आम सभाएं आयोजित करनी है और यह वित्तीय वर्ष 2024-2025 में दूसरी बैठक है। बैंक के प्रदर्शन और गतिविधियों के संबंध में बैंक में जमा और अग्रिम में अच्छी वृद्धि की है। बैंक की जमा राशि 31 मार्च 2024 के 7357.68 लाख रुपये से बढ़कर 31 दिसंबर 2024 तक 8462.29 लाख रुपये तक पहुंचाते हुए 15 प्रतिशत की वृद्धि की है। बैंक की 31 मार्च 2024 तक अग्रिम राशि 4980.31 लाख से बढ़ाकर 31 दिसंबर 2024 तक 5855.14 लाख रुपये तक

पहुंचते हुए इसमें 17.57 प्रतिशत की वृद्धि की। बैंक की शेयर पूंजी पर नजर डाले तो 31 मार्च 2024 तक शेयरधारकों की संख्या 6306 और शेयर पूंजी 412.30 लाख रुपये है जबकि 31 दिसंबर 2024 तक शेयरधारकों की संख्या 6357 और शेयर पूंजी 446.21 लाख रुपये तक पहुचाते हुए शेयरधारकों में प्रतिशत वृद्धि 0.81 प्रतिशत और शेयर पूंजी में 8.22 प्रतिशत की वृद्धि की। 31 मार्च 2024 तक लाभ, सकल लाभ 98.92 लाख रुपये और शुद्ध लाभ 74.00 लाख रुपये रहा और 31 दिसंबर 2024 तक सकल लाभ 85.94 लाख रुपये और शुद्ध लाभ 64.39 लाख रुपये रहा।

बैंक ने एसएलआर और सीआरआर को बनाए रखने के मामले में कभी भी चूक नहीं की। दूसरे, हम अपने सीडी अनुपात को औसत स्तर से ऊपर बनाए रख पाए और 31 दिसंबर 2024 तक यह 69.19 प्रतिशत है जो अच्छा है।

हम सीडी अनुपात और लाभप्रदता में सुधार के लिए गुणात्मक ऋण विस्तार के साथ इसे और बेहतर बनाएंगे। इस वर्ष के लिए मेसर्स अनंत राव और मालिक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को आरबीआई द्वारा 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 की अवधि के लिए वैधानिक ऑडिट करने के लिए नियुक्त किया गया है।

बैंक की सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए परंपरा को कायम रखते हुए हमारे बैंक ने विभिन्न संगठनों को दान के माध्यम से सहायता प्रदान की है जो जरूरतमंद व्यक्तियों के साथ-साथ विधवाओं, अनाथों, छात्रों और समाज के कमजोर वर्गों की मदद कर रहे हैं। बैंक की अन्य विकास विभिन्न तकनीकी उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं, जिनमे एसएमएस अलर्ट, रुपे डेबिट/एटीएम कार्ड सह विशेषाधिकार कार्ड, पीओएस मशीन, त्वरित आरटीजीएस/एनईएफटी, ईसीएस डेबिट/क्रेडिट, आयकर चालान भुगतान, आधार सीडिंग आदि शामिल है। हमारे पास मोबाइल बैंकिंग सेवाएं हैं जैसे फ़ोन पे, गूगल पे आदि जो हमारे मूल्यवान ग्राहकों को प्रदान की गई हैं। आपके बैंक ने आरबीआई के मानदंडों के अनुसार साइबर सुरक्षा की अवधारणा को भी लागू किया है।

उन्होंने अवसर पर अंश धारकों सहित भारतीय रिजर्व बैंक और तेलंगाना राज्य सरकार के सहकारिता विभाग के प्रति उनके बहुमूल्य समर्थन, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त करते हैं। बैंक की वृद्धि और विकास के लिए उनके समर्पण, प्रतिबद्धता और प्रयासों के लिए निदेशक मंडल, सीईओ और स्टाफ सदस्यों की भी सराहना करते हैं।

अवसर पर वाइस चेयरमैन विजय गुप्ता, निदेशक कैलाशचंद केडिया, राजेश कुमार अग्रवाल, प्रदीप कुमार अग्रवाल, श्रीमती उर्मिला अग्रवाल, सुधीर कुमार गुप्ता, सुरेन्द्र कुमार गोयल सहित अन्य उपस्थित थे।

विश्वमंगल गौशाला में जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मेड़चल सोमारम विलेज स्थित विश्व मंगल गौशाला में एक शाम गौमाता के नाम विशाल जागरण शनिवार रात्रि 8.15 बजे आयोजित किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति में गौशाला के मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार ने बताया कि अतिथियों व गौशाला के पदाधिकारियो द्वारा दीप प्रज्वलित कर जागरण का शुभारम्भ किया गया। गणेश वंदना के साथ मरुधर मेवाड़ के धरा से पधारे भगवत सुथार व दिनेश नाथ ने भजनों की रसधार बहा दी। तत्पश्चात भजन गायक डॉ.ओमजी मुंडेल ने राजस्थानी अंदाज में गौमाता के चरणो में भजनो के पुष्प अर्पित किये। जिसका गौभक्तो ने देर रात तक नाचते-गाते हुए लाभ लिया। अवसर पर पधारे गौभक्तो के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था लाभार्थी श्री विष्णु मंडल सिकंदराबाद द्वारा गौशाला प्रांगण में की गयी। अवसर पर पधारे मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ संचालक बरला सुन्दर रेड्डी, गौशाला संस्थापक दुर्गा रेड्डी, ओमप्रकाश झंवर, रामसिंह चौहान, गोपालदास बंसल, दर्शन अग्रवाल, गज्जू भाई कोलरिया, राजूराम, राजेश तापड़िया, ओमदास, ताराराम सीरवी, लुम्बाराम सीरवी, सांवलराम सीरवी, एसबीआई ग्रूप, हनुमन्त धनवा, सरवन बिश्नोई, माजीसा ग्रूप, पेमाराम, केराराम, दिनेश, प्रेम प्रजापति, सतपाल जाट व तन-मन-धन से दान-पुण्य करने के लिए गौशाला पदाधिकारियो द्वारा राजस्थानी साफे, शॉल से विशेष सम्मान किया गया।

गौशाला अध्यक्ष टीवी सुरेश ने पधारे सभी गौभक्तो का तन-मन-धन से दिये गये सहयोग के लिए आभार प्रकट करते हुए बताया कि जिस प्रकार पेड़ की जड़ में पानी देने से पूरा पेड़ हराभरा हो जाता है, उसी प्रकार गौमाता की सेवा से पूरा जगत पुष्ट होता है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष टीवी सुरेश, उदय भास्कर, मुख्यसचिव शांतिलाल सुथार, दलपत सिंह,महेन्द्र आगलेचा, संगीता सीरवी, वेंकन्ट रेड्डी व सदस्यो का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन जेठुसिंह राजपुरोहित ने किया। महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ।

महादेव मंदिर पर अतिक्रमण को लेकर कलेक्टर से शिकायत

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने महादेव मंदिर की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर हैदराबाद कलेक्टर से मुलाकात की। लक्ष्मण राव ने फीलखाना में महादेव मंदिर के लंबे समय से लंबित मुद्दे को ध्यान में लाने के लिए हैदराबाद कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी से मुलाकात कर वहां हो रहे अतिक्रमण के बारे में जानकारी दी। लक्ष्मण राव ने कलेक्टर को मंदिर की भूमि पर किए गए अवैध निर्माण के बारे में बताया कि वह बंदोबस्ती संपत्ति है। उन्होंने बताया कि बंदोबस्ती न्यायाधिकरण न्यायालय केस में सहमति व्यक्त की थी कि संरचना अवैध है। बंदोबस्ती न्यायालय में मामला अभी भी विचाराधीन होने के बावजूद, अतिक्रमणकारियों का खरीदने और बेचने का काम जारी है। बजरंग सेना ने अधिकारियों से आगे की अवैध बिक्री को रोकने और मंदिर की भूमि को पुनः प्राप्त करने के लिए तत्काल उचित कदम उठाने की मांग की है।

राष्ट्रीय श्री अन्न किसान मेला एवं उद्योग सम्मेलन आयोजन

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेंद्रनगर के द्वारा प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय सभागार में अनुसूचित जाति तथा जनजाति परियोजना के अंतर्गत विकसित भारत हेतु श्री अन्न विषय पर 3 मार्च को राष्ट्रीय श्री अन्न किसान मेला एवं उद्योग सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भागीरथ चौधरी, कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इनके साथ डॉ. अल्दास जानय्या, कुलपति, पीजीटीएयू, डॉ. राजी रेड्डी, कुलपति, एसकेएलटीएचयू, डॉ.जी नरेन्द्र कुमार, महानिदेशक, एनआईआरडीपीआर, डॉ. सुंचु ग्लोरी स्वरूपा, महानिदेशक, निम्समे, डॉ. तारा शर्मा, निदेशक, एनएआईबी, डॉ. शेख एन मीरा, निदेशक, भाकृअनुप-अटारी, डॉ.आर के माथुर, निदेशक, भाकृअनुप-भातिअनुस, डॉ.एस बी बारबुद्धे, निदेशक, भाकृअनुप-

रामांअनुसं, आर.पी नायुडु, क्षेत्रीय प्रमुख, एपीडा, हैदराबाद, डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं एवं डॉ.ए कलैसेकर, अध्यक्ष, एससीएसपी एवं टीएसपी भी मंच पर उपस्थित थे। भागीरथ चौधरी एवं अन्य गणमान्य लोगों के द्वारा दीप प्रज्वलन करके इस मेले का उद्घाटन किया गया।

भागीरथ चौधरी जी ने हैदराबाद आगमन पर सर्वप्रथम भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान का दौरा किया तथा किसान उत्पादक संगठनों हेतु नव-निर्मित श्री अन्न प्रसंस्करण एवं प्रशिक्षण इकाई का उद्घाटन किया।

इस सम्मेलन में प्रदर्शनी स्टॉल, उत्पादक-खरीदार बैठकें, व्यवसाय-व्यवसाय बैठकें, पैनल चर्चा आदि शामिल थी। इस मेले में देशभर के लगभग 2,000 से ज्यादा किसानों, श्री अन्न किसान उत्पादक संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, महिला किसानों, प्रद्योगविदों, शोध संस्थानों, नीति निर्माताओं, कृषि-व्यवसायियों ने भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

10 साल पहले हुआ था जैसा, आईसीसी वनडे टूर्नामेंट में फिर होने जा रहा वैसा ही सेमीफाइनल

दुबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल की लाइन अप तय है. 4 और 5 मार्च को दोनों सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाने हैं. पहला सेमीफाइनल भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हैं. वहीं दूसरे सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका की टक्कर न्यूजीलैंड से है. अब हम आपसे कहें कि ये सेमीफाइनल ठीक वैसा ही होने जा रहा है, जैसा 10 साल पहले हुआ था, तो क्या आप यकीन करेंगे? जी हां, चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में 2015 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल की स्टोरी रिपीट होती दिख रही है. तब भी यही टीमें आपस में सेमीफाइनल में भिड़ीं थी और अब भी उन्हीं के बीच फाइनल के टिकट के लिए मुकाबला होने जा रहा है.

आईसीसी वनडे टूर्नामेंट में 10 साल पहले जैसा सेमीफाइनल

अब आईसीसी वनडे टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में 10 साल पुरानी स्टोरी तो रिपीट हो गई. मगर अंजाम वैसा ना हो तो ही टीम इंडिया के नजरिए से अच्छा रहेगा. कुल मिलाकर ये टीम इंडिया के पास हिसाब को बराबर करने का भी मौका है. तो 10 साल पहले यानी वर्ल्ड कप 2015 के सेमीफाइनल में क्या हुआ था. वहां भी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की तरह ही सेमीफाइनल की लाइन अप थी. भारत की टक्कर ऑस्ट्रेलिया से थी और साउथ अफ्रीका न्यूजीलैंड की चुनौती का सामना करने उतरा था.

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड

2015 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 95 रन से हराकर फाइनल का टिकट कटाया था. हालांकि, ये उस वर्ल्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल था. वहीं पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को डकवर्थ लुइस से 4 विकेट से हराया था. चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बदलाव बस ये है कि पहला सेमीफाइनल भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच है. वहीं दूसरे सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड आमने-सामने हैं.

चैंपियंस ट्रॉफी में 48 घंटे अहम

साफ है कि चैंपियंस ट्रॉफी में 48 घंटे बेहद अहम हैं. 48 घंटे से यहां मतलब 4 और 5 तारीख से है, जिस दिन दोनों सेमीफाइनल खेले जाने हैं. इन दो दिनों में देखना दिलचस्प होगा कि 10 साल पुराना इतिहास वाकई खुद को पूरी तरह से दोहराता दिखता है. या फिर उसमें कोई बदलाव होता नजर आता है. वैसे जिस तरह से भारत और साउथ अफ्रीका अभी तक चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेले हैं, उसके बाद कुछ भी संभव है.

कांग्रेस प्रवक्ता ने क्रिकेटर रोहित शर्मा को मोटा बताया

भाजपा बोली- ये बॉडी शेमिंग और एक सेल्फमेड चैंपियन का अपमान

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की शानदार जीत के बाद कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा की फिटनेस और कप्तानी पर सवाल उठाए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- एक खिलाड़ी के तौर पर रोहित शर्मा मोटे है, उन्हें अपना वजन कम करना चाहिए।

इसके साथ ही शमा मोहम्मद ने यह भी कहा कि रोहित भारत के सबसे निराश करने वाले कप्तान हैं। कांग्रेस प्रवक्ता के बयान को भाजपा ने एक सेल्फमेड चैंपियन (रोहित) का अपमान और बॉडी शेमिंग बताया।

शमा मोहम्मद ने रोहित शर्मा की तुलना भारत के पूर्व क्रिकेट दिग्गजों से की। उन्होंने X पर लिखा, 'जब सौरव गांगुली, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली, कपिल देव और रवि शास्त्री जैसे दिग्गजों

से तुलना करें तो रोहित शर्मा में ऐसा क्या वर्ल्ड क्लास है? वह एक औसत दर्जे के खिलाड़ी और कप्तान हैं, जिन्हें बस किस्मत से भारतीय टीम की कप्तानी मिल गई।'

शहजाद पूनावाला- राहुल गांधी की कप्तानी में हारे 90 चुनाव

कांग्रेस प्रवक्ता के इन बयानों पर भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा- जो लोग राहुल गांधी की कप्तानी में 90 चुनाव हार चुके हैं, वे रोहित शर्मा की कप्तानी को बेकार बता रहे हैं। पूनावाला ने रोहित के ट्रैक रिकॉर्ड की भी तारीफ की और उनकी टी20 वर्ल्ड कप जीत का जिक्र किया

कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई नेता राधिका खेड़ा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दशकों तक खिलाड़ियों का अपमान किया है और अब एक क्रिकेट के दिग्गज का मजाक उड़ा रही है। यह वही कांग्रेस है, जिसने दशकों तक खिलाड़ियों का अपमान किया, उन्हें पहचान नहीं दी और अब एक सेल्फमेड चैंपियन का मजाक उड़ा रही है।

शमा मोहम्मद के दिए गए बयान पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने एक क्रिकेट के दिग्गज के बारे में कुछ ऐसे बयान दिए हैं, जो पार्टी की विचारधारा के खिलाफ थे। उन्हें इन पोस्टों को एक्स से हटाने को कहा गया है और भविष्य में ज्यादा सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस खेल जगत के महान हस्तियों के योगदान को बहुत सम्मान देती है और किसी भी ऐसे बयान का समर्थन नहीं करती जो उनके सम्मान को ठेस पहुंचाए।

इस विवाद के बीच भारत ने न्यूजीलैंड को 44 रनों से हराकर ग्रुप ए में टॉप पोजिशन हासिल की। श्रेयस अय्यर की 79 रनों की पारी और वरुण चक्रवर्ती की 5 विकेट के साथ शानदार गेंदबाजी ने भारत को सेमीफाइनल में जगह दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 4 मार्च को टीम इंडिया का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा।

भारतीय टीम के मैनेजर आर देवराज ने परिवार में शोक के कारण चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को बीच में ही छोड दिया

दुबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य आर देवराज ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान दुबई में टीम को बीच में ही छोड़ दिया । भारतीय टीम के मैनेजर को पारिवारिक अवकाश में शामिल होने के लिए अचानक जाना पड़ा। आर देवराज का यह अचानक जाना उनकी मां के निधन के कारण हुआ, जिन्होंने हैदराबाद में अंतिम सांस ली। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ़ भारत के अंतिम ग्रुप स्टेज मैच से पहले इस खबर की पुष्टि की। इसके अलावा, यह भी ध्यान देने वाली बात है कि आर देवराज वर्तमान में एचसीए के सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

आर देवराज पारिवारिक आपात स्थिति के कारण टीम इंडिया को छोड़कर दुबई चले गए

हालांकि, भारत के चैंपियंस ट्रॉफी 2025 सेमीफाइनल मुकाबले के लिए आर देवराज की उपलब्धता अभी भी अज्ञात है, लेकिन दुबई में उनकी वापसी पर निर्णय सेमीफाइनल के परिणाम के बाद पुष्टि की जाएगी, जहां उन्हें मंगलवार 4 मार्च को ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है।

इससे पहले दिन में एचसीए ने आर देवराज और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। एचसीए ने एक बयान में कहा, गहरे दुख के साथ हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे सचिव देवराज की मां कमलेश्वरी गारू का निधन हो गया है। उनकी आत्मा को शांति मिले। देवराज गारू और उनके परिवार के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना।

टीम इंडिया की बात करें तो रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अभी भी अजेय है। बांग्लादेश को छह विकेट से हराने के बाद, उन्होंने दुबई में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराया। अंतिम ग्रुप स्टेज मैच में, जहां उनका सामना न्यूजीलैंड से हुआ, मेन इन ब्लू ने कीवी को 44 रनों से हराकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।

टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में चला तलाशी अभियान

मेडल ढूंढते नजर आए खिलाड़ी

दुबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। पिछले कुछ सालों से टीम इंडिया में एक नया ट्रेंड शुरू हुआ है वो है हर एक मैच के बाद बेस्ट फील्डर को मेडल देना। बीते दिन भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए रोमांचक मैच में दोनों टीमों की तरफ से काफी शानदार फील्डिंग देखने को मिली थी। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने कई बेहतरीन कैच भी पकड़े थे, जो काफी मुश्किल थे। कीवी टीम के खिलाफ टीम इंडिया की बल्लेबाजी भले ही ज्यादा खास न रही हो लेकिन गेंदबाजी और फील्डिंग में भारतीय खिलाड़ियों ने कमाल का प्रदर्शन किया। मैच के बाद टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में बेस्ट फील्डर ऑफ द मैच का मेडल भी दिया गया, लेकिन मेडल को खोजने के लिए पहले ड्रेसिंग रूम में तलाशी अभियान चलाया गया।

किसको मिला बेस्ट फील्डर ऑफ द मैच का मैडल

न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल और विराट कोहली ने कमाल की फील्डिंग का नजारा पेश किया। जिसके बाद विराट कोहली को मैच के बाद बेस्ट फील्डर ऑफ द मैच के लिए मेडल दिया गया। हालांकि शुरुआत में मेडल मिल नहीं रहा था, जिसके बाद खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में मेडल को खोजते हुए नजर आए। बाद में अक्षर पटेल के पास से मेडल मिला और कोहली को पहनाया गया। जिसका मजेदार वीडियो बीसीसीआई ने शेयर किया है। वहीं, बल्लेबाजी में विराट कोहली कुछ खास कमाल नहीं कर पाए थे। इस मैच में उन्होंने महज 11 रन ही बनाए थे।

भारत ने जीता था मैच

इस मैच में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 249 रन बनाए थे। भारत की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए श्रेयस अय्यर ने सबसे ज्यादा 79 रनों पारी खेली थी। इसके अलावा हार्दिक पांड्या ने 45 और अक्षर पटेल ने 42 रन बनाए थे। वहीं कीवी टीम 250 रन का पीछा करते हुए 205 रनों पर ढेर हो गई थी। न्यूजीलैंड की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए केन विलियमसन ने सबसे 81 रन बनाए थे, लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। टीम इंडिया की तरफ से गेंदबाजी करते हुए वरुण चक्रवर्ती ने सबसे ज्यादा 5 विकेट चटकाए थे।

'बाबर आजम के आगे विराट कोहली जीरो हैं'

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहसिन खान का चौंकाने वाला दावा

इस्लामाबाद, 3 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहसिन खान ने भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को लेकर कुछ ऐसा कह दिया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के हालिया प्रदर्शन के बारे में चर्चा की। इस दौरान उनसे विराट कोहली और बाबर आजम के बीच तुलना को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने झल्लाहट में कोहली को बाबर आजम के मुकाबले कुछ भी नहीं बताया और कहा कि वह जीरो हैं।

मोहसिन खान ने 'एआरवाई न्यूज' से कहा, 'सबसे पहले मैं आपको एक बात बता दूं कि विराट कोहली बाबर आजम की तुलना में कुछ भी नहीं हैं। कोहली जीरो हैं। हम यहां इस बारे में बात

नहीं कर रहे हैं कि कौन बेहतर खिलाड़ी है, बल्कि हम पाकिस्तान क्रिकेट के बारे में बात कर रहे हैं, जिसे नष्ट कर दिया गया है। हमारी कोई योजना नहीं है, कोई रणनीति नहीं है, कोई योग्यता नहीं है और कोई जवाबदेही नहीं है।'

चैम्पियंस ट्रॉफी में ऐसा रहा बाबर आजम का प्रदर्शन

अपने मेजबानी में चैम्पियंस ट्रॉफी में डिफेंडिंग चैम्पियन के रूप में उतरी पाकिस्तान का प्रदर्शन बेहद औसत रहा, जहां टीम न्यूजीलैंड और भारत से हारकर ग्रुप स्टेज में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इसके अलावा बांग्लादेश के खिलाफ टीम का मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया। टूर्नामेंट में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर के प्रदर्शन की बात की जाए, तो वो यहां छाप छोड़ नहीं सके। बाबर ने टूर्नामेंट का अंत सिर्फ 87 रन बनाकर किया, जहां भारत के खिलाफ उन्होंने 23 रन बनाए थे। उनके इस प्रदर्शन की वजह से ही मोहसिन खान का यह बयान ज्यादा अटपटा लग रहा है।बात करें कोहली के प्रदर्शन की, तो उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार शतक जड़कर टीम को जीत दिलाई। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले विराट का बल्ला कुछ खास नहीं चल रहा था, लेकिन पाकिस्तान को देखते ही उन्होंने अपने बल्ले का दम दिखाते हुए नाबाद 100 रनों की पारी खेली। विराट अब तक इस टूर्नामेंट में 66.50 की औसत से 133 रन बना चुके हैं।

युकी भांबरी ने दुबई में पहला एटीपी 500 युगल खिताब जीता

बोल्लिपल्ली ने चिली ओपन युगल खिताब जीता

दुबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारत के युकी भांबरी ने पहला एटीपी 500 पुरूष युगल खिताब जीत लिया जब उन्होंने आस्ट्रेलियाई जोड़ीदार एलेक्सेइ पोपिरिन के साथ दुनिया की 14वें नंबर की जोड़ी फिनलैंड के हारी हेलियोवारा और ब्रिटेन के हेनरी पाटेन को दुबई टेनिस चैम्पियनशिप में हराया। पहला सेट हारने के बाद दोनों ने शानदार वापसी करते हुए शनिवार को 51 मिनट तक चला मुकाबला 3-6, 7-6, 10-8 से जीता । इस जीत के साथ भांबरी सोमवार को एटीपी रैंकिंग में कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 40वीं रैंकिंग हासिल कर लेंगे। भांबरी और पोपिरिन ने खिताबी सफर में दुनिया की नंबर

एक जोड़ी अल सल्वाडोर के मार्शेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मेट पेविच को 4-6, 7-6, 10-3 से मात दी। उन्होंने ब्रिटेन के जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल को 5-7, 7-6, 10-5 से मात दी। पुरूष एकल वर्ग में स्टेफानोस सिटसिपास ने कनाडा के फेलिक्स आगर एलियास्सिमे को हराकर खिताब जीता।

भारत के रित्विक चौधरी बोल्लिपल्ली ने कोलंबिया के निकोलस बारियेंतोस के साथ मिलकर शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के आंद्रेस मोल्तेनी और मैक्सिमो गोंजालेस को सीधे सेटों में हराकर सैंटियागो में चिली ओपन टेनिस टूर्नामेंट जीता। रित्विक और निकोलस की गैर वरीय जोड़ी ने गोंजालेस और मोल्तेनी को एक घंटा चले फाइनल मुकाबले में 6-3, 6-2 से हराया। उन्होंने मैच में 11 ऐस लगाये जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी एक ही लगा सके।

कप्तानी छोड़ने के बाद जोस बटलर का छलका दर्द

खेल डेस्क, 3 मार्च (एजेंसियां)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद लिमिटेड ओवर क्रिकेट में कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। उनकी कप्तानी में टीम पाकिस्तान और दुबई में खेली जा रही चैम्पियंस ट्रॉफी में एक भी मैच नहीं जीत सकी। कप्तानी छोड़ने के बाद अब उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है, जहां अपनी कप्तानी को लेकर बात की है।

उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, 'इंग्लैंड के लिए कप्तानी करना एक बहुत बड़ा सम्मान है और मुझे ऐसा करने पर हमेशा गर्व होगा। नतीजे स्पष्ट हैं और ऐसे में यह मेरे और टीम के लिए यह फैसला लेने का सही समय है। मैं इस मौके पर उन सभी खिलाड़ियों और इंग्लैंड के फैंस को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने कप्तान के रूप में मेरा समर्थन किया है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं अपनी पत्नी लुईस और अपने परिवार को धन्यवाद देना चाहता हूं। आप मेरी जॉब के उतार-चढ़ाव के दौरान सपोर्ट के अटूट स्तंभ रहे हैं।'

हैरी ब्रूक बन सकते हैं टीम के कप्तान

34 साल के बटलर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ इंग्लैंड के आखिरी लीग मैच से पहले यह घोषणा की, जिसके साथ ही कप्तान के रूप में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। बटलर ने माना कि उनका यह फैसला टीम के चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर होने की वजह से लिया गया, जहां टीम को ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। बटलर के कप्तानी छोड़ने के बाद अब टीम के उप-कप्तान हैरी ब्रूक कप्तान बनने के लिए फेवरेट नजर आ रहे हैं।

पैसे के लिए चक्कर काट रहे शाहिद अफरीदी

प्रधामंत्री से शिकायत करने की आ गई नौबत

इस्लामाबाद, 3 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है. पैसों के मामले में अफरीदी को चक्कर काटने पड़ रहे हैं. और अब नौबत ये आ गई है कि वो प्रधानमंत्री से भी शिकायत कर सकते हैं. आखिर ऐसा क्या हो गया कि शाहिद अफरीदी जैसे दिग्गज खिलाड़ी को पैसों के लिए पीएम तक से शिकायत करने के बारे में सोचना पड़ रहा है. आइए जानते हैं कि आखिर अफरीदी के साथ हुआ क्या है?

बीपीएल टीम से अफरीदी को नहीं मिले पैसे

ये पूरा मामला बांग्लादेश प्रीमियर लीग से जुड़ा है. दरअसल हाल ही में हुई बांग्लादेश की इस टी-20 लीग में शाहिद चिट्टागॉन्ग किंग्स टीम के मेंटॉर और ब्रांड एंबेसडर हैं. इसके लिए उन्हें 1 लाख डॉलर (भारतीय मुद्रा में 87,33,155 रुपये) मिलने थे लेकिन उन्हें अब तक ये रकम नहीं दी गई है. बीडीन्यूज 24 की रिपोर्ट के मुताबिक अफरीदी को सिर्फ 19 हजार डॉलर (16,59,368 रुपये) दिए गए थे. उन्हें बाकी का पैसा नहीं मिला. ऐसे में पूर्व क्रिकेटर ने चिट्टागॉन्ग किंग्स की शिकायत बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष से की है.

पीएम से भी शिकायत कर सकते हैं अफरीदी

अगर बीसीबी अध्यक्ष से शिकायत करने के बाद भी इस मामले का समाधान नहीं होता है तो शाहिद अफरीदी इसकी शिकायत प्रधानमंत्री या फिर बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार से कर सकते हैं. लेकिन इस मामले में चिट्टागॉन्ग किंग्स टीम के मालिक समीर कादर चौधरी ने बताया है कि अफरीदी कोई क्रिकेटर (पूर्व क्रिकेटर) नहीं हैं, उन्हें उनकी रकम दी जाएगी. समीर के मुताबिक शाहिद को अब तक 21 हजार डॉलर (18,34,336 रुपये) की रकम दी जा चुकी है, उन्हें बाकी रकम भी जल्द ही मिल जाएगी.

उपविजेता रही थी चिट्टागॉन्ग किंग्स

शाहिद अफरीदी की मेंटॉरशिप में चिट्टागॉन्ग किंग्स ने बीपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन किया था. वो इस सीजन की उपविजेता रही थी. खिताबी मुकाबला 7 फरवरी को चिट्टागॉन्ग किंग्स और फॉर्च्यून बारिशल के बीच खेला गया था. फाइनल में किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 3 विकेट खोकर 194 रनों का स्कोर खड़ा किया था. जवाब में 19.3 ओवर में फॉर्च्यून बारिशल ने 195 रन बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया था. बारिशल के लिए कप्तान तमीम इकबाल ने 29 गेंदों में 54 रनों की तूफानी पारी खेली थी.

रैगिंग करने वाले छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

कॉलेज के सामने दिया धरना

मंचेरियल, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेसिडेंशियल कॉलेज फॉर एक्सीलेंस (बॉयज)-बेल्लमपल्ली के इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष के छात्रों पर उनके बेटों की रैगिंग करने का आरोप लगाते हुए अभिभावकों ने कार्रवाई की मांग की। उन्होंने सोमवार को कॉलेज के सामने धरना दिया।

अभिभावकों ने आरोप लगाया कि एक लड़के चक्रधर और दूसरे छात्र निखिल को इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष के छात्रों ने इसलिए पीटा क्योंकि उन्होंने रैगिंग की जानकारी कॉलेज के प्रिंसिपल को दी थी। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि इंटरमीडिएट के छात्रों ने रैगिंग के तहत चक्रधर को कपड़े उतारने और सिगरेट पीने के लिए मजबूर किया। बेल्लमपल्ली ग्रामीण इंस्पेक्टर अफजलुद्दीन ने कहा कि अभी तक छात्रों के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है, क्योंकि उनके माता-पिता पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे नहीं आए हैं।

18 फरवरी को महात्मा ज्योतिबा फुले आवासीय विद्यालय-चेन्नूर के सात छात्रों पर संस्थान के एक अन्य छात्र की पिटाई करने का आरोप लगाया गया।

बीआरएस-भाजपा तेलंगाना के विकास में बाधा डाल रही है : टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने दावा किया है कि बीआरएस और भाजपा दोनों पार्टियां लगातार कांग्रेस सरकार पर जहर उगल रही हैं और तेलंगाना में विकास में बाधा डाल रही हैं।

सोमवार को गांधी भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए, कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता केवल चुनाव के दौरान ही होनी चाहिए, और राज्य का विकास ही उसके बाद मायने रखता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी तेलंगाना की प्रगति में बाधा बन गए हैं। महेश कुमार गौड़ ने कहा, बीआरएस और भाजपा दोनों ही कांग्रेस सरकार की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए एक अघोषित समझौते पर काम कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार पर मेट्रो विस्तार और मेट्रो कायाकल्प परियोजना के दूसरे चरण में देरी करने का आरोप लगाया। महेश कुमार गौड़ ने कहा, भाजपा पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण का विरोध करती है और उसने इन आरक्षणों का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है।

यही कारण है कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पिछड़े वर्गों की जनगणना नहीं करा रही है। उन्होंने चुनौती दी कि अगर केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को वास्तव में पिछड़े वर्गों की चिंता है, तो उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देशव्यापी सर्वेक्षण शुरू करने का आग्रह करना चाहिए।

एनटीआर घाट पर कार ने मचाई तबाही

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार की सुबह एनटीआर घाट पर एक कार ने कहर बरपा दिया। कार सड़क के बीच में जा घुसी और फुटपाथ पर जा गिरी। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सड़क या फुटपाथ पर कोई न होने के कारण एक बड़ा जान-माल का खतरा टल गया। जानकारी के अनुसार, कथित तौर पर तेज और लापरवाही से चलाई जा रही कार नियंत्रण से बाहर हो गई और पहले सड़क के बीच में जा टकराई और फिर फुटपाथ पर जा गिरी।

कार सचिवालय से प्रसाद के आईमैक्स की ओर जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। हादसे में एक बिजली का खंभा और दो पेड़ नष्ट हो गए। सैफाबाद पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि कार चालक शराब के नशे में था या नहीं। आस-पास के इलाकों में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

तेलंगाना में एक और किसान ने की आत्महत्या

मेदक, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मनोहराबाद मंडल के लिंगारेड्डीपेट गांव में सोमवार को एक और किसान ने आत्महत्या कर ली। पितला राजू (45) ने अपनी बेटी की शादी के खर्च को पूरा करने के लिए अपनी एक एकड़ ज़मीन बेच दी थी। राजू ने इसके बाद गाँव में एक ज़मीन लीज़ पर ले ली और अलग-अलग फ़सलें उगा रहा था। हालाँकि, इस साल उसे मनचाही उपज नहीं मिली, जिससे उसे घाटा हुआ।

अपने बढ़ते कर्ज को चुकाने में असमर्थ राजू ने कथित तौर पर खुद को फांसी लगा ली। उसके परिवार में उसकी पत्नी और दो बेटियाँ हैं। मामला दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए तूप्रान के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

14 माओवादियों ने पुलिस के समक्ष किया आत्मसमर्पण

शांतिपूर्ण जीवन जीने का किया फैसला

कोत्तागुडेम, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। छत्तीसगढ़ के सीपीआई (माओवादी) पार्टी के 14 कार्यकर्ताओं ने सोमवार को यहां पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। मीडिया से बात करते हुए एसपी ने कहा कि माओवादियों ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने का फैसला किया और जिला पुलिस, सीआरपीएफ 81 बटालियन और 141 बटालियन द्वारा 'ऑपरेशन च्युता' के माध्यम से आदिवासियों के लिए किए जा रहे कल्याण और विकास उपायों के बारे में जानने के बाद आत्मसमर्पण कर दिया। एर्रापल्ली रिवोल्यूशनरी पीपुल्स कमेटी (आरपीसी) मिलिशिया कमांडर मदीवी भीमा, एर्रापल्ली आरपीसी चैतन्य नाट्य मंडली (सीएनएम) के अध्यक्ष सोदी उंगा, किस्टाराम क्षेत्र सीएनएम कमांडर कोवासी नंदा उर्फ श्रीनू उन 14 माओवादियों में से थे, जिन्होंने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

रोहित राजू ने बताया कि जनवरी में चेरला में जिला पुलिस द्वारा भूमिगत माओवादी कार्यकर्ताओं और आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के परिवार के सदस्यों के साथ आयोजित आत्मीय सम्मेलन के हिस्से के रूप में पुलिस अधिकारियों ने उन्हें पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने के लाभों के बारे में बताया। जिसके परिणामस्वरूप पिछले दो महीनों में 44 माओवादियों ने जिला पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने कहा कि सोमवार को आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को यह एहसास हो गया है कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) पार्टी ने अपनी पुरानी विचारधाराओं, जबरन वसूली और एजेंसी क्षेत्र के विकास में बाधा डालने के कारण पिछले कुछ समय से जनजातीय लोगों के बीच समर्थन और विश्वास खो दिया है।

रोहित राजू ने उन माओवादियों से अपील की जो आत्मसमर्पण करना चाहते हैं और सामान्य जीवन जीना चाहते हैं, वे अपने परिवार के सदस्यों के माध्यम से या व्यक्तिगत रूप से अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन या जिले के उच्च अधिकारियों से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि जिला पुलिस आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों की आजीविका और पुनर्वास के लिए सरकार द्वारा दी जाने वाली सभी तरह की सुविधाओं को सुनिश्चित करेगी। अतिरिक्त एसपी (ऑपरेशंस) परितोष पंकज और भद्राचलम एएसपी विक्रांत सिंह, चेरला सीआई राजू वर्मा और मनुगुर डीएसपी रविंदर रेड्डी उपस्थित थे।

2025 के लिए जैव विविधता सर्वेक्षण की तैयारी पूरी

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया, हैदराबाद चैप्टर ने दोनों शहरों और यहां तक कि जिलों के सभी प्रकृति प्रेमियों को अपने दूसरे हैदराबाद वार्षिक वृक्ष (एचएटी) जैव विविधता सर्वेक्षण में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है, जो रविवार 9 मार्च को सुबह 8 बजे से 11 बजे तक होगा। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रकृति के जटिल नेटवर्क को देखना, अनुभव करना और समझना है, तथा हमारे शहर में पेड़ों और जानवरों के बीच अंतर्निहित अंतर-संबंध को भी देखना है।

एचएटी जैव विविधता सर्वेक्षण के स्वयंसेवक हमारे शहर के पेड़ों पर आने वाली या रहने वाली असंख्य प्रजातियों का निरीक्षण और रिकॉर्ड करेंगे। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया, हैदराबाद कार्यालय की राज्य निदेशक फरीदा ताम्पल कहती हैं कि एचएटी जैव विविधता सर्वेक्षण का सबसे महत्वपूर्ण एजेंडा शहरी वनों के संरक्षण की प्रक्रिया में उनकी प्रत्यक्ष भागीदारी के माध्यम से शहर के वनस्पतियों और जीवों के बारे में आम लोगों के बीच जागरूकता पैदा करना है।

सर्वेक्षण में बड़ी संख्या में नागरिक समाज संगठन शामिल होंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि विविध सूक्ष्म-आवासों को कवर किया जाए, शहर को छह क्षेत्रों में विभाजित किया जाएगा - प्रत्येक क्षेत्र में सर्वेक्षण के लिए कुछ सड़कों और पार्कों को चिह्नित किया जाएगा। जांचे गए प्रत्येक पेड़ के लिए, स्वयंसेवक एक सर्वेक्षण फॉर्म भरेंगे जिसमें पेड़ के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जैसे उसका नाम, छाती की ऊंचाई पर उसका व्यास, उसके फूल और फल की स्थिति आदि दर्ज की जाएगी।

स्वयंसेवक पेड़ों पर देखे गए जानवरों, उनकी प्रजातियों के नाम, निरीक्षण के दौरान मौजूद प्रजातियों की संख्या आदि के बारे में प्रासंगिक जानकारी भी दर्ज करेंगे।

धर्मपुरी खंड में सूख गईं खड़ी फसलें : कोप्पुला ईश्वर

पेद्दापल्ली, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की लापरवाही के कारण धर्मपुरी विधानसभा क्षेत्र में खड़ी फसलें सूख रही हैं। ईश्वर ने आसपास के गांवों के किसानों के साथ सोमवार को धर्माराम मंडल के नंदी मेडाराम के पास नंदी जलाशय के हिस्से के रूप में निर्मित एक लिंक नहर के अचानक रुके हुए काम का निरीक्षण किया।

उन्होंने बताया कि मल्लापुर मंडल से वेलगाटूर मंडल के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने के लिए तीन साल पहले लिंक नहर को मंजूरी दी गई थी। इस परियोजना की लागत 13 करोड़ रुपये है, जिसके तहत दो किलोमीटर लिंक नहर का काम शुरू किया गया। 90 प्रतिशत काम पहले ही पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि शेष 10 प्रतिशत काम कांग्रेस सरकार ने लंबित रखा है।

स्थानीय विधायक अदलुरी लक्ष्मण कुमार नहर के काम को पूरा करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। बीआरएस नेता ने कहा कि अगर लक्ष्मण कुमार ईमानदार हैं, तो उन्हें लंबित नहर के काम को पूरा करना चाहिए। उन्होंने सरकार से सारंगपुर मंडल में रोलावागु परियोजना को पूरा करने की भी मांग की। कांग्रेस सरकार कृषि क्षेत्र को सिंचाई जल उपलब्ध कराने में विफल रही।

आवारा कुत्तों ने मतगणना कर्मचारियों पर किया हमला

करीमनगर, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी चुनाव की मतगणना में लगे मतगणना कर्मचारियों पर सोमवार को करीमनगर के अंबेडकर इंडोर स्टेडियम में आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। चुनाव अधिकारियों ने अंबेडकर इंडोर स्टेडियम में मतगणना प्रक्रिया के लिए व्यवस्था की थी। हालांकि, कुछ मतदान कर्मचारियों पर कुत्तों ने हमला किया और उन्हें काट लिया। सतर्क अधिकारियों ने कुत्तों को पकड़ने के लिए डॉग कैचर तैनात किए। घटना के बाद कुत्ता पकड़ने वालों ने कुछ कुत्तों को पकड़ लिया।

ठगने वाला गिरोह पकड़ा गया

खम्मम में फर्जी जमीन दस्तावेजों के जरिए करते थे ठगी

खम्मम, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खानपुरम हवेली के पुलिस निरीक्षक भानुप्रकाश ने कहा कि एक गिरोह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है जो निर्दोष लोगों को दोहरे पंजीकरण दस्तावेजों और झूठे पंजीकरणों के जरिए ऋण देने का झांसा देकर धोखा दे रहा था, जबकि उनके पास जमीन नहीं है। हाल ही में शहर में जमीन की बिक्री में कमी आने के साथ ही अवैध कमाई के आदी हो चुके जालसाज महंगी जमीनों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर रहे हैं। सीआई ने बताया कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर रियल एस्टेट का कारोबार करने के आरोप में मथुरा नगर इलाके के आरोपी शेख बड़े साहब और चिंतकणी मंडल के पाथरलापाडु के कोथापल्ली वेंकटेश्वरलू और तिपर्ती अशोक कुमार (राजस्व निरीक्षक) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने कहा कि उनके पास से कई भूमि पंजीकरण दस्तावेज जब्त किए गए हैं और नए प्रकार के रैकेट मामले की गहन जांच की जाएगी। इसी तरह, कोनिजेरला पुलिस स्टेशन में एक स्थानीय रियल एस्टेट उद्यम की ज़मीनों के 64 अवैध पंजीकरण करने के लिए नौ लोगों के खिलाफ़ मामले दर्ज किए गए। ये पंजीकरण पिछले दिसंबर में हुए थे और मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के निर्देशों के बाद कुछ व्यक्तियों द्वारा इस मुद्दे के बारे में सीएमओ में शिकायत दर्ज कराने के बाद मामले दर्ज किए गए।

तेज रफ्तार कार ने पैदल यात्री को कुचला

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार मध्य रात्रि को शहर के उपनगर नारसिंगी में एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक पैदल यात्री की मौत हो गई। पीड़ित की पहचान आंध्र प्रदेश के मूल निवासी के. श्रीनिवास (30) के रूप में हुई है, जो काम के लिए शहर आया था और दुर्घटना के समय वह सड़क पार कर रहा था। टाटा हैरियर नाम की एक कार, जिसे उसके चालक ने लापरवाही से चलाया था, ने उसे कुचल दिया। श्रीनिवास को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया क्योंकि कार चालक दुर्घटनास्थल से भागने में सफल रहा।

सूचना मिलने पर नरसिंगी पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच शुरू की।

उन्होंने दुर्घटनास्थल और कनेक्टिंग रोड पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की। वाहन और उसके मालिक का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

सुरक्षा, समयबद्धता और लोडिंग रेलवे के तीन सबसे महत्वपूर्ण पैरामीटर : महाप्रबंधक

हैदराबाद, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने आगामी ग्रीष्म ऋतु और ट्रेन परिचालन की सुरक्षा को देखते हुए किए जाने वाले उपायों पर सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में एक विस्तृत बैठक की। बैठक में एस.सी.आर. के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह मंडलों विजयवाड़ा, गुतंकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। श्री जैन ने सभी मंडलों को गर्मी का मौसम शुरू होने से पहले स्टेशनों, ट्रेनों, रेलवे कॉलोनियों आदि में पर्याप्त पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय करने की सलाह दी। उन्होंने गर्मी के दौरान रेलवे परिसर में आग की घटनाओं को रोकने के लिए अग्नि सुरक्षा ऑडिट, उपकरणों के रखरखाव आदि सहित सभी अग्नि सुरक्षा सावधानियों का पालन करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने स्टेशनों और ट्रेनों में एसी और वाटर कूलर के रखरखाव की समीक्षा करने की सलाह दी, उन्होंने कहा कि कोई भी खराबी पाए जाने पर तुरंत बिना देरी किए ठीक किया जाना चाहिए। महाप्रबंधक ने ट्रेन संचालन के सुचारू संचालन पर भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा, समय की पाबंदी और लोडिंग भारतीय रेलवे के तीन सबसे महत्वपूर्ण पैरामीटर हैं और इन्हें बनाए रखने के लिए सभी उचित प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने मंडलों को कुछ ट्रेनों में देरी की जांच करने और उन्हें सुधारने का निर्देश दिया ताकि ट्रेन संचालन की समय की पाबंदी में और सुधार हो सके। महाप्रबंधक ने जोन में चलाए जा रहे विभिन्न सुरक्षा अभियानों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने और ट्रेनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि वे फील्ड स्टाफ को अप्रिय घटनाओं या असुरक्षित स्थितियों से बचने के लिए शिक्षित करने के लिए नियमित सुरक्षा अभियान चलाते रहें।

सरकारी शिक्षक ने की आत्महत्या

स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अवसाद में थे शिक्षक

मंचेरियल, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार शाम को चेन्नूर कस्बे में एक 40 वर्षीय सरकारी शिक्षक ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली, क्योंकि वह स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उत्पन्न अवसाद को सहन नहीं कर पा रहा था। पुलिस ने बताया कि आदिलाबाद जिला मुख्यालय के रहने वाले और वेमनपल्ली मंडल के कलमलपेट गांव के एक प्राथमिक विद्यालय में हिंदी भाषा के शिक्षक टापरे संतोष का शव रविवार रात 8 बजे चेन्नूर कस्बे में उनके कमरे में पंखे से लटका मिला। उन्होंने आत्महत्या करने से पहले अपनी पत्नी, बेटे और बेटी को आदिलाबाद कस्बे में छोड़ा था।

कथित तौर पर उनके द्वारा लिखे गए और उनके कमरे से बरामद किए गए सुसाइड नोट के अनुसार, संतोष गंभीर थायरॉयड समस्या और कुछ त्वचा संबंधी बीमारियों के कारण गंभीर तनाव से गुजर रहे थे। उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों से इस कठोर कदम को उठाने के लिए माफ़ी मांगी। उनके कुछ सहयोगियों ने आरोप लगाया कि कोटापल्ली से कलमलपेट में स्थानांतरित होने के बाद भी वह उदास थे। संतोष ने 2012 में शिक्षा विभाग से अपना करियर शुरू किया था।

20 वर्षों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा नगर पालिका का मास्टर प्लान

एएमआरयूटी 2.0 योजना के तहत चुना गया है पलोंचा को

कोत्तागुडेम, 3 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अगले 20 वर्षों के लिए पलोंचा नगर पालिका की विकासात्मक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक डिजिटल मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। शहर में हाल ही में ड्रोन कैमरों का उपयोग करके भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित डिजिटल सर्वेक्षण शुरू किया गया है। जिला कलेक्टर जितेश वी पाटिल ने कहा कि नगरपालिका के लिए नवीनतम तकनीक की मदद से भविष्य की पीढ़ियों के लिए डेटा को डिजिटल बनाने के लिए एक समस्या मुक्त मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है।

पलोंचा नगर पालिका राज्य में 50,000 से 1 लाख की आबादी वाली कई नगर पालिकाओं में से एक है, जिसे डिजिटल सर्वेक्षण

करने के लिए केंद्र सरकार की अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (एएमआरयूटी) 2.0 योजना के तहत चुना गया है। उन्होंने कहा कि उपग्रहों और ड्रोन की मदद से सतह की ऊंचाई, सड़कें, घर, नालियां, पेयजल पाइपलाइन, सेल टावर, शौचालय, टैंक, बाजार, वैकुंठ धाम और नगरपालिका के अंतर्गत अन्य स्थानों की तस्वीरें एकत्र कर आधार मानचित्र तैयार किया जाएगा, जो शहर के विकास में महत्वपूर्ण होगा।

नगर आयुक्त के सुजाता ने बताया कि मौजूदा मास्टर प्लान 2005 में तैयार किया गया था और यह एक मैनुअल मास्टर प्लान था, जिससे क्षेत्र के निर्देशांक की पहचान करना मुश्किल है।

डिजिटल मानचित्र के साथ सरकारी भूमि, नालों, टैंकों, हरित क्षेत्र, सड़कों के निर्देशांक आसानी से पहचाने जा सकते हैं। सर्वे ऑफ इंडिया के तकनीकी अधिकारी बुर्रा गोपाल ने बताया कि डिजिटल सर्वेक्षण के तहत नगर निगम की सीमा के अंतर्गत 63 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का सर्वेक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि डिजिटल सर्वेक्षण का उद्देश्य सरकारी जमीनों से जुड़े विवादों को रोकना है, साथ ही शहर के भविष्य के विकास का मार्ग प्रशस्त करना है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.